बालाघाट
शनिवार 14 नवम्बर 2026
कार्तिक शुक्ल 05 विक्रम संवत 2083
वर्ष 17, अंक 52
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

जम्मू-कश्मीर, पंजाब और यूपी में सक्रिय अंतरराज्यीय तस्कर गिरोह का भंडाफोड़, 10 गिरफ्तार

सांबा। जम्मू-कश्मीर की सांबा पुलिस ने हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गाताार गैंग के प्रमुख सदस्यों समेत 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरोह जम्मू-कश्मीर, पंजाब और उत्तर प्रदेश में सक्रिय था। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से हथियार, कारतूस और हेरोइन बरामद की गई है।

पुलिस के मुताबिक, यह गिरोह कई राज्यों में हथियारों और मादक पदार्थों की तस्करी का नेटवर्क संचालित कर रहा था। गिरोह के सदस्य अलग-अलग इलाकों में अपने संपर्कों के जरिए अवैध गतिविधियों को अंजाम देते थे। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ ही उनके नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने के लिए जांच तेज कर दी है।

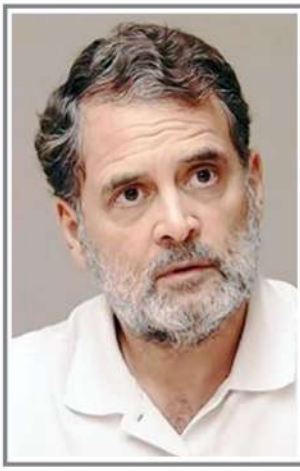
सोने-चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट, सोना 1,800 और चांदी 3,540 रुपये तक टूटी

नई दिल्ली। देश के सर्राफा बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई है। शुक्रवार, 13 नवंबर को इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, 24 कैरेट सोने की कीमत में 10 ग्राम पर करीब 1,808 रुपये की कमी आई है। वहीं चांदी का भाव एक किलोग्राम पर 3,540 रुपये तक गिर गया है। कीमतों में आई इस गिरावट से खरीदारों को राहत मिली है।

आईबीजेए के अनुसार, 12 नवंबर को 24 कैरेट सोने का भाव 1,37,691 रुपये प्रति 10 ग्राम था, जो 13 नवंबर को घटकर 1,35,884 रुपये रह गया। इसी तरह 22 कैरेट सोने की कीमत 1,24,470 रुपये और 18 कैरेट सोने का भाव 1,01,913 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया।

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का दावा

पीएम मोदी मेरा फोन टैप करा रहे, मेरे मोबाइल में सभी आरोपों के सबूत



नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। राहुल गांधी का दावा है कि उनके फोन की टैपिंग कराई जा रही है। मैसेजिंग ऐप व्हाट्सऐप पर लोकसभा में नेता विपक्ष ने अपने चैनल एक वीडियो मैसेज शेयर किया है। इसमें उन्होंने कहा कि उनके पास अपने सभी आरोपों को साबित करने के लिए सबूत मौजूद हैं और ये जानकारियां उनके फोन में भी हैं। राहुल गांधी ने कहा कि मेरे सभी आरोपों के सबूत मेरे फोन में मौजूद हैं जिसे प्रधानमंत्री टैप करवा रहे हैं। मेरे फोन में ऐसी कई जानकारियां और सबूत हैं जो इन आरोपों को साबित कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि आमने-सामने की बहस से यह भी साफ हो जाएगा कि कौन विदेशी ताकतों के नियंत्रण में है और कौन देशविरोधी गतिविधियों में शामिल है। राहुल गांधी के मुताबिक, उनके पास इस संबंध में कई अहम जानकारियां हैं जो उनके फोन में भी मौजूद हैं।

राहुल गांधी ने कहा कि अगर आमने-सामने बैठकर बहस होती है तो कई ऐसे मुद्दों का खुलासा हो सकता है जिनके बारे में अभी जानकारी सामने नहीं आई है। उन्होंने दावा किया कि उनके पास ऐसे कई सबूत हैं जो उनके आरोपों को साबित कर सकते हैं। इंस्टाग्राम पर 'आस्क मी' सेशन के दौरान एक यूजर ने उनसे पूछा कि जब बीजेपी संसद में बहस के लिए तैयार है तो वह सार्वजनिक मंच पर बहस करने पर जोर क्यों दे रहे हैं। इसके जवाब में राहुल ने आरोप लगाया कि संसद में उन्हें अपनी बात रखने का मौका नहीं दिया जाता और कई बार उनका माइक बंद कर दिया जाता है।

कई मुद्दों पर बोलने नहीं दिया गया

राहुल गांधी ने दावा किया कि उन्हें संसद में कृषि कानूनों, वोट चोरी, स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन, चीन, जनरल एमएम नरवणे की किताब और एपस्टीन जैसे मुद्दों पर बोलने नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि वह लंबी-लंबी भाषणबाजी वाली बहस नहीं चाहते बल्कि ऐसी सीधी बातचीत चाहते हैं जिसमें दोनों पक्ष एक-दूसरे से सवाल पूछ सकें और आरोपों का जवाब दे सकें। राहुल ने बहस का प्रस्ताव रखते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक तरफ बैठें और वह दूसरी तरफ। दोनों के बीच सीधे सवाल-जवाब हों और हर मुद्दे पर खुलकर बात हो। उन्होंने यह भी कहा कि अगर इस बहस में उद्योगपति गौतम अडानी या राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत को निर्णायक बनाया जाता है तो भी उन्हें कोई आपत्ति नहीं होगी।

बहस के बाद प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे मोदी जी

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री को चुनौती देते हुए कहा कि मैं गारंटी देता हूं कि मेरे साथ आमने-सामने की बहस के बाद प्रधानमंत्री पद पर नहीं रहेंगे। वह इससे पहले भी कई मौकों पर नरेंद्र मोदी को खुली बहस की चुनौती दे चुके हैं। एक बार उन्होंने दावा किया था कि वह पांच मिनट में साबित कर देंगे कि प्रधानमंत्री 'गद्दार' हैं।

कांग्रेस की दो दिन की भारत समिट शुरू

70 देशों से लोग शामिल हुए

भारत समिट में 115 विदेशी मेहमानों की एंट्री पर रोक

हैदराबाद। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में शुक्रवार से दो दिन की भारत समिट शुरू हो गई है। इसमें 70 देशों के प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। इसमें वैश्विक चुनौतियों और मौजूदा मुद्दों पर चर्चा हो रही है। राहुल गांधी समिट में शनिवार को शामिल होंगे। तेलंगाना के आईटी और इंडस्ट्रीज मंत्री डी श्रीधर बाबू के मुताबिक भारत समिट 2026 का उद्देश्य राज्य में निवेश और रोजगार लाना है। इसमें वैश्विक नेता, नीति विशेषज्ञ और प्रोग्रेसिव विचारक शामिल आएंगे। समिट तेलंगाना की अपना इंडस्ट्रियल और आईटी इकोसिस्टम दिखाने का मौका देगी। वहीं कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने केंद्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत समिट में बोलने के लिए आमंत्रित किए गए विदेशी वक्ताओं को भारत में प्रवेश करने से रोक दिया गया। कांग्रेस सांसद शशि थरूर, जो खुद भी इस कार्यक्रम के वक्ताओं में शामिल हैं, ने बताया कि 115 वक्ताओं को भारत में प्रवेश करने से रोक दिया गया या उनके वीजा रद्द कर दिए गए।

शशि थरूर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स में लिखा कि भारत समिट की कार्यवाही के बीच एक निराशाजनक बात सामने आई है। जब मैं हैदराबाद पहुंचा, तो मुझे पता चला कि विदेश मंत्रालय द्वारा इस कार्यक्रम के लिए मंजूरी दिए गए 315 वक्ताओं में से 115 को भारत में प्रवेश करने से रोक दिया गया या उनके वीजा रद्द कर दिए गए। ऐसा लगता है कि यह गृह मंत्रालय के निर्देशों पर हुआ है। यह बिल्कुल स्पष्ट नहीं है कि कानून के किस प्रावधान के तहत सरकार ने इतना कठोर कदम उठाया है। लेकिन अब इसे पलटना नामुमकिन है, क्योंकि कल यह सम्मेलन समाप्त हो रहा है। उन्होंने आगे कहा कि कितने शर्म की बात है कि एक गौरवशाली लोकतंत्र इतना असुरक्षित हो गया है कि उसे उन आवाजों को दबाना पड़ रहा है, जिनसे उसे आलोचना का डर है।

समिट में शामिल हुए करीब 1,000 प्रतिनिधि

थरूर ने बताया कि इस समिट में लगभग 1,000 प्रतिनिधि शामिल हुए हैं। इनमें वैश्विक नीति-निर्माता, प्रगतिशील नेता और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी तथा मल्लिकार्जुन खरगे भी शामिल हैं। इस कार्यक्रम में आयर वर्ल्ड इंस्टीट्यूट नामक एक थिंक-टैंक बनाने पर भी ध्यान दिया जाएगा। इसके साथ ही, इसका उद्देश्य ग्लोबल साउथ-ग्लोबल नॉर्थ प्लेटफॉर्म स्थापित करना भी है।



कुछ ना कहना



14 राज्यों में बारिश का अलर्ट, कश्मीर-हिमाचल में बर्फबारी; दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण से बिगड़े हालात

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में मौसम का मिजाज बदलने वाला है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 14 नवंबर को दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान समेत 14 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में बारिश की संभावना जताई है। वहीं जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के ऊंचाई वाले इलाकों में भारी बारिश के साथ बर्फबारी का अनुमान है। सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के कारण उत्तर भारत के मौसम में यह बदलाव देखने को मिल रहा है। दिल्ली-एनसीआर में ठंड के साथ प्रदूषण की समस्या भी गंभीर होती जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार को आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह धुंध और हल्का कोहरा रहेगा, जबकि कुछ स्थानों पर मध्यम कोहरा छा सकता है। अधिकतम तापमान 27 से 29 डिग्री और न्यूनतम तापमान 16 से 18 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। दिल्ली में 15 नवंबर से बारिश की संभावना है। प्रदूषण की बात करें तो दिल्ली के 59 में से 58 निगरानी केंद्रों पर वायु गुणवत्ता सूचकांक गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया। चांदनी चौक में एक्यूआई 480 और बुराड़ी कॉलिंग में 459 तक पहुंच गया। नोएडा के सेक्टर-62 में एक्यूआई 474 दर्ज किया गया। गाजियाबाद में भी कई इलाकों की हवा बेहद खराब बनी हुई है। उत्तर प्रदेश के पश्चिमी हिस्सों में छिटपुट बारिश हो सकती है, जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार में मौसम शुष्क रहेगा।





कलेक्टर आदित्य सिंह ने नक्सल प्रभावित रहें गांवों का किया दौरा, प्रस्तावित विकास कार्यों का लिया जायजा

मेंढरा, भक्कूटोला, साकरीटोला एवं सिरका पहुंचकर ग्रामीणों से किया संवाद, समस्याओं के निराकरण के दिए निर्देश, कलेक्टर एवं एसपी ने बोरवन में ग्रामीणों से किया संवाद





पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर आदित्य सिंह ने 13 नवंबर को किरनापुर विकासखंड के पूर्व नक्सल प्रभावित ग्राम मेंढरा, भक्कूटोला, साकरीटोला एवं सिरका का भ्रमण कर प्रस्तावित विकास कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। ग्राम बोरवन में कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक मलय जैन ने ग्रामीणों से चर्चा की। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नितेश भार्गव भी मौजूद रहे।

मेंढरा के आंगनवाड़ी केंद्र का किया निरीक्षण

कलेक्टर श्री सिंह ने ग्राम मेंढरा के आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर बच्चों की उपस्थिति, कुपोषित बच्चों, टीकाकरण एवं पोषण आहार वितरण की जानकारी ली। केंद्र की व्यवस्थाएं एवं कार्यकर्ता का कार्य संतोषजनक पाए जाने पर उन्होंने प्रशंसा की। उन्होंने केंद्र में बर्तन, बच्चों की ऊंचाई मापने की मशीन एवं खिलौने उपलब्ध कराने तथा भवन निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के उत्कृष्ट कार्य को देखते हुए उन्हें 26 जनवरी के गणतंत्र दिवस समारोह में सम्मानित करने की बात भी कही। चारों गांवों के ग्रामीणों ने बताया कि रोजगार के लिए उन्हें हैदराबाद एवं नागपुर जाना पड़ता है। इस पर कलेक्टर ने कहा कि वीबी-जीराम जी योजना के तहत प्रत्येक जॉब कार्डधारी को वर्ष में कम से कम 150 दिनों का रोजगार गांव में ही उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि 330 रुपये प्रतिदिन की मजदूरी मिलने से ग्रामीणों को रोजगार के लिए परिवार छोड़कर बाहर जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

स्टॉप डेम और सड़क निर्माण से बढ़ेंगी सुविधाएं

कलेक्टर ने गांवों में नालों एवं नदियों के पानी को रोकने के लिए बड़ी संख्या में स्टॉप डेम बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पक्की सड़कों के साथ पुल-पुलियों पर क्रॉस कल्वर्ट एवं जल संरक्षण की संरचनाएं बनाई जाएंगी, जिससे ग्रामीणों की सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध हो सकेगा। कलेक्टर ने ग्रामीणों को पशुपालन, बकरीपालन एवं मुर्गीपालन अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि दुग्ध उत्पादन बढ़ने पर गांव को मिल्क रूट से जोड़ा जाएगा। शिक्षित युवाओं को स्वरोजगार योजनाओं के तहत ऋण लेकर व्यवसाय शुरू करने तथा महिलाओं को आजीविका मिशन के स्व-सहायता समूहों से जुड़कर सिलाई, कढ़ाई, दोना-पत्तल एवं झाड़ू निर्माण जैसी गतिविधियां अपनाने की सलाह दी।

मेंढरा में सड़क एवं पेयजल व्यवस्था का लिया जायजा

ग्राम मेंढरा में ग्रामीणों ने नाले से मिट्टी का कटाव होने की शिकायत की। इस पर कलेक्टर ने जनपद सीईओ को रिटेनिंग वॉल निर्माण का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। गांव में नलजल योजना एवं सोलर लाइट व्यवस्थित रूप से संचालित मिली। युवा रामचंद मसंकोले द्वारा 33 घरों में नल से पानी पहुंचाने की व्यवस्था की जा रही है। ग्रामीणों ने राशन दुकान पोषणमाह में शुरू करने एवं पक्की सड़क की मांग रखी। इस पर बताया गया कि मेंढरा से लौहांगी चौकी तक प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में सड़क स्वीकृत हो चुकी है।

भक्कूटोला में आंगनवाड़ी एवं बिजली समस्या के निराकरण के निर्देश

ग्राम भक्कूटोला के आंगनवाड़ी केंद्र में 24 बच्चे दर्ज पाए गए, जिनमें 2 बच्चे एसएएम एवं 4 बच्चे एमएएम श्रेणी के हैं। एमएएम श्रेणी के बच्चों का एनआरसी में उपचार कराया जा चुका है। केंद्र में शौचालय नहीं होने पर कलेक्टर ने सरपंच एवं सचिव को निर्माण कराने के निर्देश दिए। ग्रामीणों द्वारा नाले से जमीन कटाव की शिकायत पर रिटेनिंग वॉल का प्रस्ताव तैयार करने को कहा गया। वहीं बिजली के कम वोल्टेज एवं बंद नलजल योजना की समस्या का शीघ्र निराकरण करने तथा योजना में बिजली कनेक्शन लेकर उसे चालू कराने के निर्देश दिए।

साकरीटोला में स्टॉप डेम और सड़क निर्माण पर जोर

कलेक्टर श्री सिंह ने ग्राम साकरीटोला के प्राथमिक शाला का निरीक्षण किया और ग्रामीणों से चर्चा की। उन्होंने गांव के आसपास नालों पर अधिक संख्या में स्टॉप डेम बनाने तथा ककोड़ी से साकरीटोला तक प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की सड़क का कार्य शीघ्र स्वीकृत कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

प्राथमिक शाला सिरका के शिक्षकों को किया जाएगा सम्मानित

ग्राम सिरका के प्राथमिक शाला के निरीक्षण में पाया गया कि स्व-सहायता समूह द्वारा मध्यान्ह भोजन तैयार नहीं किया जा रहा है। शिक्षक युवराज सिंह हरमारे एवं राजेश नगपुरे स्वयं सामग्री लाकर रसोइये के माध्यम से बच्चों के भोजन की व्यवस्था कर रहे थे। शिक्षकों ने बताया कि समूह के खाते में राशि जाने के कारण उन्हें अपने खर्च से भोजन की व्यवस्था करनी पड़ रही है। कलेक्टर श्री सिंह ने मामले की गंभीरता से लेते हुए किरनापुर बीआरसी को मध्यान्ह भोजन की राशि शिक्षकों के खाते में शीघ्र हस्तांतरित कराने के निर्देश दिए। साथ ही दोनों शिक्षकों की बच्चों के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए उन्हें 26 जनवरी को सम्मानित करने की बात कही।

बोरवन में ग्रामीणों से किया संवाद, मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश

ग्राम बोरवन में कलेक्टर श्री आदित्य सिंह एवं पुलिस अधीक्षक श्री मलय जैन ने ग्रामीणों से संवाद किया। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में 18 परिवार निवास करते हैं और यहां आंगनवाड़ी केंद्र, नलजल योजना, वन अधिकार पट्टा एवं श्मशान घाट की आवश्यकता है। वर्तमान में ग्रामीण हैंडपंप के पानी पर निर्भर हैं। इस पर कलेक्टर ने गांव में नलजल योजना तैयार करने एवं सरपंच-सचिव को श्मशान घाट बनवाने के निर्देश दिए। उन्होंने पात्रता के अनुसार वर्ष 2005 के पूर्व से वन भूमि पर काबिज लोगों को वन अधिकार पट्टा दिलाने तथा गांव में सभामंच बनाने की बात भी कही।

गांवों में जल्द शुरू होंगे विकास कार्य

कलेक्टर श्री सिंह ने ग्रामीणों से अपील की कि वे रोजगार के लिए बाहर पलायन करने के बजाय गांव में ही शुरू होने वाले निर्माण एवं विकास कार्यों में भागीदारी करें। उन्होंने आश्वस्त किया कि पूर्व नक्सल प्रभावित सभी गांवों में शीघ्र ही विकास कार्य प्रारंभ किए जाएंगे, जिससे ग्रामीणों को रोजगार के साथ सड़क, पेयजल, सिंचाई एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। कलेक्टर श्री सिंह ने ग्राम पीनी के आयुष्मान आरोग्य मंदिर का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने समीप ही बन रहे सामुदायिक भवन का कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये।

20 नवंबर को बीएसएनएल कर्मचारियों की देशव्यापी हड़ताल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के कर्मचारियों एवं अधिकारियों की विभिन्न यूनियनों और एसोसिएशनों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर 20 नवंबर 2026 को देशव्यापी हड़ताल का ऐलान किया है। ऑल यूनियंस एंड एसोसिएशंस ऑफ बीएसएनएल (एयूएबी), नई दिल्ली के आह्वान पर आयोजित इस अखिल भारतीय हड़ताल में बीएसएनएल से जुड़ी विभिन्न कर्मचारी यूनियन और एसोसिएशन शामिल होंगी।हड़ताल के माध्यम से कर्मचारियों द्वारा मुख्य रूप से तीसरे वेतन एवं वेतनमान संशोधन (थर्ड पे रिवीजन) को 1 जनवरी 2017 से तत्काल प्रभाव से मंजूरी देने की मांग उठाई जाएगी। इसके साथ ही बीएसएनएल के तीसरे वेतन संशोधन में लागू अफोर्डेबिलिटी क्लॉज में छूट देने की मांग भी प्रमुखता से की जा रही है।एयूएबी का कहना है कि कर्मचारियों के वेतन संशोधन का मामला लंबे समय से लंबित है, जिसके निराकरण के लिए सरकार और प्रबंधन को तत्काल निर्णय लेना चाहिए। इसी मांग को लेकर देशभर में एकजुट होकर आंदोलन करने का निर्णय लिया गया है इस हड़ताल में बीएसएनएलईयू, एनएफटीई बीएसएनएल, एसएनईए, सेवा बीएसएनएल, एआईबीएसएनएलईए, डीईडब्ल्यूएबी, एनयूबीएसएनएलडब्ल्यू, एफएनटीओ, सीबीटब्ल्यू, एआईटीईईए, एसएनएटीटीए, टीईपीयू, बीएसएनएलएमएस, बीएसएनएल एटीएम, बीएसएनएलईसी और बीटीयू बीएसएनएल सहित विभिन्न संगठन शामिल रहेंगे। आंदोलन के जरिए कर्मचारी अपनी मांगों के शीघ्र निराकरण के लिए सरकार का ध्यान आकर्षित करेंगे।

गायखुरी में लगेगा 20 को मेला, रूखमणि और भामिनी के बीच होगा शाहिरी का मुकाबला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी वैनगंगा मेला समिति गायखुरी द्वारा नगरीय क्षेत्र के वार्ड नंबर 33 गायखुरी वैनगंगा नदी तट स्थित शिव मंदिर समीप तुलसी विवाह ग्यारस पर्व के अवसर पर दिन रात के मेले का आयोजन 20 नवम्बर शुक्रवार को किया गया है। इस अवसर पर आयोजन समिति द्वारा लोगों के मनोरंजन के लिये रात्रि 9:30 बजे से दो महिला शाहिरों की दिव्यम शायरी के मुकाबला का आयोजन किया गया है। इसमें महिला शाहिर श्रीमती रुखमणि लिल्हारे ग्राम दिनी वारासिवनी व महिला शाहिर श्रीमती भामिनी डोंगे ग्राम गर्रा टोला रामपायली के द्वारा एक से बढ़कर एक सुमधुर शाहिरी की प्रस्तुति दी जावेगी। आयोजन समिति द्वारा मेला व कार्यक्रम को लेकर व्यापक तैयारियां की गई है। इस अवसर पर मेला समिति के पदाधिकारियों व वार्ड नंबर 33 के निवासियों ने दुकानदारों व दर्शकों से अधिकाधिक उपस्थिति की अपील की है।

न्यायालय तहसीलदार, परसवाड़ा जिला बालाघाट(म.प्र.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.- 0015/ड-154/2026-27
मौजा-दलवाड़ा, प.ह.न.-21

एतद् द्वारा सर्वसाधारण एवं आम जनता ग्राम दलवाड़ा तहसील परसवाड़ा जिला बालाघाट को सूचित किया जाता है कि आवेदक रिखीराम हनवत पिता/पति टोपराम जाति गोंड पवार निवासी ग्राम दलवाड़ा तहसील परसवाड़ा जिला बालाघाट ने अपने पुत्र/पुत्री/पिता कपूराबाई पिता/पति टोपराम हनवत की जन्म/मृत्यु दिनांक **05/06/2014** के जन्म/मृत्यु के संबंध में घटना का ग्राम पंचायत दलवाड़ा में रजिस्ट्रकरण नहीं होने से जन्म/मृत्यु की प्रविष्टि ग्राम पचायत फतेपुर में दर्ज कर जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र मिलने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति विशेष को आपत्ति/दावा प्रस्तुत करना हो तो नियत दिनांक **19/11/2026** तक मेरे न्यायालय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा अपने अधिकतों के माध्यम से आपत्ति / दावा प्रस्तुत कर सकता है। नियत समयावधि के प्रश्चात प्राप्त आपत्ति / दावा पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

आज तारीख 12/11/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा द्वारा जारी किया गया है।

तहसीलदार
परसवाड़ा जिला बालाघाट

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं नेहा सिंह पिता श्री चन्द्रशेखर सिंह उम्र 28 वर्ष ग्राम कटंगझरी तह. लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.) की निवासी हूं।

1. मैं शपथकर्ता उपरोक्त पते की मूल एवं स्थायी निवासी है।
2. यह कि मैंने वर्ष 2015 में हायर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा (10+2) तथा वर्ष 2013 में हाई स्कूल परीक्षा उत्तीर्ण की है।
3. यह कि मेरी कक्षा 10वीं की अंकसूची का संस्था क्रमांक 782093 नामांकन क्रमांक A11/782093/023 एवं रोल नंबर 1378159995 एवं कक्षा 12वीं कक्षा की अंकसूची का संस्था क्रमांक 782093 नामांकन क्रमांक A11/782093/023 एवं रोल नंबर 2578339718 है।
4. यह कि मेरी कक्षा 10वीं एवं 12वीं की अंकसूची मेरी माता का नाम **UNI DEVI SINGH** अंकित हो गया है जबकि मेरी माता के नाम की सही स्पेलिंग **UNNI SINGH** है। जो कि मेरी माता के सभी आवश्यक दस्तावेजों में अंकित है।
5. यह कि मैं अपनी कक्षा 10वीं एवं 12वीं की अंक सूची में अपनी माता का सही नाम **UNNI SINGH** दर्ज करवाकर पुनः अंकसूची प्राप्त करना चाहती हूं।

शपथकर्ता
नेहा सिंह पिता श्री चन्द्रशेखर सिंह
ग्राम कटंगझरी तहसील लालबर्रा
जिला बालाघाट(म.प्र.)

चार दिन तक घर नहीं लौटे वाहिद खान ने जिला अस्पताल में तोड़ा दम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। घर से काम पर निकले एक व्यक्ति की चार दिन बाद जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई।मृतक की पहचान वार्ड क्रमांक 10 रजानगर निवासी वाहिद उर्फ राजू खान 61 वर्ष पिता हमीद खान के रूप में हुई है। उनकी मौत किन परिस्थितियों में हुई फिलहाल इसका खुलासा नहीं हो पाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चलने की संभावना है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वाहिद खान नारायण ट्रेवल्स में ड्रेव्हर के रूप में काम करते थे। परिवार में उनका एक बेटा इमरान खान और एक बेटी है। बेटी का विवाह हो चुका है। बताया जाता है कि काम की प्रकृति के चलते वाहिद खान पांच से सात दिनों में एक बार घर आया करते थे। इसी क्रम में 8 नवंबर को भी वे घर से काम पर जाने के लिए निकले थे लेकिन उसके बाद वापस नहीं लौटे। बताया गया है कि 10 नवंबर को सुबह करीब 9:30 बजे 108 एंबुलेंस की मदद से उन्हें जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया था। यहां सर्जिकल वार्ड में भर्ती कर उनका उपचार किया जा रहा था। जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष करते हुए आखिरकार 13 नवंबर की सुबह करीब 9:30 बजे उन्होंने अस्पताल में अंतिम सांस ली।वाहिद खान की मौत की खबर पार्षद सोहेल खान ने उनके बेटे इमरान खान को दी। पिता के इंतकाल की खबर मिलते ही इमरान खान सहित परिवार के अन्य सदस्य जिला अस्पताल पहुंचे। अचानक मिली इस दुखद सूचना से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।जिला अस्पताल पुलिस ने आवश्यक पंचनामा कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम करवाया और अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया। फिलहाल वाहिद खान की मौत का कारण और उन परिस्थितियों का पता नहीं चल पाया है जिनमें उन्हें अस्पताल लाया गया था। अब सभी की निगाहें पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर टिकी हैं जिससे इस रहस्यमयी मौत की वजह सामने आने की उम्मीद है।

शादी का झांसा देकर नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपः सिवनी के युवक पर मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। परसवाड़ा थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली 17 वर्षीय नाबालिग लड़की ने सिवनी जिले के एक युवक के विरुद्ध शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। परसवाड़ा पुलिस ने इस नाबालिग की रिपोर्ट पर आरोपी शिवम पिता संतोष भलावी ग्राम सरंडी सरेखा थाना उमली जिला सिवनी निवासी के विरुद्ध मामला कायम कर लिया है। अपराध दर्ज होने की भनक लगते ही आरोपी फरार है।जिसकी तलाश की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह नाबालिग कक्षा 11वीं तक पढ़ी है। उसके परिवार में माता-पिता और एक भाई हैं।बताया गया कि पिछले वर्ष यह लड़की अपनी मौसी की शादी में उनके गांव गई थी। वहीं पर शिवम भलावी भी आया था। तभी से दोनों की जान-पहचान हुई थी। वर्ष 2025 में संगम मेले में दोनों पुनः एक-दूसरे से मिले और मोबाइल नंबर का आदान-प्रदान किया। इसके बाद दोनों के बीच फोन पर बातचीत होती रहती थी।आरोप है कि मई 2026 में रात करीब 11 बजे शिवम इस लड़की से मिलने आया और शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद 8 अगस्त 2026 को शिवम उसे शादी का झांसा देकर नागपुर ले गया। नागपुर में करीब 3 माह तक किराए के कमरे में रखकर उसके साथ दुष्कर्म करता रहा।8 नवंबर 2026 को शिवम इस लड़की को उसकी बुआ के घर ग्राम पुजारीटोला लाकर छोड़ गया।बताया गया कि शिवम ने शादी करने का आश्वासन दिया था।इस कारण लड़की पहले रिपोर्ट लिखवाने नहीं आई। किंतु शादी करने से मुकर जाने पर इस लड़की ने घटना के संबंध में अपने परिजनों को बताया और परसवाड़ा पुलिस थाना रिपोर्ट करने पहुंची।परसवाड़ा पुलिस ने नाबालिग की रिपोर्ट पर आरोपी शिवम भलावी के विरुद्ध धारा 64(2)(एम) भारतीय न्याय संहिता 2023 और धारा 5(एल)/6 लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 के तहत अपराध दर्ज किया है।अपराध दर्ज होने की भनक लगते ही शिवम भलावी फरार हो गया है। जिसकी तलाश की जा रही है।

3 किलोमीटर में दो- दो थाने, फिर भी सुरक्षित नहीं बंजारी माता मंदिर

8 महीने में दूसरी बार चोरी ने धार्मिक स्थल को बनाया निशाना, पहली वारदात में 14 लाख के आभूषण पार, अब माता रानी का 50 हजार का श्रृंगार चोरी, पुलिस गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले मे चोरी के मामले लगातार बढ़ते जा रहे है।चोरों के हौसले इतने बुलंद हैं कि धार्मिक स्थलों को भी निशाना बनाने में खौफ नहीं रह गया है।लगातार बढ़ते जा रहे इन्ही मामलों के बीच मलाजखंड थाना क्षेत्र के पोनी मुख्य मार्ग पर स्थित प्रसिद्ध बंजारी माता मंदिर में 8 महीने के भीतर दूसरी बड़ी चोरी की वारदात ने पुलिस सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है। विडंबना यह है कि मंदिर के लगभग 3 किलोमीटर के दायरे में दो दो पुलिस थाने मौजूद हैं, इसके बावजूद चोर बेखौफ होकर मंदिर में चोरी की वारदात को अंजाम दे रहे हैं।इससे पूर्व 24 मार्च 2026 को मंदिर से करीब 14 लाख रुपये के आभूषण चोरी हुए थे और अब बीती रात अज्ञात चोरो ने माता रानी का करीब 50 हजार रुपये कीमत का श्रृंगार लेकर फरार हो गए। लगातार हो रही इन घटनाओं से श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों में भारी नाराजगी है।



8 महीने में दूसरी बार मंदिर में सेंधमारी

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 24 मार्च की रात अज्ञात चोरों ने बंजारी माता मंदिर को निशाना बनाते हुए करीब 14 लाख रुपये के कीमती आभूषण चोरी कर लिए थे। इस बड़ी वारदात के बाद भी मंदिर की सुरक्षा को लेकर कोई ऐसा प्रभावी इंतजाम नजर नहीं आया, जिससे चोरों पर अंकुश लग सके। इसी का नतीजा है कि 13 नवंबर की रात एक बार फिर चोर मंदिर में दाखिल हुए और माता रानी को अर्पित करीब 50 हजार रुपये कीमत का श्रृंगार चोरी कर ले गए। एक ही मंदिर में लगातार दूसरी चोरी ने पुलिस की कार्यप्रणाली और रात्रिकालीन गश्त पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

3 किलोमीटर में दो थाने, फिर भी चोर बेखौफ

इस पूरी घटना में सबसे चौंकाने वाला पहलू यह है कि मंदिर के आसपास लगभग तीन किलोमीटर के दायरे में दो पुलिस थाने होने के बावजूद चोर लगातार वारदात को अंजाम दे रहे हैं। मुख्य सड़क मार्ग पर स्थित मंदिर में बार-बार चोरी होना पुलिस की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। आखिर रात में पुलिस की गश्त कहां होती है? क्या संवेदनशील धार्मिक स्थलों की निगरानी के लिए कोई विशेष व्यवस्था नहीं है? जब पहली चोरी में लाखों के आभूषण चोरी हुए तो उसके बाद मंदिर की सुरक्षा को लेकर ठोस कदम क्यों नहीं उठाए गए? ऐसे सवाल अब क्षेत्र में चर्चा का विषय बने हुए हैं।

अब कार्रवाई का इंतजार, श्रद्धालुओं में आक्रोश

बंजारी माता मंदिर में दूसरी बार हुई चोरी की सर्वधर्म समाज और स्थानीय नागरिकों ने कड़ी निंदा की है। लोगों का कहना है कि धार्मिक स्थलों की सुरक्षा के प्रति पुलिस प्रशासन की गंभीरता दिखानी चाहिए। अब सवाल यह है कि 24 मार्च की 14 लाख रुपये की चोरी और 13 नवंबर की 50 हजार रुपये की वारदात के आरोपियों तक पुलिस कब पहुंचेगी? श्रद्धालुओं को केवल आश्वासन नहीं, बल्कि आरोपियों की गिरफ्तारी और मंदिर की सुरक्षा के ठोस इंतजाम चाहिए।

निशाना बनाया जाना बेहद चिंताजनक है- हेमेंद्र

लगातार दूसरी चोरी की घटना पर मंदिर समिति अध्यक्ष हेमेंद्र ठाकरे ने गहरी नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों को बार-बार निशाना बनाया जाना बेहद चिंताजनक है। पहली घटना में लाखों रुपये के आभूषण चोरी हुए थे और अब माता रानी का श्रृंगार चोरी कर लिया गया। उन्होंने पुलिस प्रशासन से आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी, रात्रिकालीन गश्त बढ़ाने और मंदिर परिसर की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है।

मामले की जांच जारी है- शाहिद खान

चोरी की जानकारी मिलने पर मंदिर समिति ने मलाजखंड पुलिस को सूचना दी। नवागत थाना प्रभारी शाहिद खान ने मामले की गंभीरता से लेते हुए घटनास्थल का निरीक्षण किया और आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया। पुलिस का कहना है कि घटना के प्रत्येक पहलू की बारीकी से जांच की जा रही है। आरोपियों तक पहुंचने के लिए पुख्ता और अन्य आवश्यक पड़ताल की जाएगी।

आंचलिक छत्तीसगढ़ी प्रोग्राम
चुनमुनिया
आकर्षक झाँकियों के साथ
गायक - दामाद बाबू
राजनांदगांव के द्वारा प्रस्तुत
7440787959
8085493332

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
शनिवार 14 नवम्बर 2026

बालाघाट एक्सप्रेस सिटी न्यूज

3
पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

समान शिक्षा के मुद्दे पर बालाघाट से भोपाल तक निकलेगी जन यात्रा

पूर्व संभागायुक्त बी. चंद्रशेखर ने प्रेसवार्ता में साझा की अभियान की रूपरेखा, 15 नवंबर से होगी शुरुआत, 13 दिसंबर को दिल्ली पहुंचेगी यात्रा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। देश में शिक्षा व्यवस्था को समान बनाने और सरकारी स्कूलों में बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से समान शिक्षा जन समिति द्वारा जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत बालाघाट से भोपाल और फिर भोपाल से दिल्ली तक जन यात्रा निकाली जाएगी। इस संबंध में शुक्रवार को शहर के एक निजी प्रतिष्ठान में समिति की ओर से प्रेस्वार्ता आयोजित की गई। प्रेस्वार्ता को जबलपुर संभाग के पूर्व कमिश्नर बी. चंद्रशेखर ने संबोधित करते हुए अभियान के उद्देश्यों और आगामी कार्यक्रमों की विस्तार से जानकारी दी। बी. चंद्रशेखर ने बताया कि वह पिछले कुछ वर्षों से देश में समान शिक्षा व्यवस्था लागू करने के उद्देश्य से समिति के माध्यम से कार्य कर रहे हैं। उनका मानना है कि देश के प्रत्येक बच्चे को शिक्षा प्राप्त करने के समान अवसर और सुविधाएं मिलनी चाहिए। वर्तमान में अलग-अलग स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता, संसाधनों और सुविधाओं के स्तर में अंतर देखने को मिलता है। ऐसी स्थिति में यह आवश्यक है कि सरकारी स्कूलों में भी वही शैक्षणिक वातावरण और संसाधन उपलब्ध कराए जाएं, जो बड़े और बेहतर सुविधाओं वाले स्कूलों में बच्चों को मिल रहे हैं। इसी विचार को जन-जन तक पहुंचाने के लिए समिति ने अब जन यात्रा के माध्यम से व्यापक जागरूकता अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि जन यात्रा का पहला चरण 15 नवंबर को बालाघाट जिले से प्रारंभ होगा, जो बरघाट, सिवनी, चौरई, छिंदवाड़ा, मुलताई और बैतूल होते हुए 25 नवंबर को भोपाल पहुंचेगा। इसके बाद यात्रा का दूसरा चरण 5 दिसंबर को भोपाल से शुरू किया जाएगा, जो विभिन्न क्षेत्रों से होते हुए 13 दिसंबर को दिल्ली पहुंचेगा। इस यात्रा के माध्यम से अलग-अलग स्थानों पर अभिभावकों, शिक्षकों और आम नागरिकों से संवाद किया जाएगा तथा समान शिक्षा की आवश्यकता को लेकर लोगों को जागरूक किया जाएगा। पूर्व कमिश्नर ने स्पष्ट किया कि समिति का उद्देश्य किसी व्यक्ति, विभाग, सरकार या प्रशासन की गलतियां गिनाना अथवा किसी को



सवालों के कटघरे में खड़ा करना नहीं है। अभियान का मुख्य मकसद यह सुनिश्चित करना है कि सरकार और प्रशासन की ओर से शिक्षा के क्षेत्र में उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाएं सभी बच्चों तक समान रूप से पहुंचें। इसके लिए व्यवस्था में शामिल सभी पक्षों की जिम्मेदारी तय हो और स्कूलों में मौजूद कमियों को दूर करने के लिए सामूहिक प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए केवल सरकार या प्रशासन पर निर्भर रहने के बजाय समाज की भागीदारी भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि यदि जिले के किसी शासकीय स्कूल में भवन, शिक्षण सामग्री, पेयजल, शौचालय, शिक्षकों अथवा अन्य आवश्यक संसाधनों की कमी है तो उसे दूर करने के लिए बच्चों, अभिभावकों और शिक्षकों को मिलकर प्रयास करना चाहिए। स्कूलों की आवश्यकताओं को सामने लाकर उनके समाधान की दिशा में काम करना होगा। जब अभिभावक अपने बच्चों की शिक्षा और स्कूलों की व्यवस्थाओं को लेकर जागरूक होंगे, तभी शिक्षा व्यवस्था में वास्तविक बदलाव संभव हो सकेगा। समिति इसी सोच के साथ लोगों को एकजुट करने और शिक्षा के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी का भाव विकसित करने का प्रयास कर रही है। बी. चंद्रशेखर ने कहा कि बड़े और प्रतिष्ठित स्कूलों में बच्चों को जिस प्रकार की शैक्षणिक सुविधाएं, संसाधन और बेहतर वातावरण उपलब्ध कराया जाता है, वैसी ही सुविधाएं जिले के प्रत्येक शासकीय स्कूल में भी होनी चाहिए। किसी बच्चे को केवल इस वजह से बेहतर शिक्षा से वंचित नहीं रहना चाहिए कि वह किसी छोटे गांव या सामान्य सरकारी स्कूल में पढ़ रहा है। इसके लिए स्कूलों की वर्तमान स्थिति का आकलन कर कमियों को चिन्हित करना और उन्हें दूर करने के लिए दीर्घकालीन कार्ययोजना तैयार करना आवश्यक है। ऐसी व्यवस्था विकसित की जानी चाहिए, जिससे आने वाले कई वर्षों तक बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और समान शिक्षा मिलती रहे। उन्होंने बताया कि समिति देश के अलग-अलग राज्यों में इस दिशा में काम कर रही है और कई स्थानों पर इसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आए हैं। अब इस प्रयास को व्यापक जन आंदोलन का रूप देने के लिए जन यात्रा निकाली जा रही है। बालाघाट से इसकी शुरुआत करने का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के अभिभावकों को शिक्षा के सवाल पर जागरूक करना है। उन्होंने जिले के नागरिकों, अभिभावकों और शिक्षकों से अपील की कि वे अपने आसपास के शासकीय स्कूलों की स्थिति पर ध्यान दें और उनमें बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सामूहिक रूप से आगे आएं। उन्होंने कहा कि समान शिक्षा केवल किसी एक संस्था या समिति की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है।

राज्य स्तरीय वॉलीबॉल में हिमांशु पाठक ने हासिल किया दूसरा स्थान, राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयनित

संदीपनि विद्यालय रजेगांव के छात्र ने बढ़ाया बालाघाट जिले का गौरव, 23 नवंबर से शिर्डी में दिखाएंगे खेल प्रतिभा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। संदीपनि विद्यालय रजेगांव के प्रतिभाशाली छात्र हिमांशु पाठक ने राज्य स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान हासिल किया है। इस उपलब्धि के साथ ही हिमांशु का चयन राष्ट्रीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता के लिए हुआ है। उनकी इस सफलता से विद्यालय सहित पूरे जिले में हर्ष का माहौल है। हिमांशु की इस उपलब्धि के पीछे विद्यालय की व्यायाम शिक्षिका श्रीमती बीना चौधरी का कुशल मार्गदर्शन, नियमित अभ्यास और कड़ी मेहनत महत्वपूर्ण रही है। उनके मार्गदर्शन में हिमांशु ने अपनी खेल प्रतिभा को निखारते हुए राज्य स्तर पर अपनी पहचान बनाई और राष्ट्रीय प्रतियोगिता में जगह सुनिश्चित की। राष्ट्रीय प्रतियोगिता की तैयारियों के लिए 17 नवंबर से मुरैना में नेशनल कैंप आयोजित किया जाएगा। इसमें शामिल होने हिमांशु पाठक 16 नवंबर को सुबह अपनी व्यायाम शिक्षिका बीना चौधरी के साथ मुरैना रवाना होंगे। इसके बाद 23 से 27 नवंबर तक महाराष्ट्र के शिर्डी में राष्ट्रीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता आयोजित होगी, जहां हिमांशु अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।



खेलों में जिले के खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा

विद्यालय एवं जिले के खिलाड़ियों ने केवल वॉलीबॉल ही नहीं, बल्कि शतरंज, कुश्ती, ग्रीको रोमन कुश्ती, कराते, हैंडबॉल, सॉफ्टबॉल और एथलेटिक्स सहित विभिन्न खेलों में भी उल्लेखनीय भागीदारी की है। इन खेलों में जिला स्तर पर लगभग 125 से अधिक प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया, वहीं संभाग स्तर पर 56 खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। इसके अलावा राज्य स्तर पर 12 बच्चों ने प्रतियोगिताओं में भाग लेकर जिले का प्रतिनिधित्व किया। यह उपलब्धि जिले में खेल प्रतिभाओं के लगातार निखरने और खेल गतिविधियों के प्रति बढ़ते रुझान को दर्शाती है।उधर हिमांशु की सफलता पर विद्यालय के प्राचार्य प्रवीण चंद्र साहू ने उन्हें बधाई देते हुए राष्ट्रीय स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दीं। वहीं श्रीमती गीता बनोदे, कैलाश भिलावे,महेंद्र समरिते, चंद्रप्रकाश दुबे, राजेश हरिनखेड़े, श्रीमती पायल जोशी सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने हिमांशु के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।विद्यालय परिवार को उम्मीद है कि हिमांशु राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भी शानदार प्रदर्शन कर संदीपनि विद्यालय रजेगांव और बालाघाट जिले का नाम रोशन करेंगे।

जनजातीय गौरव दिवस के आयोजनों की तैयारी, 15 नवंबर को बैहर में होगा जिलास्तरीय मुख्य समारोह

20 नवंबर तक जिलेभर में होंगे विविध कार्यक्रम, प्रेसवार्ता में भाजपा नेताओं से बैहर-बिरसा में आदिवासी बच्चों की मौत और मुआवजे को लेकर पत्रकारों ने पूछे सवाल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा जनजातीय गौरव दिवस के तहत जिले से लेकर प्रदेश स्तर तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। भाजपा की प्रदेशस्तरीय रूपरेखा के अनुसार 11 से 20 नवंबर तक प्रदेशभर में कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। वहीं भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाते हुए आदिवासी समाज के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति, परंपराओं और स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय नायकों के योगदान को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। बालाघाट जिले में भी इस अवसर पर विभिन्न गतिविधियों की रूपरेखा तैयार की गई है। इसी संबंध में 13 नवंबर को दोपहर 3 बजे भाजपा नेजी अनुपमा नेताम एवं पूर्व मंत्री तथा भाजपा जिलाध्यक्ष रामकिशोर कावरे ने प्रेसवार्ता आयोजित कर जिले में होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी मीडिया के साथ साझा की। उन्होंने बताया कि जिले में 14 नवंबर से जनजातीय गौरव दिवस के कार्यक्रमों की शुरुआत प्रतिमाओं एवं देवस्थानों पर स्वच्छता अभियान और दीप प्रज्वलन के साथ की जाएगी। इसके माध्यम से भगवान बिरसा मुंडा के विचारों, संघर्ष और जनजातीय समाज के योगदान को याद करते हुए लोगों को कार्यक्रमों से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। भाजपा जिलाध्यक्ष रामकिशोर कावरे के अनुसार, 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर बालाघाट जिले का मुख्य जिलास्तरीय समारोह



बैहर में आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन में जनजातीय समाज की संस्कृति, परंपराओं और गौरवशाली विरासत को केंद्र में रखते हुए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वहीं 16 और 17 नवंबर को जनजातीय छात्रावासों में पहुंचकर युवाओं से संपर्क अभियान चलाया जाएगा। इसके बाद 18 से 20 नवंबर तक जनप्रतिनिधियों और पार्टी पदाधिकारियों द्वारा विभिन्न स्थानों पर जनजातीय गौरव चौपाल आयोजित की जाएगी। इन चौपालों के माध्यम से जनजातीय समाज के लोगों से संवाद कर उनके मुद्दों और विषयों पर चर्चा की जाएगी। प्रेसवार्ता के दौरान कार्यक्रमों की जानकारी देने के साथ ही भाजपा नेताओं को बैहर और बिरसा क्षेत्र में आदिवासी बच्चों की मौत के मामलों को लेकर पत्रकारों के सवालों का भी सामना करना पड़ा। पत्रकारों ने सवाल उठाया कि एक ओर भाजपा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस मनाने और आदिवासी समाज के सम्मान की बात कर रही है, वहीं दूसरी ओर बीते दिनों बैहर और बिरसा क्षेत्र में आदिवासी बच्चों की मौत के मामलों पर भाजपा के जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों की ओर से अपेक्षित प्रतिक्रिया सामने क्यों नहीं आई। पत्रकारों ने पूछा कि जब आदिवासी बच्चों की मौत का मामला गंभीर है, तो इस पर राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए क्या प्रयास किए जा रहे हैं। पत्रकारों ने यह सवाल भी उठाया कि बच्चों की मौत के बाद भी मृतकों की संख्या और पूरे मामले से जुड़े आंकड़ों को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई है। इसके साथ ही प्रभावित परिवारों को अब तक मुआवजा नहीं मिलने का मुद्दा भी उठाया गया। सवालों के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष रामकिशोर कावरे और भाजपा नेजी अनुपमा नेताम से पूछा गया कि जनजातीय समाज के सम्मान और अधिकारों की बात करने वाली पार्टी इन प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी दिखाई क्यों नहीं दे रही है तथा पीड़ित परिवारों को राहत दिलाने के लिए अब तक क्या कदम उठाए गए हैं। इन सवालों के जवाब में रामकिशोर कावरे और अनुपमा नेताम ने मामले की जिम्मेदारी स्थानीय कांग्रेस विधायक की ओर बताते हुए अपनी प्रतिक्रिया दी। वहीं पीड़ित परिवारों को मुआवजा नहीं मिलने के सवाल पर भाजपा जिलाध्यक्ष रामकिशोर कावरे ने कहा कि प्रशासन इस पूरे मामले को लेकर कार्य कर रहा है और जल्द ही प्रभावित परिवारों को मुआवजा उपलब्ध कराया जाएगा। हालांकि बच्चों की मौत के मामलों में अब तक सामने आए आंकड़ों, जिम्मेदारी और मुआवजे की प्रक्रिया को लेकर पत्रकारों द्वारा उठाए गए सवालों के बीच प्रेसवार्ता में यह मुद्दा प्रमुखता से छाया रहा। जनजातीय गौरव दिवस के आयोजनों को जानकारी देने के लिए बुलाई गई प्रेसवार्ता में बच्चों की मौत और प्रभावित परिवारों को राहत देने का विषय भी चर्चा के केंद्र में रहा। एक ओर भाजपा द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर जनजातीय समाज के गौरव और सम्मान को लेकर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर पत्रकारों ने इन आयोजनों के बीच आदिवासी बच्चों की मौत के मामलों में जवाबदेही और पीड़ित परिवारों को मुआवजा दिलाने की आवश्यकता को लेकर सवाल उठाए।

गैय्या खिलावन कार्यक्रम देखने गई 19 वर्षीय युवती रहस्यमय ढंग से लापता

10 नवंबर को घर से निकली थी चांद उइके, मोबाइल भी मिला बंद, अपहरण की आशंका पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हट्टा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम परसपानी में गैय्या खिलावन कार्यक्रम देखने गई 19 वर्षीय युवती के रहस्यमय ढंग से लापता होने का मामला सामने आया है। युवती 10 नवंबर को सुबह घर से गांव में आयोजित कार्यक्रम देखने जाने का कहकर निकली थी लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटी। परिजनों ने पहले अपने स्तर पर गांव और आसपास के क्षेत्रों सहित रिश्तेदारों में उसकी तलाश की लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। युवती का मोबाइल फोन भी बंद मिलने से परिजनों की चिंता बढ़ गई। आखिरकार पिता ने अपनी पत्नी और दामाद के साथ हट्टा थाना पहुंचकर बेटी की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। मामले में अपहरण कर युवती को किसी अज्ञात स्थान पर बंधक बनाकर रखने की आशंका जताई गई है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 140(3) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी है।

कार्यक्रम देखने जाने का कहकर घर से निकली थी युवती

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम परसपानी निवासी रामेश्वर उइके मजदूरी का काम करते हैं। उनके परिवार में दो बेटियां हैं। बड़ी बेटी का विवाह हो चुका है, जबकि छोटी बेटी चांद उइके 19 वर्ष उनके साथ रहती है। चांद ने कक्षा पांचवीं तक पढ़ाई की है। बताया गया है कि 10 नवंबर को सुबह करीब 11 बजे परिवार के सभी सदस्य घर पर मौजूद थे। इसी दौरान चांद गांव में आयोजित गैय्या खिलावन कार्यक्रम देखने जाने की बात कहकर घर से निकली थी। उस समय परिजनों को इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था कि घर से निकली बेटी वापस नहीं लौटेगी।

शाम तक घर नहीं पहुंची तो शुरू की तलाश

चांद के घर से जाने के बाद परिजन उसके लौटने का इंतजार करते रहे लेकिन शाम होने के बाद भी वह घर नहीं पहुंची। इसके बाद परिवार के लोगों ने उसके मोबाइल फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन मोबाइल स्विच ऑफ बताने लगा। इससे परिजन परेशान हो गए। उन्होंने सबसे पहले मोहल्ले-पड़ोस और गांव में चांद की जानकारी जुटाई तथा संभावित स्थानों पर उसकी तलाश की लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद रामेश्वर उइके ने रिश्तेदारी में भी बेटी की पतासाजी शुरू की। इसके लिए चीनी, भिड़ी, नहरवाणी और बूढ़ी सहित अन्य रिश्तेदारी के गांवों में संपर्क किया गया। वहां भी चांद के पहुंचने या उसके संबंध में कोई जानकारी नहीं मिली। लगातार तलाश करने के बावजूद बेटी का पता नहीं चलने से परिवार के लोग चिंतित हो गए।

पांच फीट कद, सांवला रंग, हल्का नीला सलवार-सूट पहने थी

परिजनों द्वारा पुलिस को दी गई जानकारी के अनुसार लापता चांद उइके की उम्र 19 वर्ष, रंग सांवला, चेहरा गोल और बाल काले हैं। उसकी ऊंचाई लगभग पांच फीट बताई गई है। वह 10 नवंबर को घर से निकलते समय हल्के नीले रंग का सलवार-सूट पहने हुई थी। परिजनों ने पुलिस को युवती के हुलिए और कपड़ों की जानकारी उपलब्ध कराई है ताकि उसकी तलाश में मदद मिल सके।

पिता ने पत्नी और दामाद के साथ थाने पहुंचकर दर्ज कराई रिपोर्ट

बेटी की काफी तलाश करने के बाद भी जब उसका कोई पता नहीं चला तो पिता रामेश्वर उइके अपनी पत्नी पारवता उइके और दामाद मंगल मसकोले के साथ हट्टा थाना पहुंचे। वहां उन्होंने पुलिस को पूरी घटना की जानकारी देते हुए चांद के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई। परिजनों ने आशंका व्यक्त की है कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चांद उइके का अपहरण कर उसे किसी अज्ञात एवं गुप्त स्थान पर छिपाकर बंधक बनाकर रखा गया होगा।

अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध दर्ज कर पुलिस कर रही तलाश

हट्टा पुलिस ने परिजनों की शिकायत और अपहरण की आशंका के आधार पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 140(3) के तहत अपराध दर्ज किया है। पुलिस द्वारा मामले की जांच करते हुए लापता युवती चांद उइके की तलाश की जा रही है। परिजनों को अब अपनी बेटी के सकुशल वापस मिलने की उम्मीद है।

पुरानी रंजिश पर युवक से मारपीट-ब्लेड से हाथ पर किया वार-दी जान से मारने की धमकी

छोटा पाला में यात्री प्रतीक्षालय के पास हुई घटना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम छोटा पाला में एक व्यक्ति को हाथ-घूंसों से मारपीट करने के बाद उसके दाहिने हाथ में ब्लेड मारकर घायल कर दिया गया। घायल व्यक्ति मारुतिलाल बनोदे 32 वर्ष का इलाज किरनापुर के अस्पताल में किया गया और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर महेंद्र लिल्हारे के विरुद्ध मामला कायम कर जांच-पड़ताल शुरू की गई है। जानकारी के अनुसार मारुतिलाल बनोदे राजमिस्त्री का काम करते हैं। जिसकी गांव के ही महेंद्र लिल्हारे के साथ पूर्व से रंजिश चली आ रही थी। 12 नवंबर को दोपहर 4:30 बजे मारुतिलाल ग्राम बड़ा पाला से साइकिल में अपने घर आ रहा था। रास्ते में यात्री प्रतीक्षालय के पास महेंद्र लिल्हारे मिला और पुरानी रंजिश को लेकर वह गालियां देने लगा। मारुतिलाल ने उसे गाली देने से मना किया, तभी महेंद्र ने उसे हाथ-घूंसों से सिर, गाल और पेट में मारपीट की। इसी के साथ ही उसने मारुतिलाल के दाहिने हाथ की भुजा में ब्लेड से वार कर दिया। शोर होने पर मारुतिलाल के परिवार के लोग दौड़े और बीच-बचाव किया, जिसके बाद महेंद्र ने पुरानी रंजिश को लेकर उसे जान से मार डालने की धमकी दे दी। इसके बाद मारुतिलाल रिपोर्ट करने किरनापुर पुलिस थाना पहुंचा। किरनापुर पुलिस ने मारुतिलाल का इलाज और मुलाहिजा अपने यहां के अस्पताल में करवाया और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर महेंद्र लिल्हारे के विरुद्ध अश्लील गालियां देकर मारपीट और जान से मार डालने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

एक महिला अपने 3 साल के बेटे के साथ चलती मोटरसाइकिल से गिरने से घायल

गोद में बैठा बेटा संभल नहीं पाया- मां के साथ सड़क पर गिरा दोनों घायल मां बेटा जिला अस्पताल में भर्ती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। गोंदिया रोड फोरलेन पर शुक्रवार शाम एक परिवार के साथ हादसा हो गया। मायके से अपने गांव लौट रहे पति-पत्नी और दो बच्चों में से महिला अपने 3 साल के बेटे के साथ चलती मोटरसाइकिल से गिरकर घायल हो गई। दोनों घायलों को डायल-112 की मदद से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया है।जहां उनका इलाज चल रहा है।घायल महिला प्रीति पति संजय पांचे 30 वर्षग्राम साकड़ी थाना रामपायली निवासी है।जैसे उसके बेटे हिमांशु 3 वर्ष के साथ जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार संजय पांचे ग्राम साकड़ी के निवासी हैं और खेती-मजदूरी करके अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उनका ससुराल सरेखा बालाघाट में है।12 नवंबर को संजय की पत्नी प्रीति अपने दो बेटे हिमांशु 3 वर्ष और प्रियांशु 5 वर्ष के साथ ग्राम सरेखा अपने मायके मेहमानी में आई थी। मायके में एक दिन रुकने के बाद 13 नवंबर को संजय पांचे अपनी पत्नी प्रीति और बच्चों को लेने के लिए सरेखा गया था।शाम करीब 4:30 बजे संजय अपनी पत्नी प्रीति और दोनों बच्चों को लेकर मोटरसाइकिल से सरेखा से अपने गांव साकड़ी जाने के लिए निकला था। प्रीति अपने छोटे बेटे हिमांशु को गोद में रखी हुई थी जबकि संजय के सामने उसका बड़ा बेटा प्रियांशु बैठा हुआ था। इस तरह एक ही मोटरसाइकिल पर पति-पत्नी सहित दो छोटे बच्चे सवार थे। संजय ग्राम बटरमारा होते हुए वैनगंगा नदी पुल से होकर अपने गांव जाने के लिए निकला था।बताया गया कि जब वे सालेटेका के फोरलेन पर पहुंचे तभी अचानक संतुलन बिगड़ने से प्रीति अपने बेटे हिमांशु के साथ चलती मोटरसाइकिल से नीचे गिर गई। मां के गोद से छूटकर मासूम भी सड़क पर गिर गया। दोनों मां-बेटे को चोटें आईं।हादसा होते ही संजय ने मोटरसाइकिल रोकी और आसपास के लोगों की मदद से पत्नी और बेटे को उठाया। मौके पर राहगीरों की भीड़ लग गई।घटना की सूचना पर डायल-112 मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती कराया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने दोनों का प्राथमिक उपचार किया। बताया जा रहा है कि दोनों की हालत खतरे से बाहर है। लेकिन चोटों के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती रखकर इलाज किया जा रहा है।



आस-पास की खबरें

कोसमी में दो दिवसीय बैलजोड़ी पट प्रतियोगिता 15 से

पद्मेश न्यूज। खमरिया/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत रटेगांव के ग्राम कोसमी में क्रांतिसूर्य



बिरसा मुंडा के जयंती के अवसर पर 15 नवंबर से दो दिवसीय विशाल बैलजोड़ी पट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि क्रांतिसूर्य बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर ग्राम कोसमी में 15 नवंबर से दो दिवसीय विशाल बैलजोड़ी पट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। जिसमें प्रथम पुरस्कार 20,000 रूपये, द्वितीय पुरस्कार 15,000 रूपये, तृतीय पुरस्कार 12,000 रूपये, चौथा पुरस्कार 9000 रूपये, पांचवा पुरस्कार 7000 रूपये, छटवां पुरस्कार 6000 रूपये, सातवां पुरस्कार 5000 रूपये, 8 से 10 नंबर तक 4000 रूपये, 11 से 15 नंबर तक 3500 रूपये, 16 से 30 नंबर तक 3000 रूपये, 31 वां पुरस्कार 3100 रूपये एवं 15 नवंबर को प्रवेश शुल्क 1800 रूपये, 16 नवंबर को दोपहर 2 बजे तक प्रवेश शुल्क 2000 रूपये निर्धारित किया गया है। इस अवसर पर जिलेभर के पट बैलजोड़ी मालिकों से अपनी बैलजोड़ी एवं पट प्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील आयोजन समिति के सदस्य, पूर्व सरपंच बालकृष्ण बिसेन, वस्तराम टेकाम, गणेश उइके, सुखनंदन इनवाती, गेंदचंद नागेश्वर, गुलाब उइके, धनराज उइके, हरीलाल नागेश्वर, महेश चौहान, देवानंद उइके, गणेश बर्मोड़, नूतन मड़ावी, राकेश मड़ावी, राहुल उइके, राकेश मड़ावी, राहुल उइके, धनेश उइके, राजु उइके, किशोर मर्सकोले, लेखराम मर्सकोले, सोनू चौधरी, पप्पू खरोले, नाकलाल परते., गोहनसिंह वाड़िवा, योगेश चौहान, राजू मड़ावी सहित ग्रामीणजनों ने की है।

कोसमी में दिन-रात की मंडई आज

पद्मेश न्यूज। खमरिया/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले ग्राम कोसमी में 14 नवंबर को दिन-रात की मंडई के अवसर पर ग्रामीणजनों के रातिकालीन मनोरंजन के लिए रात 9 बजे से गवई के चिन्हा छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक लोककला मंच रायपुर एवं कर्टगढ़ी (वारासिवनी) म्युजिकल ग्रुप द्वारा गवई की चिन्हा छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम की शानदार प्रस्तुति दी जायेगी। चर्चा में मंडई-मेला समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 14 नवंबर को दिन-रात की मंडई का आयोजन किया गया है। जिसमें ग्रामीणजनों के रातिकालीन मनोरंजन के लिए रात 9 बजे से छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर चिन्हा छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक लोककला मंच रायपुर एवं कर्टगढ़ी (वारासिवनी) म्युजिकल ग्रुप द्वारा गवई की चिन्हा छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम के कलाकारों के द्वारा समुधर स्वरों में छत्तीसगढ़ी गीतों की झांकियों के साथ प्रस्तुती दी जायेगी। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपनी मंडई-मेला समिति कोसमी रटेगांव के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

महाविद्यालय का पूर्व जनभागीदारी समिति सदस्य और भाजपा नेताओं ने किया औचक निरीक्षण

व्यवस्थाओं को लेकर गरमाई चर्चा, महाविद्यालयीन गतिविधियों और कमियों पर हुई गंभीर चर्चा





छात्र उपस्थिति बढ़ाने, ड्रेस कोड का पालन और रिक्त पदों को जल्द भरने एवं कमियों को दुर करने की उठी मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में शैक्षणिक व्यवस्थाओं, छात्र-छात्राओं की उपस्थिति और अन्य बुनियादी समस्याओं का जायजा लेने के लिए पूर्व जनभागीदारी समिति के सदस्यों एवं भाजपा नेताओं ने महाविद्यालय का शुक्रवार को औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य कक्ष में विभिन्न बिंदुओं पर गहन चर्चा की गई और शिक्षण व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। साथ ही प्रयोगशाला कक्ष एवं अन्य लेब का निरीक्षण कर विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा प्रदान करने एवं जो कमियां है उसे दुर करने प्राचार्य से कहा गया। वहीं उपस्थित पदाधिकारियों ने महाविद्यालय में विद्यार्थियों की उपस्थिति कम पाये जाने पर चिंता व्यक्त की और उपस्थिति बढ़ाने के लिए प्रशासनिक अमले को पूरी सजगता के साथ कार्य करने की बात कही। साथ ही अनुशासन बनाये रखने के लिए सभी विद्यार्थियों को अनिवार्य रूप से ड्रेस कोड में आने के निर्देश दिये जाने एवं जो विद्यार्थी अधिक समय तक अनुपस्थित रहते है उनके परिजनों से चर्चा कर उसकी वास्तविक जानकारी लेने कहा गया। वहीं महाविद्यालय में जो व्यक्ति अनावश्यक रूप से आते है उन पर प्रतिबंध लगाने और समय पर सभी प्राध्यापकों के उपस्थित होने एवं पढ़ाई पर विशेष जोर देने कहा गया है। इस निरीक्षण के दौरान जनभागीदारी समिति के पूर्व सदस्य एवं भाजपा नेता व जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

विभिन्न विषयों के प्राध्यापकों के पद रिक्त होने से पढ़ाई हो रही प्रभावित

आपको बता दे कि लालबर्रा के शासकीय महाविद्यालय में वर्तमान में 15 सौ से अधिक छात्र-छात्राएं शिक्षा अध्ययन कर रहे है। लेकिन महाविद्यालय में वर्तमान में भौतिक शास्त्र, गणित, राजनीति विज्ञान, रसायन शास्त्र और वनस्पति शास्त्र सहित कुल 5 महत्वपूर्ण पद रिक्त है। वही नवीन शैक्षणिक सत्र का आधा सत्र बीत जाने के बाद भी अतिथि विद्वानों की नियुक्ति न होने से पढ़ाई प्रभावित हो रही है। अगर समय पर नियमित प्राध्यापक एवं अतिथि विद्वानों की नियुक्ति नही हुई है छात्र-छात्राओं की पढ़ाई प्रभावित होगी। जिसका असर उनके परीक्षा परिणाम पर पड़ेगा। जिस पर उपस्थित जनभागीदारी समिति के पूर्व सदस्य एवं भाजपा नेताओं ने प्राचार्य से कहा कि जो पद रिक्त पड़े है उस पद पर प्राध्यापकों की नियुक्ति हेतु उंच शिक्षा विभाग को पत्र व्यवहार कर प्रशासन से मांग करे ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो। साथ ही महाविद्यालय में जो कमियां पाई गई उसे जल्द दुरूस्त करने की भी मांग प्रभारी प्राचार्य से की गई है। इस दौरान प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रदीप भिमटे ने जनभागीदारी समिति के पूर्व सदस्य एवं भाजपा नेताओं से कहा कि जो पद रिक्त है उस संबंध में उच्च शिक्षा विभाग को अवगत करवा दिया गया है और शासन स्तर से ही अतिथि विद्वान शिक्षकों की नियुक्ति की प्रक्रिया होती है किन्तु अब तक नही हो पाई है, लेकिन हमारे द्वारा विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो उसके लिए व्यवस्था की जा रही है। साथ ही उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने कुछ समस्याएं बताई है, जिस पर अमल करते हुए उसे दुरूस्त कर पढ़ाई पर विशेष जोर दिया जायेगा। साथ ही महाविद्यालय के प्राचार्य एवं अन्य प्राध्यापकों से कहा गया कि विद्यार्थियों को अनुशासन का पालन करवाते हुए बेहतर शिक्षा प्रदान करे।

रिक्त पदों की जानकारी उच्च शिक्षा विभाग को भेज दी गई है - डॉ. भिमटे

शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा के प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे ने बताया कि पूर्व जनभागीदारी समिति के सदस्य एवं जनप्रतिनिधियों ने महाविद्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की गई है और जो सुझाव आये है उस पर विचार-विमर्श कर महाविद्यालयीन हित में आगे कार्य किये जायेंगें। डॉ. भिमटे ने बताया कि नियमित प्राध्यापकों के पांच पद रिक्त है जिसमें भौतिक शास्त्र, गणित, राजनीति विज्ञान, रसायन शास्त्र और वनस्पति शास्त्र शामिल है, जिनके पद पर भर्ती हेतु उंच शिक्षा विभाग को जानकारी भेज दी गई है, शासन से आश्वासन मिला है कि जल्द ही इस समस्या का समाधान किया जायेगा। जब तक नियमित या अतिथि विद्वान शिक्षकों की नियुक्ति नहीं होती, तब तक वैकल्पिक व्यवस्था के लिए महाविद्यालय स्टाफ के साथ चर्चा कर मंथन किया जायेगा ताकि पढ़ाई प्रभावित न हो। साथ ही निरीक्षण के दौरान सामने आये सुझावों और कमियों पर महाविद्यालय प्रबंधन अब स्टाफ के साथ बैठक कर आगामी कार्ययोजना तैयार करेगें ताकि छात्र-छात्राओं को बेहतर शैक्षणिक माहौल मिल सके।

डॉ. धर्मेन्द्र गोहिया ने दिया स्वस्थ एवं धूम्रपान व तम्बाकू से दूर रहने का संदेश

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में पदस्थ चिकित्सक डॉ. धर्मेन्द्र गोहिया के द्वारा अस्पताल के तंबाकू मुक्ति केन्द्र से मरीजों को काउंसलिंग कर स्वास्थ्य एवं धूम्रपान व तंबाकू से दूर रहने का संदेश दिया जा रहा है। इसी



कड़ी में गत दिवस दंत चिकित्सक डॉ. धर्मेन्द्र गोहिया ने स्वास्थ्य केन्द्र में ही अपने अधिनस्थ कर्मचारियों के साथ मिलकर दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए स्वस्थ, सुरक्षित एवं नशामुक्त जीवन अपनाने का प्रेरणादायी संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि दीपावली केवल दीप जलाने और खुशियां मनाने का पर्व नहीं है, बल्कि यह स्वयं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने तथा समाज को बेहतर बनाने का भी अवसर है। डॉ. गोहिया ने अपने संदेश में कहा कि आज के समय में तंबाकू, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा, पाउच एवं अन्य तंबाकू उत्पादों का सेवन समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय बनता जा रहा है। इनका सेवन किसी भी दृष्टि से लाभदायक नहीं है, बल्कि यह धीरे-धीरे शरीर को गंभीर बीमारियों की ओर धकेलता है। तंबाकू एवं धूम्रपान को उन्होंने धीमा जहर बताते हुए कहा कि इसका सेवन करने वाला व्यक्ति न केवल अपने स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि अपनी मेहनत की कमाई भी नशे की लत और उसके कारण होने वाली बीमारियों के उपचार में बर्बाद कर देता है। डॉ. गोहिया ने बताया कि तंबाकू एवं धूम्रपान के कारण मुंह का कैंसर, फेफड़ों का कैंसर, हृदय रोग तथा अन्य गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। जब परिवार का कोई सदस्य ऐसी गंभीर बीमारी से ग्रसित होता है तो उसका प्रभाव केवल मरीज तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरा परिवार मानसिक, सामाजिक और आर्थिक परेशानियों से जूझने लगता है। वहीं इस दौरान डॉ. गोहिया ने अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को दीपावली पर्व की शुभकामनाएं देते हुए उपहार भेंट कर उनके एवं उनके परिवारजनों के सुख, समृध्दि, उत्तम स्वास्थ्य और उज्जवल भविष्य की कामना की और कहा कि सभी को नशे से दुर रहने प्रेरित करने की बात कही।

बघोली में छत्तीसगढ़ी लोकगीत मंच कार्यक्रम में 'लोक स्वरांजलि' के कलाकारों ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 कि.मी. दूर ग्राम पंचायत बघोली में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी तीसरी मण्डई उत्सव के अवसर पर गुरूवार को छत्तीसगढ़ की माटी और संस्कृति से जुड़े सुप्रसिध्द लोक कला मंच 'लोक स्वरांजलि' सिहवा नगरी, थमतरी का कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति की बानगी देखने को मिली। इस अवसर पर 'लोक स्वरांजलि' पारंपरिक छत्तीसगढ़ी लोक नृत्य के गायक सहित अन्य कलाकारों के द्वारा कर्मा गीत, जस गीत, सुवा नृत्य, गौरा-गौरी उत्सव, राउत नाचा, पंथी गीत और देशभक्ति से ओत-प्रोत गीतों पर प्रस्तुत की गई जीवंत झांकियों ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ी लोक नाटक की मंचीय प्रस्तुतियों ने दर्शकों से खूब वाहवाही बटोरी। वहीं लोक कला मंच के प्रमुख गायक व संचालक राजेश पटेल के शानदार संचालन और हरीश मरकाम के निर्देशन में कलाकारों ने अपनी कला का बेहतरीन प्रदर्शन किया। मंच पर प्रमुख गायक कलाकारों के रूप में विजय साहू, यमुना बट्टी, रिया दुबे, लोकेश्वरी यादव और मनोहर नेताम ने अपनी सुमधुर आवाज और कर्जावान प्रस्तुतियों से पूरी रात श्रोताओं को बांधे रखा। कलाकारों को हर एक प्रस्तुति पर दर्शक दीर्घा से तालियों की गड़गड़ाहट गूंजती रही। इस तरह से पारंपरिक लोक नृत्यों



की एक से बढ़कर एक मनमोहक प्रस्तुतियां दिये जो दर्शकगणों का मनमोह लिया। वहीं इन नृत्यों में कलाकारों का पारम्परिक परिधान, लोक संगीत की मधुर धुने और ओजपूर्ण नृत्य शैली ने समां बांध दिया। इस तरह से संस्था के संचालक, प्रमुख गायक राजेश पटेल के नेतृत्व में गायक कलाकारों और नर्तक दल ने छत्तीसगढ़ की समृध्द लोक विरासत को दर्शकों के सामने जीवंत कर दिया।

30 वर्षों से चली आ रही सांस्कृतिक परंपरा

आपको बता दे कि लालबर्रा तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम बघोली में विगत 30 वर्षों से छत्तीसगढ़ अंचल के पारंपरिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन की अनूठी परंपरा चली आ रही है। ग्रामीण संस्कृति, भाईचारे और लोक कलाओं के संरक्षण की यह परंपरा अब इस गांव की विशिष्ट पहचान बन चुकी है। इस ऐतिहासिक मंडई को देखने और आनंद उठाने के लिए न केवल बघोली बल्कि आसपास के दर्जनों गांवों से हजारों की संख्या में दर्शक पहुंचते हैं और पूरी रात लोक संस्कृति का भरपूर लुत्फ उठाते हैं। इस भव्य और ऐतिहासिक सांस्कृतिक कार्यक्रम को सफल बनाने में आयोजन समिति के पदाधिकारियों और ग्रामवासियों ने कड़ी मेहनत की। आयोजन को सफल बनाने में प्रमुख रूप से अध्यक्ष कन्हैयालाल धानेश्वर, उपाध्यक्ष जागेश्वर चौधरी, रूपचंद रहांगडाले, सचिव चैनलाल चौधरी, डॉ. दीपक पटले, कोषाध्यक्ष देवराम साहू उपसरपंच, संरक्षक अरशद पापा पटेल सरपंच, पूर्व जनपद सदस्य इनकार सिंह उइके, पूर्व सरपंच प्रतिनिधि अनिल बिसेन, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के पूर्व पर्यवेक्षक मनोहरलाल यादव, शिक्षक बालकिशन साटोने, घनश्याम ठाकरे, सुरेश डोंगरे, लिम्बाजी चौधरी, गिरीश करेरे, मंडई मेला समिति के पूर्व अध्यक्ष पन्नालाल बनवारे, मानिक चौधरी, भीवराम साहू, टेकचंद गौतम, खालिक खान सहित समस्त पंचगण और ग्रामवासियों का सराहनीय एवं सक्रिय योगदान रहा।

अमोली में मन के चिरईया छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली में सार्वजनिक मंडई समिति के तत्वाधान में बजरंग मंदिर चौक में 14 नवंबर को दिन-रात की मंडई का आयोजन किया गया है। चर्चा में सार्वजनिक मंडई समिति अमोली के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी दिन-रात की मंडई के अवसर पर 14 नवंबर को रात 9 बजे से बहेराभाटा (सालेटेकरी) का छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक लोककला मंच का 'मन के चिरईया' छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें गायक-गायिका एवं अन्य साथी कलाकारों के द्वारा समुधर स्वरों में छत्तीसगढ़ी गीतों की प्रस्तुती दी जायेगी। आगे बताया कि उक्त कार्यक्रम समाजसेवी अनुराग चतुरमोहता के मुख्य आतिथ्य, सरपंच श्रीमती सुकवन समनपुरे, उपसरपंच अफसर कुरैशी, जनपद सदस्या श्रीमती सुनिता/बालकरण पंचेश्वर, बेलगांव सरपंच अरविंद पंचेश्वर, बजरंग, देवी मंदिर समिति अमोली अध्यक्ष दिनेश यादव, समाजसेवी अनिल (बब्बी) शर्मा, स्थाई पटेल परम मानेश्वर के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ होगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील सार्वजनिक मंडई समिति अमोली अध्यक्ष मनीराम खैरवार, उपाध्यक्ष श्यामूलाल यादव, परम मानेश्वर, सचिव विजय यादव, सहसचिव रामेश्वर कावरे, कोषाध्यक्ष अशोक कावरे, संगठन मंत्री सचिन (बंटी) यादव सहित अन्य सदस्यों एवं ग्रामीणजनों ने की है।



मिरेगांव में मनाई जायेगी भगवान सहस्त्रबाहु जयंती और दीपावली मिलन समारोह कल

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर स्थित ग्राम मिरेगांव में 16 नवंबर को डहरवाल कलार समाज मिरेगांव के तत्वाधान में भगवान सहस्त्रबाहु जयंती महोत्सव एवं दीपावली मिलन समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। चर्चा में समाज के सचिव चिंतामन सोनेकर ने बताया कि भगवान सहस्त्रबाहु जयंती और दीपावली मिलन समारोह कार्यक्रम में दोपहर 2 बजे से हवन-पूजन के बाद महाआरती संपन्न होगी, जिसके बाद शाम 4 बजे से विभिन्न सम्मान समारोह कार्यक्रम प्रारंभ होगा, जिसमें 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ महिला एवं पुरूष स्वजनों का सम्मान, वर्तमान एवं सेवानिवृत्त शासकीय कर्मचारियों का अभिनंदन तथा वर्ष 2025-26 में कक्षा 5 वीं, 8 वीं, 10 वीं एवं 12 वीं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान एवं शाम 6 बजे से बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है एवं शाम 7.30 बजे महाप्रसादी का वितरण किया जायेगा। इस अवसर पर स्वजातीय बंधुओं एवं पदाधिकारियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील डहरवाल कलार समाज के अध्यक्ष संतोष चन्द्रवार, उपाध्यक्ष पन्नालाल चन्द्रवार, सचिव चिंतामन सोनेकर, कोषाध्यक्ष धनेन्द्र चन्द्रवार सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्यों ने की है।





राष्ट्रवादी चालक सेवा संगठन का स्टेयरिंग छोड़ो अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू

संगठन ने दीनदयाल चौक सहित विभिन्न स्थानों पर ट्रक रोककर चालकों से मांगा समर्थन





पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। देशभर के ट्रक चालकों की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों को लेकर राष्ट्रवादी चालक सेवा संगठन द्वारा अनिश्चितकालीन स्टेयरिंग छोड़ो आंदोलन प्रारंभ किया गया है। इसी क्रम में १३ नवंबर को संगठन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा नगर के दीनदयाल चौक सहित विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर ट्रकों को रोकते हुए चालकों से आंदोलन में सहयोग एवं समर्थन की अपील की गई। इस दौरान कई ट्रक चालकों ने संगठन की मांगों का समर्थन करते हुए अपने वाहन खड़े कर दिए। संगठन सदस्यों ने बताया कि संगठन के द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान का मुख्य उद्देश्य देशभर के वाहन चालकों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षा कानून बनाने, उनके अधिकारों की रक्षा करने तथा सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग को प्रमुखता से उठाना है। देश की अर्थव्यवस्था और परिवहन व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले ट्रक चालकों को आज भी अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। लंबे समय तक वाहन चलाने, दुर्घटनाओं के जोखिम, आर्थिक असुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा के अभाव जैसी समस्याओं के निराकरण के लिए सरकार को ठोस कदम उठाने चाहिए। इस दौरान आंदोलन को गति देने और अधिक से अधिक वाहन चालकों को जोड़ने के उद्देश्य से संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संतोष उर्फरवि यादव भी वारासिवनी पहुंचे। उन्होंने नगर में संगठन के सदस्यों एवं पदाधिकारियों से मुलाकात कर अभियान की रूपरेखा, मांगों और आगामी गतिविधियों के संबंध में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने चालकों को संगठित होकर अपने अधिकारों और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों की मजबूती के साथ उठाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान बड़ी संख्या में संगठन के पदाधिकारी सदस्य मौजूद रहे।

संगठन ने चालकों के लिए की १४ सूत्रीय मांग

राष्ट्रवादी चालक सेवा संगठन के द्वारा जारी मांगपत्र में राष्ट्रीय ड्राइवर सुरक्षा कानून लागू करने, राष्ट्रीय ड्राइवर आयोग का गठन करने, सड़क परिवहन क्षेत्र में ट्रांसपोर्ट कोटा निर्धारित कर चालकों को रोजगार में स्थिरता और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराने, चालकों के लिए प्रतिदिन आठ घंटे की उचित कार्य अवधि, विश्राम की सुविधा और मानवीय परिस्थितियों के अनुरूप वेतन सुनिश्चित करने, आर्थिक सहायता, दुर्घटना बीमा और परिवार के लिए जीवन बीमा अनिवार्य करने, ५५ वर्ष की आयु के बाद पेंशन योजना लागू करने, राष्ट्रीय स्तर पर ड्राइवर कार्ड जारी करने, राष्ट्रीय रजिस्ट्री बनाकर चालकों का पंजीयन एवं उनके आंकड़ों को सुरक्षित रखने और स्वास्थ्य, शिक्षा तथा कौशल विकास के लिए विशेष योजनाएं संचालित करने, दुर्घटना के दौरान चालक और उसके परिवार को उचित मुआवजा एवं तत्काल सहायता उपलब्ध कराने, चालकों के सम्मान की रक्षा करने तथा उनके साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव, शोषण और उत्पीड़न नहीं होने देने, वहीं दुर्घटना में चालक की मृत्यु अथवा गंभीर दिव्यांगता की स्थिति में परिवार को आर्थिक सहायता देने के लिए ड्राइवर परिवार सहायता योजना शुरू करने ,इसके साथ ही सड़क किनारे अवैध वसूली, दलालों और असामाजिक तत्वों पर प्रभावी रोक लगाने, शिकायतों के निराकरण के लिए राष्ट्रीय हेल्पलाइन एवं कॉल सेंटर स्थापित करने तथा सभी राज्यों के चालकों का राष्ट्रीय स्तर पर पंजीकरण कर उन्हें एक समान पहचान पत्र अथवा डिजिटल कार्ड उपलब्ध कराने की मांग की गई है।

यह अपनी न्याय सुरक्षा रोजगार के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं-रवि यादव

प्रदेश अध्यक्ष रवि यादव ने बताया कि हम अपने साथियों से मिलने आए थे संगठन ने स्टेरिंग छोड़ो आंदोलन का आगाज किया है। वारासिवनी में भी यह जारी है इसका आज दूसरा दिन है यहां उपस्थित सभी चालक ने अपनी गाड़ी खड़ी कर दी है यह अपनी न्याय सुरक्षा रोजगार के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं। स्टेरिंग छोड़ो अभियान की प्रमुख मांगे हैं कि ड्राइवर आयोग एवं वेलफेयर का गठन हो ,रोडो पर सुरक्षा मिले रात दिन हम काम करते हैं देश की रीढ़ हम हैं जो लगातार पूरे भारत में घूम कर काम करते हैं जिस पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। इसी का परिणाम है कि ड्राइवर को आज किसी भी प्रकार की सुविधा नहीं है रुकने बैठने उसके लिए कोई जगह नहीं है और यदि सामान चोरी हो जाता है तो ड्राइवर को ही चोर समझा जाता है। जबकि ड्राइवर ट्रांसपोर्ट के माध्यम से महानगर को छोटे मजरे टोलो से जोड़ता है।

सड़क परिवहन व्यवस्था से जुड़े लाखों परिवारों की सुरक्षा, सम्मान और भविष्य से जुड़ा विषय है-रामेश्वर राठौड़

तहसील अध्यक्ष रामेश्वर राठौड़ ने बताया कि शहर में हमारे द्वारा गाड़ियों को रोका गया था इसका उद्देश्य उनके कार्य में बाधा नहीं डालना था। उन ड्राइवर भाइयों को समझाइस देना था कि हमारे संगठन ने स्टेरिंग छोड़ो अभियान प्रारंभ किया है,उसके लिए समर्थन मांगना था ताकि हम सभी के सहयोग से हक अधिकार की बात कर सके। यह अभियान केवल चालकों की मांगों तक सीमित नहीं है बल्कि सड़क परिवहन व्यवस्था से जुड़े लाखों परिवारों की सुरक्षा, सम्मान और भविष्य से जुड़ा विषय है। संगठन ने वाहन चालकों से एकजुट होकर आंदोलन को समर्थन देने की अपील की है। ताकि ड्राइवर एक साथ खड़े होकर अपने बेहतर भविष्य के लिए प्रयास कर सके।

विधायक पारधी ने विभिन्न ग्रामों में मंडई, शायरी एवं ड्रामा कार्यक्रमों में की सहभागिता

ड्रामा मंडल एवं कलाकारों का कर रहे उत्साहवर्धन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। कटंगी विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों में इन दिनों पारंपरिक मंडई एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का उत्साह देखने को मिल रहा है। इसी क्रम में विधायक गौरव सिंह पारधी विभिन्न ग्रामों में



आयोजित मंडई, शायरी एवं रात्रिकालीन ड्रामा कार्यक्रमों में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों के बीच पहुंचकर स्थानीय नागरिकों से मुलाकात की और इन पारंपरिक आयोजनों का हिस्सा बने। विधायक पारधी ग्राम शंकर पिपरिया, सावरगांव, सीतारवेाह, सिरपुर, पांजरा में मंडई के अवसर पर आयोजित शायरी कार्यक्रमों में पहुंचे। वहीं ग्राम कटोरी, सावरगांव के हनुमान मंदिर चौक, परसवाड़ा घाट के हनुमान मंदिर चौक, महदीली एवं नन्दोरा में आयोजित रात्रिकालीन ड्रामा कार्यक्रमों में भी उनकी उपस्थिति रही। विभिन्न ग्रामों में आयोजित इन कार्यक्रमों में स्थानीय कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शकों का मनोरंजन किया। इस दौरान विधायक पारधी ने ग्रामीणजनों से आत्मीय मुलाकात कर उनके साथ समय बिताया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की मंडई और सांस्कृतिक आयोजन हमारी पुरानी परंपराओं, लोककलाओं और सामाजिक एकता के महत्वपूर्ण प्रतीक हैं। ऐसे आयोजनों से गांवों में आपसी मेल मिलाप बढ़ता है और स्थानीय कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच मिलता है। क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में आयोजित इन कार्यक्रमों में ग्रामीणों की उत्साहपूर्ण सहभागिता देखने को मिली। आयोजक मंडलों एवं ग्रामवासियों के द्वारा पारंपरिक रीति रिवाजों के साथ मंडई और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर सरपंच शंकर पिपरिया श्रीमती लता मनीष पारधी,ज्ञानेश रहांगडाले,सौरभ ठाकरे, कौशल नाथ तुरकर, मनोज ईनवाती, नानाजी मेश्राम, मुकेश ठाकरे, राजेश सहारे,सुखचंद सहारे,विजय बोपचे, सुरेश सहारे, प्रतिक नागदेव, ज्ञानदास गरेड़,अनिल मस्कर, आलोक पाटिल एवं समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे।

वर्षों पुरानी परंपरा को फिर मिली नई पहचान सिविल लाइन में मंड़ई आज

इंडियन आइडल की उपविजेता गायिका वैशाली रैकवार देंगी रंगारंग प्रस्तुती

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर की सांस्कृतिक और पारंपरिक विरासत को पुनर्जीवित करने की दिशा में सिविल लाइन वार्ड क्रमांक १५ स्थित कचहरी मंडई में १४ नवंबर को भव्य दिन एवं रात्रि मंड़ई आयोजित किया गया है। सिविल गणेशोत्सव समिति के तहत कचहरी मंड़ई समिति के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में जहां वर्षों पुरानी मंड़ई मेले की परंपरा को फिर से जीवंत करने का प्रयास किया जा रहा है,वहीं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से नगरवासियों को मनोरंजन का विशेष अवसर भी मिलेगा। आयोजन में अंतरराज्यीय डांस प्रतियोगिता के साथ इंडियन आइडल की उपविजेता गायिका वैशाली रैकवार की विशेष प्रस्तुति मुख्य आकर्षण रहेगी। सिविल लाइन क्षेत्र में पूर्व में मड़ई मेले का आयोजन नियमित रूप से किया जाता रहा है। इस आयोजन से क्षेत्र की धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियां जुड़ी हुई थीं। मड़ई के अवसर पर आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंच कर आनंद लेते थे। हालांकि बीते कुछ वर्षों में यह परंपरा धीरे-धीरे थम गई थी। ऐसे में क्षेत्र की इस पुरानी सांस्कृतिक पहचान को दोबारा स्थापित करने के उद्देश्य से सिविल गणेशोत्सव समिति ने दिन एवं रात्रि मंड़ई के आयोजन की पहल की है। आयोजन के अंतर्गत रात्रि ८ बजे से रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सिलसिला प्रारंभ होगा। इसमें इंडियन आइडल की





उपविजेता गायिका वैशाली रैकवार अपनी टीम के साथ विशेष संगीत प्रस्तुति देंगी। इसके साथ ही अंतरराज्यीय समूह नृत्य प्रतियोगिता होगी। इसमें महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, गुजरात एवं झारखंड के विभिन्न शहरों से आए नौ डांस ग्रुप अपनी प्रस्तुतियां देंगे। प्रतियोगिता में शामिल सभी ग्रुप अपनी अलग अलग नृत्य शैलियों, सामूहिक तालमेल और आकर्षक प्रस्तुतियों के माध्यम से एक दूसरे को कड़ी टक्कर देंगे। अंतरराज्यीय डांस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले चार विजेता समूहों को पुरस्कृत किया जाएगा। इसमें प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले ग्रुप को शील्ड के साथ २० हजार रुपये, द्वितीय स्थान पर रहने वाले ग्रुप को १५ हजार रुपये, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले ग्रुप को १० हजार रुपये तथा चतुर्थ स्थान प्राप्त करने वाले ग्रुप को ५ हजार रुपये की पुरस्कार राशि एवं शील्ड प्रदान की जाएगी।

पुरानी परंपरा को जीवंत करने का प्रयास-आशुतोष कोहाड़

मड़ई आयोजन समिति के अध्यक्ष आशुतोष कोहाड़ ने बताया कि सिविल लाइन क्षेत्र में पहले वर्षों तक नियमित रूप से मड़ई मेले का आयोजन होता रहा है। लेकिन कुछ कारणों से बीते वर्षों में यह परंपरा बंद हो गई थी। क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को पुनः स्थापित करने और पुरानी परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से इस वर्ष दिन एवं रात्रि मड़ई मेले का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में गायिका वैशाली रैकवार की प्रस्तुती के साथ पांच राज्यों के डांस ग्रुप की अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस आयोजन से क्षेत्र में मड़ई मेले की परंपरा को नई ऊर्जा मिलेगी। वहीं सिविल गणेशोत्सव समिति के अध्यक्ष शलभ बैस ने नगर एवं क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है। बल्कि नगर की पुरानी सांस्कृतिक परंपरा को पुनर्जीवित करने का एक सामूहिक प्रयास है। इंडियन आइडल की गायिका की प्रस्तुति और विभिन्न राज्यों के कलाकारों की नृत्य प्रतियोगिता कार्यक्रम को विशेष बनाएगी। आयोजन समिति के संयोजक अरमान खान ने भी नागरिकों से परिवार सहित पहुंचकर मंड़ई मेले एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आनंद लेने तथा आयोजन को सफ ल बनाने में सहयोग करने का आग्रह किया है।

ग्राम विकास के लिए जो भी आवश्यक होगा उसके लिए हम निरंतर प्रयासरत है-प्रदीप जायसवाल



पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। दीपावली के पावन पर्व के अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने वारासिवनी खैरलांजी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों का दौरा कर ग्रामीणों के बीच दीपावली की खुशियां साझा कीं। इस दौरान ग्राम नदीटोला,नरोड़ी,डोंक,रेंगाझरी, अंसेरा पहुंचे जहां दीपावली के अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों,ड्रामा एवं छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । प्रदीप जायसवाल ने इन आयोजनों में शामिल होकर ग्रामीणों एवं आयोजन समितियों से मुलाकात की तथा सभी को दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। ग्राम नदीटोला खुदबुदा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने नदीटोला खुदबुदा पुल निर्माण के लिए प्रदीप जायसवाल के प्रति आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों ने कहा कि पुल निर्माण से क्षेत्र के आवागमन को सुविधा मिली है और आसपास के ग्रामों के लोगों को इसका लाभ मिल रहा है। इसी क्रम में ग्राम अंसेरा में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने खापा खंडवा पुल निर्माण का उल्लेख करते हुए प्रदीप जायसवाल के प्रति आभार जताया। ग्रामीणों ने कहा कि पुल बनने से अंसेरा की दूरी कम हुई है तथा आवागमन पहले की अपेक्षा अधिक सुविधाजनक हुआ है। इस अवसर पर ग्रामीणों ने प्रदीप जायसवाल को विकास पुरुष कहकर संबोधित किया। कार्यक्रम के दौरान प्रदीप जायसवाल ने कहा कि आज प्रदेश की लाड़ली बहनों के खातों में लाड़ली बहना योजना की ४२ वीं किस्त की राशि अंतरित की जाएगी। उन्होंने बहनों को दीपावली पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रदेश सरकार महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और उनके सम्मान के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। इसी क्रम में भाजपा जिला युवा मोर्चा के महामंत्री प्रबल जायसवाल ग्राम पिपरिया ,बरबसपुर में आयोजित दीपावली के सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने ग्रामीणों को दीपावली पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप सभी ग्रामवासियों ने सदैव मेरे पिता प्रदीप जायसवाल एवं भारतीय जनता पार्टी को अपने ग्राम से भरपूर स्नेह और आशीर्वाद दिया है। हमें विश्वास है कि आपका यह स्नेह और आशीर्वाद आगे भी इसी तरह मिलता रहेगा। उन्होंने आगे कहा कि ग्रामों के विकास एवं ग्रामीणों की सुविधाओं के लिए हरसंभव सहयोग किया जाएगा। ग्राम विकास के लिए जो भी आवश्यक होगा उसके लिए हम निरंतर प्रयासरत रहेंगे और ग्रामीणों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। इस अवसर पर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, जिला पंचायत सदस्य लोमहर्ष बिसेन,पूर्व मंडल अध्यक्ष प्रदीप शरणागत, जसवंत पटले, अनीश मिश्रा, मिलिंद नगपुरे, ओपल रहांगडाले, मुरलीधर भोयर, मुन्ना राणा, शारदा शिव, पवन बिसेन, ओमप्रकाश ठाकरे, राधेश्याम पटले, शिव सोनवाने,नरेन्द्र बिसेन, रमेश बानेवार, सूरज कडुकार,राजू जमरे, धनेन्द्र बानेवार, कबीर हनवत, युधिष्ठिर पटले,यादोराय बिसेन,जानेंद्र पटले, योगेश बिसेन, मिथलेश दमाहे, राधेश्याम देवारे, जितेंद्र दमाहे, सूर्यकांत दमाहे, पीतम झरणागत, युवराज शरणागत, पंचम सहारे, संजय ठाकरे, गोपाल राउत, नीलेश रहांगडाले, नरेन्द्र चिचखेडे, अंजिलाल पगारवार, छविलाल माहुले, टिकुलाल हनवत, कैलाश मेश्राम, प्रभु सुलाखे, कलीराम ठाकरे, सालिकराम धुवारे, चंद्रकिरण कासरपे, विशाल मिश्रा, महेश बिसेन, फूलचंद मस्करे, कृष्णा मेश्राम, मनोज आडे, प्रकाश पटले, कृष्णा लिल्हारे, शुभम बिसेन, कल्पेश बिसेन, शिवप्रसाद लिल्हारे सहित अन्य ग्रामवासी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना के तहत वारासिवनी के ५ हितग्राहियों को मिली २-२ लाख रुपये की अनुग्रह सहायता राशि

मुख्यमंत्री ने सिंगल क्लिक के माध्यम से हितग्राहियों के खातों में अंतरित की २-२ लाख रुपये की राशि

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शासन के दिशा निर्देशानुसार मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल २.० योजना अंतर्गत अनुग्रह सहायता राशि वितरण का राज्य स्तरीय सिंगल क्लिक कार्यक्रम १३ नवंबर २०२६को दोपहर ३ बजे जिला ग्वालियर के कूलैथ से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के द्वारा प्रदेश के पात्र हितग्राहियों के बैंक खातों में सिंगल क्लिक के माध्यम से अनुग्रह सहायता राशि अंतरित की गई। इसी क्रम में नगर पालिका परिषद वारासिवनी में भी कार्यक्रम आयोजित कर योजना अंतर्गत पात्र ५ हितग्राहियों को अनुग्रह सहायता राशि के स्वीकृति आदेश वितरित किए गए। मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा प्रत्येक हितग्राही के खाते में २-२ लाख रुपये की राशि सीधे अंतरित की गई। इस प्रकार वारासिवनी के ५ हितग्राहियों को कुल १० लाख रुपये की अनुग्रह सहायता राशि का लाभ प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित हितग्राहियों एवं नागरिकों को कूलैथ, जिला ग्वालियर से आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का लाइव टेलीकास्ट भी दिखाया गया। जिससे हितग्राही सीधे मुख्यमंत्री के उद्बोधन एवं सिंगल क्लिक के माध्यम से राशि अंतरण की प्रक्रिया से जुड़ सके। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के द्वारा हितग्राहियों को संबल योजना के उद्देश्य एवं पात्रता संबंधी जानकारी देते हुए शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे के द्वारा नगर के विभिन्न वार्ड से ५ हितग्राहियों में मंजुलता पंचेश्वर वार्ड नं.६ ,मीना दुधारे वार्ड नं.८, सुहैल अख्तर खान नियासी वार्ड नं.९, रितेश्वरी



सोनेकर वार्ड ९, विकास सोनवाने वार्ड १४ को अनुग्रह सहायता स्वीकृत वितरण आदेश प्रदान किया गया । श्रीमती सरिता मनोज दांदरे ने कहा कि मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना असंगठित क्षेत्र में कार्यरत श्रमिक परिवारों की कठिन परिस्थितियों में आर्थिक संबल प्रदान करने की महत्वपूर्ण योजना है। इसके माध्यम से पात्र परिवारों को अनुग्रह सहायता उपलब्ध कराकर उन्हें आर्थिक सुरक्षा प्रदान की जाती है। कार्यक्रम के दौरान सूर्य प्रकाश ठके मुख्य नगर पालिका अधिकारी, श्रीमती सरिता मनोज दांदरे अध्यक्ष, पार्षदगण सहित हितग्राही उपस्थित रहे।

शेख हसीना को भारत में पनाह देने के सवाल पर बांग्लादेश की नाराजगी

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को लेकर भारत और बांग्लादेश के बीच कूटनीतिक संबंधों में एक बार फिर तनाव बढ़ता दिखाई दे रहा है। अगस्त 2024 में सत्ता परिवर्तन के बाद से भारत में रह रहीं शेख हसीना की संभावित स्वदेश वापसी की चर्चाओं ने बांग्लादेश की राजनीति में हलचल पैदा कर दी है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार चाहती है कि भारत शेख हसीना को वापस सौंपे, जबकि भारत इस पूरे मामले को कानूनी और कूटनीतिक दृष्टि से देख रहा है। इस मुद्दे ने दोनों पड़ोसी देशों के बीच विश्वास, संप्रभुता और न्यायिक प्रक्रिया को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। शेख हसीना लंबे समय तक बांग्लादेश की राजनीति का प्रमुख चेहरा रही हैं। उनके शासनकाल में भारत और बांग्लादेश के बीच व्यापार, सुरक्षा, परिवहन और क्षेत्रीय सहयोग के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति हुई थी। दोनों देशों ने आतंकवाद के विरुद्ध सहयोग बढ़ाया और सीमा प्रबंधन से लेकर संपर्क सुविधाओं तक कई महत्वपूर्ण समझौते किए। लेकिन 2024 में छात्र आंदोलन के बाद उनकी सरकार का पतन हो गया और उन्हें देश छोड़ना पड़ा। इसके बाद से वह भारत में रह रही हैं। सत्ता परिवर्तन के बाद बांग्लादेश की नई राजनीतिक परिस्थितियों ने भारत के सामने भी एक कठिन कूटनीतिक चुनौती खड़ी कर दी है।

बांग्लादेश की वर्तमान सरकार शेख हसीना की भारत में मौजूदगी को लेकर लगातार असंतोष व्यक्त कर रही है। उसका तर्क है कि जिस व्यक्ति पर देश में गंभीर आपराधिक आरोप हैं और जिसे अदालत से कठोर सजा सुनाई जा चुकी है, उसे वापस लाकर न्यायिक प्रक्रिया का सामना कराया जाना चाहिए। बांग्लादेश के अभियोजन पक्ष का कहना है कि 2024 के छात्र आंदोलन के दौरान हुई हिंसक घटनाओं में शेख हसीना की भूमिका की जवाबदेही तय होनी चाहिए। इसी मामले में नवंबर 2025 में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने उनकी अनुपस्थिति में मृत्युदंड का फैसला सुनाया था। इसके अतिरिक्त उनके खिलाफ भ्रष्टाचार, सत्ता के दुरुपयोग और अन्य आपराधिक मामलों से जुड़े मुकदमे भी चल रहे हैं। दूसरी ओर शेख हसीना इन आरोपों को राजनीतिक प्रतिशोध से प्रेरित बताती रही हैं। उनका कहना है कि उनके खिलाफ चल रही कानूनी कार्रवाई निष्पक्ष न्याय की प्रक्रिया नहीं, बल्कि राजनीतिक विरोधियों की बदले की भावना का परिणाम है। उन्होंने अपने समर्थकों और अवामी लीग के कार्यकर्ताओं के बीच लौटने की इच्छा भी व्यक्त की है। दिसंबर में स्वदेश लौटने और अदालत में अपना पक्ष रखने की बात सामने आने के बाद बांग्लादेश की राजनीति में नई बहस शुरू हो गई है। उनके वकीलों की ओर से भारत स्थित बांग्लादेश उच्चायोग को नया पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र जारी करने के लिए पत्र भेजे जाने की खबरों ने भी इस चर्चा को और तेज कर दिया है। शेख हसीना की वापसी का मुद्दा केवल एक पूर्व प्रधानमंत्री के भविष्य तक सीमित नहीं है। इसके पीछे बांग्लादेश की आंतरिक राजनीतिक स्थिरता और भारत के साथ उसके भविष्य के संबंध भी जुड़े हुए हैं। बांग्लादेश में अवामी लीग की राजनीतिक गतिविधियों पर प्रतिबंध और उसके समर्थकों में व्याप्त असंतोष के बीच शेख हसीना की वापसी से राजनीतिक टकराव बढ़ने की आशंका व्यक्त की जा रही है। हाल के दिनों में ढाका सहित कई क्षेत्रों में धमाकों और आगजनी की घटनाओं ने वहां की कानून-व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ाई है। हालांकि इन घटनाओं को सीधे शेख हसीना की वापसी की चर्चाओं से जोड़ने के लिए स्वतंत्र जांच और प्रमाण आवश्यक हैं। भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह अपने पड़ोसी देश के साथ संबंधों को भी संतुलित रखे और मानवीय तथा कानूनी पहलुओं की अनदेखी भी न करे।

रू.500 का नोटबंदी से नहीं, कानूनबंदी से टूटेगा भ्रष्टाचार का साम्राज्य रिश्वत, हवाला कालाधन और चुनावी धनबल पर एकसाथ कानूनी सर्जिकल स्ट्राइक की जरूरत?

वैश्विक स्तरपर भारत में भ्रष्टाचार, काला धन और हवाला कारोबार की समस्या केवल आर्थिक अपराध नहीं,बल्कि देश की प्रशासनिक व्यवस्था, लोकतांत्रिक संस्थाओं, आर्थिक समानता और राष्ट्रीय विकास के सामने खड़ी गंभीर चुनौती है। 8 नवंबर 2016 को भारतीय पीएम ने नोटबंदी की घोषणा करके 500 और 1,000रूपए के पुराने नोटों को चलन से बाहर किया था। उस ऐतिहासिक फैसले के लगभग दस वर्ष बाद भी भ्रष्टाचार और काले धन को लेकर बहस समाप्त नहीं हुई है। अब एनडीए के सहयोगी और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू द्वारा 500 रूपए के नोट बंद करने का सुझाव दिए जाने से एक बार फिर देश में बड़ी बहस शुरू हो गई है। उनका तर्क है कि बड़े मूल्य के नकद लेन-देन पर अंकुश लगाने और डिजिटल मुद्रा को बढ़ावा देने से भ्रष्टाचार तथा वित्तीय धोखाधड़ी कम हो सकती है।लेकिन मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यहां एक बुनियादी प्रश्न उठता है कि क्या भ्रष्टाचार की जड़ वास्तव में 500 रूपए का नोट है या वह पूरी व्यवस्था है जिसमें रिश्वत,सरकारी ठेकों में कमीशन,बेनामी संपत्तियां, फर्जी कंपनियां, चुनावी धनबल हवाला और मनी लॉन्ड्रिंग फलते-फूलते हैं?मेरा स्पष्ट मत है कि मुद्रा का स्वरूप बदलने से अधिक जरूरी है,अपराध करने वाले व्यक्ति, उसके सहयोगियों, वित्तीय नेटवर्क और सरकारी संरक्षण देने वाली व्यवस्था पर कठोर, पारदर्शी और प्रभावी कानूनी कार्रवाई करना।उपर्युक्त धाराओं में सुझाए गए संशोधन नीतिगत प्रस्ताव हैं,वर्तमान कानून का वर्णन नहीं।इन्हें लागू करने से पहले विधि आयोग,संसद और संवैधानिक विशेषज्ञों की समीक्षा आवश्यक होगी।विशेष रूप से यूएपीए, बीएनएस,एनएसए और मृत्युदंड संबंधी प्रस्तावों में नागरिक स्वतंत्रता,निर्दोषता की धारणा और न्यायिक प्रक्रिया की रक्षा अनिवार्य है।इस आर्टिकल के माध्यम से प्रधानमंत्री से ठोस पहल की अपील करते हैं मेरे विचार से भारत को आज एक व्यापक राष्ट्रीय भ्रष्टाचार उन्मूलन नीति की आवश्यकता है। साथियों बात अगर हम नोटबंदी बनाम कानून की बंदिश- असली समाधान कहां है? इसको समझने की करें तो,यहां एक महत्वपूर्ण आर्थिक पहलू समझना आवश्यक है। 500 रूपए का नोट बंद करने से रिश्वत का लेन-देन अपने आप समाप्त नहीं होगा। भ्रष्ट व्यक्ति 100, 200, रूपए विदेशी मुद्रा, सोना,जमीन,बेनामी संपत्ति, डिजिटल माध्यम, फर्जी कंपनियों अथवा दूसरे वित्तीय रास्तों का उपयोग कर सकता है।दूसरी ओर किसान, छोटे दुकानदार रेहड़ी-पटरी व्यवसायी मजदूर, ग्रामीण और डिजिटल सुविधाओं से वंचित नागरिक नकदी पर निर्भर हैं। यदि 500 रूपए का नोट अचानक बंद किया गया तो नकदी की उपलब्धता, छोटे व्यापार, ग्रामीण बाजार और आम नागरिकों के दैनिक लेन-देन पर बड़ा दबाव पड़ सकता है।100 रूपए से बड़ी सभी करेंसी बंद करने और 1,000 रूपए से अधिक नकद लेन-देन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव भी व्यावहारिकता, महंगाई और नागरिकों की स्वतंत्रता के दृष्टिकोण सेगंभीर समीक्षा मांगताहै।आयकर अधिनियम1961की धारा 269एसटी पहले ही एक व्यक्ति से एक दिन में,एक लेन-देन में अथवा एक आयोजन से संबंधित लेन-देन में ?2 लाख या उससे अधिक नकद प्राप्त करने पर प्रतिबंध लगाती है, निर्धारित अपवादों के अधीन। धारा 269 एसएस और 269 टी ऋण एवं जमा के नकद लेन-देन को नियंत्रित करती हैं। धारा 271डी ए , 271डी और 271ई में उल्लंघन पर दंड का प्रावधान है।इसलिए जरूरत इन व्यवस्थाओं को प्रभावी बनाने, वास्तविक लाभार्थी की पहचान करने और बड़े संदिग्ध लेन-देन की जांच मजबूत करने की है, न कि केवल नोट का आकार बदलने की। साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार पर प्रहार के लिए किन कानूनों में संशोधन जरूरी? इसको समझने की करें तो सबसे पहले भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 को अधिक प्रभावी बनाने की जरूरत है।इसकी धारा 7 सरकारी कर्मचारी द्वारा रिश्वत लेने, धारा 7ए प्रभाव के माध्यम से भ्रष्ट तरीके से सरकारी काम करवाने, धारा 8 रिश्वत देने,धारा 9 वाणिज्यिक संगठनों की रिश्वतखोरी और धारा 13 लोकसेवक द्वारा आपराधिक कदाचार से संबंधित है।धारा 17ए कुछ सरकारी निर्णयों की जांच शुरू करने से पहले पूर्व स्वीकृति और धारा 19 अभियोजन स्वीकृति से संबंधित है।इन धाराओं में समयबद्ध स्वीकृति,स्वतंत्र जांच, सरकारी ठेकों और संपत्ति के स्रोत की जांच, दोषसिद्धि पर अनुपातहीन संपत्ति जब्त करने तथा गंभीर मामलों में त्वरित सुनवाई की व्यवस्था को मजबूत किया जाना चाहिए। लेकिन ईमानदार प्रशासनिक निर्णयों को आपराधिक मुकदमे में बदलने से बचाने के लिए सुरक्षा भी जरूरीहै। साथियों दूसरा महत्वपूर्ण कानून बेनामी संपत्ति लेन-देन निषेध अधिनियम1988,जिसे 2016 में व्यापकसंशोधन द्वारा मजबूत किया गया, है। इसकी धारा 3 बेनामी लेन-देन पर प्रतिबंध, धारा 24 अस्थायी कुर्की, धारा 27 संपत्ति की जब्ती और धारा 53 बेनामी लेन-देन के लिए दंडात्मक कार्रवाई से संबंधित है।इसमें ऐसी व्यवस्था मजबूत होनी चाहिए जिससे रिश्वत, अवैध ठेके, हवाला और सरकारी पद के दुरुपयोग से अर्जित संपत्ति के वास्तविक मालिक तक पहुंचा जा सके। संपत्ति और लाभकारी स्वामित्व के अभिलेखों का सत्यापन आधार, पैन, भूमि अभिलेख तथा वित्तीय सूचनाओं के माध्यम से किया जा सकता है, लेकिन आधार को संपत्ति का स्वत: मालिकाना प्रमाण नहीं माना जाना चाहिए।तीसरा कानून धन शोधन निवारणअधिनियम 2002 है। इसकी धारा 3 मनी लॉन्ड्रिंग के अपराध, धारा 4 सजा, धारा 5 संपत्ति की अस्थायी कुर्की,धारा 8 जब्ती,धारा 12 रिपोर्टिंग संस्थाओं के दायित्व और धारा 45 जमानत की शर्तों से संबंधित हैं।भ्रष्टाचार से अर्जित धन को अनेक कंपनियों, संपत्तियों और विदेशी खातों में घुमाकर वैध दिखाने वाले नेटवर्क पर कार्रवाई के लिए वित्तीय खुफिया इकाइयों,प्रवर्तन निदेशालय और अन्य जांच एजेंसियों के बीच सटीकता से समन्वय आवश्यकहै। साथियों बात अगर हम बीएनएस में नया अध्याय और संगठित आर्थिक अपराध की पहचान को समझने की करें तो देश में लागू भारतीय न्याय संहिता,2023 में संगठित आर्थिक अपराध और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच संबंध को अधिक स्पष्ट करने की आवश्यकता है। इसकी धारा 111 संगठित अपराध, धारा 113 आतंकवादी कृत्य, धारा 147 भारत सरकार के विरुद्ध युद्ध छेड़ने या उसका प्रयास करने और धारा 152 भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाले कृत्यों से संबंधित है। यहां एक कानूनी सावधानी अत्यंत जरूरी है। प्रत्येक रिश्वत, हवाला या काला धन अपने आप आतंकवाद अथवा देशद्रोह नहीं बन जाता। इन धाराओं को सामान्य भ्रष्टाचार पर अंधाधुंध लागू करना उचित नहीं होगा। हालांकि यदि प्रमाणित वित्तीय नेटवर्क आतंकवादी संगठनों को धन देता है, भारत की आर्थिक सुरक्षा को जानबूझकर नुकसान पहुंचाता है या संगठित हिंसक गतिविधियों को वित्तपोषित करता है, तो मौजूदा कानूनों के तहत कठोर कार्रवाई हो सकती है।इसलिए बीएनएस में एक अलग अध्याय भ्रष्टाचार एवं संगठित आर्थिक अपराध से संबंधित अपराध जोड़ने पर विचार होना चाहिए। इसमें उच्चस्तरीय सरकारी भ्रष्टाचार, सार्वजनिक धन की संगठित लूट, सरकारी ठेकों में मिलीभगत,रिश्वत के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क, चुनावी अवैध वित्तपोषण और सरकारी संस्थाओं को योजनाबद्ध तरीके से कमजोर करने जैसे अपराधों की स्पष्ट परिभाषा हो। धारा 111 में गंभीर और निरंतर संगठित भ्रष्ट आर्थिक अपराधों को शामिल करने पर विचार किया जा सकता है। धारा 113 और 152 का इस्तेमाल केवल तभी हो जब आतंकवादी गतिविधि या संप्रभुता को खतरे के कानूनी तत्व और आवश्यक आपराधिक मंशा प्रमाणित हों। इससे भ्रष्टाचार के विरुद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा का मजबूत सुरक्षा कवच बनेगा, लेकिन कानून का दुरुपयोग भी नहीं होगा। साथियों बात अगर हम हवाला, विदेशी फंडिंग औरचुनावी धनबल पर कानूनी प्रहार को समझने की करें तो विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम,2010 की धारा 3 विदेशी योगदान प्राप्त करने से प्रतिबंधित व्यक्तियोंऔर संस्थाओं धारा 7 विदेशी योगदान के हस्तांतरण पर रोक, धारा 8 प्रशासनिक खर्च की सीमा और धारा 35उल्लंघन के लिए दंड से संबंधित है। इसमें विदेशी फंडिंग के वास्तविक स्रोत,अंतिम लाभार्थी, शैक्षणिक संस्थाओं, गैर- सरकारी संगठनों और अन्य प्राप्तकर्ता संस्थाओं के वित्तीय लेखा-परीक्षण को पारदर्शी बनाने की जरूरत है।हालांकि वैध सामाजिक धार्मिक, शैक्षणिक और मानवीय गतिविधियों के लिए मिलने वाले विदेशी योगदान को भ्रष्टाचार के साथ जोड़कर संदेहास्पद नहीं बनानाचाहिए।

इसके साथ विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 और तस्करी गतिविधियों की रोकथाम तथा विदेशी मुद्रा संरक्षण अधिनियम, 1974 के अंतर्गत उपलब्ध व्यवस्थाओं का भी समन्वित उपयोग होना चाहिए। हवाला के मामले में वित्तीय जांच,बैंकिंग रिकॉर्ड, संदिग्ध लेन-देन की रिपोर्टिंग और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सहयोग को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।चुनावीभ्रष्टाचार रोकने के लिए लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धाराओं 77, 78, 123 और 125 तथा चुनावी व्यय और रिश्वत से संबंधित प्रावधानों को अधिक प्रभावी बनाने की जरूरत है।प्रत्याशियों के चुनावी खर्च, वास्तविक चंदा देने वालों और राजनीतिक दलों के वित्तीय लेन-देन की स्वतंत्र जांच व्यवस्था विकसित होनी चाहिए। साथियों बात अगर हम क्या भ्रष्टाचारियों पर आजीवन चुनाव प्रतिबंध और मृत्युदंड होना चाहिए? इसको समझने की करें तो,यह सबसे संवेदनशील लेकिन महत्वपूर्ण प्रश्न है।लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम,1951 की धारा 8 में कुछ अपराधों में दोषसिद्धि पर चुनाव लड़ने की अयोग्यता का प्रावधान है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

छठ महापर्व आस्था, प्रकृति और मानवता के सम्मान का अनुपम संदेश

-सौरभ वार्ष्णेय

भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं में छठ महापर्व का विशेष स्थान है। यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान या सूर्य देव की उपासना का पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, सामाजिक समरसता, अनुशासन, त्याग, पवित्रता और मानवीय संवेदनाओं का अद्भुत संगम है। छठ का पर्व हमें जीवन के उस मूल सत्य से परिचित कराता है, जिसे आधुनिकता और भागदौड़ के बीच हम कहीं न कहीं भूलते जा रहे हैं। यह पर्व सिखाता है कि मनुष्य का जीवन प्रकृति के बिना अधूरा है और हमारी आस्था तभी सार्थक हो सकती है, जब उसमें प्रकृति का सम्मान, समाज का कल्याण और मानवता की भावना भी शामिल हो।

छठ महापर्व की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें प्रकृति को ही आराध्य मानकर उसकी पूजा की जाती है। सूर्य, जल, वायु और पृथ्वी जैसे जीवन के आधारभूत तत्वों के प्रति आभार व्यक्त करना इस पर्व का मूल भाव है। सूर्य के बिना धरती पर जीवन की कल्पना संभव नहीं है। सूर्य से ही ऊर्जा मिलती है, कृषि को प्रकाश और ताप मिलता है तथा समस्त जीव-जगत का अस्तित्व कायम रहता है। वहीं नदियां, तालाब और अन्य जलस्रोत मानव जीवन के लिए अमूल्य हैं। छठ व्रती अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर यह संदेश देते हैं कि प्रकृति के प्रत्येक स्वरूप का अपना महत्व है और उसके प्रति मनुष्य को सदैव कृतज्ञ रहना चाहिए।

आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, जल संकट, जंगलों की कटाई और पर्यावरण असंतुलन जैसी गंभीर चुनौतियों से जूझ रही है, तब छठ महापर्व की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। विडंबना यह है कि जिस प्रकृति की हम पूजा करते हैं, उसी प्रकृति को अपने स्वार्थ और लापरवाही से नुकसान भी पहुंचा रहे हैं। नदियों में गंदगी डालना, तालाबों पर अतिक्रमण करना, प्लास्टिक का अंधाधुंध इस्तेमाल और जलस्रोतों को प्रदूषित करना हमारी सामाजिक आदतों का हिस्सा बनता जा रहा है। ऐसे में छठ का पर्व हमें आत्ममंथन करने का अवसर देता है। यदि हम वास्तव में सूर्य और जल की उपासना करते हैं, तो नदियों और तालाबों को स्वच्छ रखना भी हमारी धार्मिक और सामाजिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। छठ महापर्व का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष सामाजिक समानता और सामूहिक सहभागिता है। इस पर्व में जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र और आर्थिक स्थिति के भेदभाव से ऊपर उठकर लोग एक-दूसरे के साथ खड़े दिखाई देते हैं। घाटों की सफाई से लेकर सजावट, प्रकाश व्यवस्था, पूजा सामग्री की व्यवस्था और व्रतियों की सहायता तक समाज का प्रत्येक वर्ग अपनी भूमिका निभाता है। कोई घाट साफ करता है, कोई रास्ते को व्यवस्थित करता है, कोई प्रसाद वितरण में सहयोग देता है तो कोई जरूरतमंद श्रद्धालुओं की सहायता करता है। यह सामूहिकता भारतीय समाज की उस खूबसूरत तस्वीर को सामने लाती है, जिसमें व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठकर सामूहिक कल्याण को प्राथमिकता दी जाती है।

आज के समय में जब समाज अनेक प्रकार के विभाजनों, वैचारिक मतभेदों और आपसी तनावों से गुजर रहा है, छठ का पर्व हमें एकजुटता का संदेश देता है। यह बताता है कि धार्मिक आस्था का वास्तविक उद्देश्य केवल व्यक्तिगत मनोकामनाओं की पूर्ति नहीं, बल्कि समाज में प्रेम, सहयोग और सद्भाव का वातावरण बनाना भी है। किसी भी पर्व की सार्थकता तभी है, जब उससे समाज के कमजोर, वंचित और जरूरतमंद वर्गों को भी सम्मान और सहयोग मिले।

इस पर्व में महिलाओं की भूमिका विशेष रूप से उल्लेखनीय है। कठिन व्रत, संयम, उपवास और कठोर नियमों का पालन करते हुए महिलाएं जिस श्रद्धा और धैर्य का परिचय देती हैं, वह भारतीय नारी की शक्ति, संकल्प और आत्मविश्वास का प्रतीक है। हालांकि छठ पूजा में पुरुष भी समान श्रद्धा के साथ व्रत रखते हैं और धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेते हैं। यह पर्व परिवार के सभी सदस्यों को जिम्मेदारी, अनुशासन और सामूहिक सहभागिता का पाठ पढ़ाता है। चार दिनों तक चलने वाला यह अनुष्ठान नहाय-खाय से प्रारंभ होकर खरना, संध्या अर्घ्य और उषा अर्घ्य तक पहुंचता है। प्रत्येक चरण में शुद्धता, संयम और समर्पण की भावना दिखाई देती है। छठ की एक और विशेषता यह है कि इसमें केवल उगते सूर्य की ही नहीं, बल्कि डूबते सूर्य की भी उपासना की जाती है। यह परंपरा अपने आप में अत्यंत गहरा सामाजिक और दार्शनिक संदेश समेटे हुए है। सामान्यतः दुनिया में उगते सूर्य को प्रणाम करने की परंपरा अधिक दिखाई देती है, लेकिन छठ में अस्ताचलगामी सूर्य को भी उतनी ही श्रद्धा से अर्घ्य दिया जाता है। इसका अर्थ है कि हमें केवल सफलता, शक्ति और समृद्धि का ही सम्मान नहीं करना चाहिए, बल्कि जीवन के उतार-चढ़ाव, संघर्ष और अस्तित्व के प्रत्येक चरण को भी समान सम्मान देना चाहिए। समाज में भी हमें केवल सफल और प्रभावशाली लोगों के साथ नहीं, बल्कि संघर्ष कर रहे लोगों के साथ भी खड़ा होना चाहिए। यही मानवीय संवेदना का वास्तविक स्वरूप है।

छठ महापर्व का प्रसाद भी सादगी, शुद्धता और सामूहिकता का प्रतीक है। ठेकुआ, फल, गन्ना, नारियल और अन्य पारंपरिक सामग्री के माध्यम से स्थानीय कृषि, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पारंपरिक जीवनशैली को प्रोत्साहन मिलता है। इस पर्व से किसानों, फल विक्रेताओं, कुम्हारों, बांस से सामग्री बनाने वाले कारीगरों और छोटे व्यापारियों को रोजगार मिलता है। इस दृष्टि से छठ केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था और पारंपरिक कारीगरी को मजबूत करने वाला सांस्कृतिक उत्सव भी है। आधुनिक बाजारवाद के दौर में यह पर्व हमें स्वदेशी उत्पादों, स्थानीय संसाधनों और सादगीपूर्ण जीवन के महत्व की याद दिलाता है। हालांकि छठ महापर्व की बढ़ती लोकप्रियता के साथ कुछ चुनौतियां भी सामने आ रही हैं। बड़े शहरों में कृत्रिम घाटों की व्यवस्था, जलस्रोतों पर बढ़ता दबाव, प्लास्टिक और कचरे का जमाव तथा यातायात और सुरक्षा संबंधी समस्याएं चिंता का विषय हैं। कई स्थानों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बावजूद पर्याप्त सफाई, पेयजल, प्रकाश और चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पातीं। प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वह छठ से पहले घाटों की समुचित सफाई, जल की गुणवत्ता की जांच, सुरक्षा प्रबंध, महिलाओं के लिए आवश्यक सुविधाएं और आपातकालीन सेवाएं सुनिश्चित करे। वहीं श्रद्धालुओं को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। पूजा के बाद प्लास्टिक, पॉलीथिन, फूल-मालाएं और अन्य कचरा जलस्रोतों में नहीं डालना चाहिए। पर्यावरण के अनुकूल पूजा सामग्री का उपयोग करना चाहिए तथा घाटों की स्वच्छता बनाए रखनी चाहिए।

यह भी आवश्यक है कि छठ जैसे पर्वों को किसी क्षेत्र विशेष या समुदाय तक सीमित करके न देखा जाए। बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश से निकलकर छठ आज देश के लगभग हर बड़े शहर और विदेशों में बसे भारतीय समुदायों तक पहुंच चुका है। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, सूरत, गुरुग्राम और नोएडा जैसे महानगरों में इसकी व्यापकता इस बात का प्रमाण है कि भारतीय संस्कृति की जड़ें कितनी गहरी हैं। अलग-अलग राज्यों और भाषाओं के लोग इस पर्व में शामिल होकर भारतीय सांस्कृतिक एकता को मजबूत करते हैं। यह पर्व बताता है कि विविधताओं के बावजूद हमारी आस्थाएं और जीवन मूल्य हमें एक सूत्र में बांध सकते हैं।

नेहरू का त्याग और राष्ट्रनिर्माण की भावना

किसी राष्ट्र का निर्माण केवल सत्ता हासिल करने या शासन चलाने से नहीं होता। उसके लिए निजी स्वार्थ से ऊपर उठकर सार्वजनिक जीवन के प्रति समर्पण, संस्थाओं के निर्माण की दूरदृष्टि और आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य की कल्पना जरूरी होती है। स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का जीवन इसी व्यापक अर्थ में राष्ट्रनिर्माण की एक महत्वपूर्ण मिसाल है। उनकी राजनीतिक भूमिका, साहित्यिक योगदान और आधुनिक भारत की संस्थाओं के निर्माण पर बहुत कुछ लिखा गया है, लेकिन उनकी निजी संपत्ति, पारिवारिक विरासत और सार्वजनिक जीवन के बीच संबंधों पर भी गंभीरता से विचार होना चाहिए। इन दिनों यह दावा चर्चा में है कि नेहरू ने 1946 में अंतरिम सरकार का प्रमुख बनने से पहले अपनी कुल संपत्ति का लगभग 98 प्रतिशत हिस्सा, करीब 196 करोड़ रुपये, राष्ट्र को दान कर दिया था। उनकी कुल संपत्ति लगभग 200 करोड़ रुपये थी और आज के मूल्य में वह करीब 12 हजार करोड़ रुपये के बराबर होती। यह प्रसंग नेहरू की सादगी और देश के प्रति समर्पण का उदाहरण है।नेहरू की वसीयत में संपत्ति के संबंध में उनका अपना विवरण इस दावे से अलग तस्वीर पेश करता है। उसमें उन्होंने लिखा था कि पिता से मिली संपत्ति का बड़ा हिस्सा उनके जीवनकाल में खर्च हो चुका था और पुस्तकों तथा अन्य लेखन से पर्याप्त रॉयल्टी मिलने के बावजूद उनकी पूंजी लगातार कम होती गई। उन्होंने यह भी स्वीकार किया था कि निजी संपत्ति बढ़ाने में उनकी विशेष रुचि नहीं रही। यह विवरण उनके निजी जीवन और संपत्ति के प्रति दृष्टिकोण को समझने के लिए अधिक विश्वसनीय आधार देता है। इस प्रसंग में आनंद भवन और स्वराज भवन के इतिहास को अलग-अलग समझना भी जरूरी है। प्रयागराज का स्वराज भवन मूल रूप से मोतीलाल नेहरू का निवास था। उन्होंने 1930 में इसे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को समर्पित कर दिया था। बाद में परिवार ने उसी परिसर में नया भवन बनवाया, जिसे आनंद भवन कहा गया। आनंद भवन को 1970 में इंदिरा गांधी ने जवाहरलाल नेहरू स्मारक निधि को सौंपा। नेहरू परिवार का स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान केवल राजनीतिक भाषणों तक सीमित नहीं था। मोतीलाल नेहरू ने अपनी संपन्न वकालत और प्रतिष्ठित जीवनशैली को छोड़कर राष्ट्रीय आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई। परिवार का घर स्वतंत्रता आंदोलन की गतिविधियों का केंद्र बना। स्वराज भवन का कांग्रेस को समर्पण इसी राजनीतिक प्रतिबद्धता का प्रतीक था। नेहरू परिवार ने जेल यात्राएं, आर्थिक कठिनाइयां और निजी जीवन की अनेक असुविधाएं झेलीं। इस इतिहास को समझने के लिए किसी अतिरंजित दान राशि की आवश्यकता नहीं है। जवाहरलाल नेहरू की निजी जिंदगी को देखें तो उनमें संपत्ति संचय की प्रवृत्ति प्रमुख नहीं दिखाई देती। उनकी रुचि पुस्तकों, विचारों, लेखन, राजनीति और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम में थी। जेल में बिताए लंबे समय को उन्होंने अध्ययन और लेखन का अवसर बनाया। विश्व इतिहास की झलक, मेरी कहानी और भारत एक खोज जैसी कृतियां इसी बौद्धिक साधना का परिणाम हैं। इन पुस्तकों में उन्होंने इतिहास को केवल राजाओं और युद्धों का विवरण नहीं माना, बल्कि सभ्यताओं, समाजों, विचारों और मनुष्य की सामूहिक यात्रा के रूप में देखा। उनकी लेखकीय दृष्टि में भारत की विविधता, सांस्कृतिक निरंतरता और आधुनिकता की आकांक्षा एक साथ मौजूद थी। नेहरू की राष्ट्रनिर्माण संबंधी सोच का सबसे बड़ा प्रमाण स्वतंत्रता के बाद उनके नेतृत्व में विकसित संस्थागत ढांचे में दिखाई देता है। 1947 में भारत के सामने विभाजन, विस्थापन, गरीबी, अशिक्षा, सांप्रदायिक तनाव और कमजोर औद्योगिक आधार जैसी गंभीर चुनौतियां थीं। देश के पास संसाधन सीमित थे, लेकिन अपेक्षाएं बहुत बड़ी थीं। ऐसे समय में नेहरू ने लोकतांत्रिक संस्थाओं, वैज्ञानिक अनुसंधान, सार्वजनिक क्षेत्र और योजनाबद्ध विकास को प्राथमिकता दी। उनका विश्वास था कि राजनीतिक स्वतंत्रता तभी सार्थक होगी, जब देश आर्थिक और वैज्ञानिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा। इस दृष्टि का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष आधुनिक शिक्षा और तकनीकी क्षमता का निर्माण था। नेहरू समझते थे कि भारत को गरीबी और पिछड़ेपन से बाहर निकालने के लिए केवल प्राकृतिक संसाधन पर्याप्त नहीं हैं। इसके लिए प्रशिक्षित वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, चिकित्सकों, प्रबंधकों और कुशल प्रशासकों की जरूरत होगी। इसी सोच के तहत उनके प्रधानमंत्रित्व काल में उच्च शिक्षा और तकनीकी प्रशिक्षण के कई महत्वपूर्ण संस्थानों की स्थापना हुई।भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों की स्थापना इस दिशा में एक ऐतिहासिक पहल थी। आईआईटी खड़गपुर की स्थापना 1951 में हुई। इसके बाद 1958 में आईआईटी बॉम्बे, 1959 में आईआईटी मद्रास और आईआईटी कानपुर तथा 1961 में आईआईटी दिल्ली की स्थापना की प्रक्रिया आगे बढ़ी। इन संस्थानों का उद्देश्य केवल इंजीनियर तैयार करना नहीं था, बल्कि देश में वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी नवाचार और औद्योगिक विकास की मजबूत बुनियाद तैयार करना था। आज भारतीय तकनीकी विशेषज्ञों की वैश्विक पहचान में इन संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका है। चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य अनुसंधान के क्षेत्र में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान यानी एम्स, नई दिल्ली की स्थापना 1956 में हुई। इसका उद्देश्य चिकित्सा शिक्षा, उच्चस्तरीय उपचार और अनुसंधान को एक ही संस्थागत ढांचे में विकसित करना था। प्रबंधन शिक्षा को मजबूत करने के लिए 1961 में भारतीय प्रबंधन संस्थान, कलकत्ता और अहमदाबाद की स्थापना हुई। इसी तरह 1956 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को वैधानिक दर्जा मिला, जिससे उच्च शिक्षा के विकास और विश्वविद्यालयों के बीच शैक्षणिक मानकों को मजबूत करने का आधार तैयार हुआ। प्रशासनिक क्षमता बढ़ाने के लिए 1954 में भारतीय लोक प्रशासन संस्थान की स्थापना की गई। इसका उद्देश्य प्रशासनिक अधिकारियों को बेहतर प्रशिक्षण देना और सार्वजनिक प्रशासन में दक्षता तथा जवाबदेही की भावना विकसित करना था। 1961 में राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान की स्थापना भी आधुनिक औद्योगिक और रचनात्मक शिक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम थी। इंजीनियरिंग शिक्षा के विस्तार के लिए क्षेत्रीय इंजीनियरिंग कॉलेजों की स्थापना की प्रक्रिया भी इसी दौर में शुरू हुई, जो आगे चलकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान बने। विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में भी नेहरू की दृष्टि व्यापक थी। 1948 में परमाणु ऊर्जा आयोग की स्थापना हुई और 1954 में परमाणु ऊर्जा विभाग का गठन किया गया। इसी वर्ष ट्रॉम्बे में परमाणु ऊर्जा प्रतिष्ठान की स्थापना हुई, जो बाद में भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के रूप में विकसित हुआ। यह भारत के परमाणु विज्ञान और ऊर्जा अनुसंधान की आधारशिला साबित हुआ। वैज्ञानिक होमी जहांगीर भाभा के साथ नेहरू ने देश में परमाणु विज्ञान की क्षमता विकसित करने को विशेष महत्व दिया। अंतरिक्ष अनुसंधान की दिशा में 1962 में भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुसंधान समिति का गठन हुआ। यह आगे चलकर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो की स्थापना का आधार बनी। इसी तरह 1958 में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन का गठन किया गया, ताकि देश रक्षा तकनीक और सैन्य अनुसंधान के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो सके। वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद पहले से अस्तित्व में थी, लेकिन नेहरू काल में उसके अंतर्गत राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला जैसी प्रयोगशालाओं के माध्यम से अनुसंधान का विस्तार हुआ। आर्थिक नियोजन भी नेहरू की राष्ट्रनिर्माण संबंधी सोच का महत्वपूर्ण हिस्सा था। 15 मार्च 1950 को योजना आयोग की स्थापना हुई। इसका उद्देश्य देश के सीमित संसाधनों का योजनाबद्ध उपयोग करके कृषि, उद्योग, सिंचाई, ऊर्जा, परिवहन और सामाजिक विकास को गति देना था। 1955 में इंपीरियल बैंक ऑफ इंडिया का पुनर्गठन कर भारतीय स्टेट बैंक बनाया गया, जिससे बैंकिंग सेवाओं के विस्तार और ग्रामीण क्षेत्रों तक वित्तीय पहुंच बढ़ाने की दिशा में प्रयास हुआ। 1956 में तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग की स्थापना हुई। हिंदुस्तान मशीन टूल्स जैसे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों तथा भिलाई, राउरकेला और दुर्गापुर जैसे इस्पात संयंत्रों के विकास ने औद्योगिक आधार को मजबूत किया। नेहरू बड़े बांधों को आधुनिक भारत के मंदिर कहते थे, क्योंकि उनके अनुसार सिंचाई, बिजली और औद्योगिक विकास देश की गरीबी दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते थे। भिलाई, राउरकेला और दुर्गापुर जैसे इस्पात संयंत्र केवल औद्योगिक परियोजनाएं नहीं थे, बल्कि एक नए भारत की आर्थिक क्षमता के निर्माण के प्रयास थे। उच्च शिक्षा और तकनीकी प्रशिक्षण के संस्थानों के माध्यम से वैज्ञानिक और तकनीकी मानव संसाधन तैयार करने की कोशिश हुई। इन संस्थानों की स्थापना को केवल सरकारी योजनाओं की सूची के रूप में नहीं देखना चाहिए। इनके पीछे एक ऐसी राष्ट्रीय कल्पना थी, जिसमें भारत को ज्ञान, विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में दूसरे देशों पर निर्भर नहीं रहना था। आज जब भारत अंतरिक्ष अनुसंधान, परमाणु ऊर्जा, चिकित्सा, सूचना प्रौद्योगिकी और औद्योगिक उत्पादन के क्षेत्र में अपनी क्षमता प्रदर्शित करता है, तब इस संस्थागत नींव के ऐतिहासिक महत्व को समझना जरूरी है।

हालांकि, उनकी नीतियों की आलोचना भी जरूरी है। योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था में नौकरशाही का विस्तार हुआ, सार्वजनिक क्षेत्र के कई उपक्रम अपेक्षित दक्षता हासिल नहीं कर सके और कृषि तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को शुरुआती दौर में पर्याप्त प्राथमिकता नहीं मिल पाई। चीन के साथ 1962 के युद्ध ने उनकी विदेश और रक्षा नीति की कमजोरियों को भी उजागर किया। लेकिन किसी ऐतिहासिक व्यक्तित्व का मूल्यांकन केवल उपलब्धियों या विफलताओं की एक सूची से नहीं किया जा सकता। यह देखना होगा कि उसने अपने समय की परिस्थितियों में देश के लिए कैसी संस्थागत और वैचारिक दिशा तैयार की।

- कुमार कृष्णन

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। शुक्रवार को भी स्थानीय अनाज मंडी में दलहनी जिंसों में मजबूती कायम रही। खाद्य तेलों की कीमतों में टिकाव रहा। तिलहनों में सोयाबीन बाजार 7200 रू. प्रति क्विंटल पर बने रहे। किराना जिंसों में नारियल बाजार पूर्वसर पर रहे। शक्कर में सुस्ती रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने सहित अन्य दलहनों में पुछपरख से बाजार तेजी के रहे। खाद्य तेलों में कीमतें टिकी रही। तिलहनों में सोयाबीन 7200 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूत रहा। उधर, किराना जिंसों में शक्कर में बाजार सुस्त नजर आये। नारियल व खोपरा गोला भी टिका रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 3350-5600, खोपरा गोला 340-450, खोपरा चूरा 3250-5850 (15 कि.ग्रा.), जीरा 315-325, मीडियम 335-345, बेस्ट 360-365, हल्दी निजामाबाद 225-250, सांगली 315-325, साबुदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 181-191, बेस्ट 200-250, एक्स्ट्रा बेस्ट 275-325, सौंफ बारिक 175-275, बेस्ट 300-375, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 860-880, गारबल्ड 800-830, मटरदाना 890-911, खसखस अनक्लीन 800-850, क्लीन 1125-1375, दालचीनी 260-265, जायफल 800-825, वाघाय फूल 360-375, बेस्ट 425-475, शाहजीरा 975-1050, तेजपात 90-100, पत्थर फूल 275-350, बेस्ट 450-550, जावत्री 2450-2700, केसर 200-250, नाग केसर 1450, स्पैंट 375-475, धोली मूसली 950-1050, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघोडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 1050-1150, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीवा 180-200, हरी इलायची शेकर 3250-3350, मीडियम 3425-3525, बेस्ट 3750-3825, एक्ट्रा बेस्ट 3875-3925, पानवार 3050-3100, बड़ी इलायची 1575-1625, बेस्ट 1675-1750, एक्स्ट्रा बेस्ट 1825-1925, सरबूज मगज 650, काजू (240) 1025-1050, काजू (320) 925-970, काजू एस.एस. डब्ल्यू 890-911, काजू जे.एच. 860-875, टुकड़ी 830-840, बादाम मगज 1225-1275, सिंगापुरी 980-1000, बादाम टॉप 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, ईरेशन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 875-1075, बेस्ट 1150-1275, खजरू एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूं आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3100-3150, (160) 3300-3350, (200) 3400-3450, (250) 3800-3850.

तेल- सींगदाना 1770-1780, मुम्बई 1850, राजकोट तेलिया 2800, सोया सारल्बॅट 1345-1350, सोया रिफाईंड 1400-1410, कपासया 1410, सूलिया 1405, कड़ी 1405.

घी की धारणा- गुजरात लुज 1750, मुम्बई पाम 1340, मुम्बई सोया 1450,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2490, देवास-उज्जैन 2490, खंडवा-खुरहानपुर 2475, अकोला 3350 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8800, रायडा 8000-8300, सोयाबीन 7200, टोली (महुआ बीज) 5700-5900, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिली पुरानी 6500-7000, तिली नई 7200-7500,

दलहन- चना काटियावली बेस्ट 7800, विशाल 7650-7700, काबुली चना डॉलर 7200-8500, काबुली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट 8100-8300, मूंग पुराना बोल्ड 8400-8500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 9300-9400, एवरेज 9000-9100, हल्की 7700-7800, महाराष्ट्र सफेद 9800-10000, महाराष्ट्र लाल 10000-10100, उड़द बेस्ट 9201-9101, उड़द गर्मी 8500-9200, ग्रेविटी क्लीन 9500-10000, उड़द मीडियम 6000-7000, कलरी 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवाशक 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, गंगा पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, चमपल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिलर किंग 9000-9500, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिवार 10500-11800, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पौहा 4500-5100,

माचा- इन्दौर 480, उज्जैन 400, रतलाम 380 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। शुक्रवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार मंदी के रहे। भाव इस प्रकार रहे :-

चाँदी (9999) 182500, चाँदी (99) 182300, टंच 181600, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 139800,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को 12 पैसे की गिरावट के साथ ही 94.24 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार करता हुआ सात पैसे की मामूली बढ़त के साथ 94.05 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी के निरंतर निवेश, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और अनुकूल बाहरी माहौल से रुपये में सकारात्मक रुझान दिख रहा है। हालांकि, विदेशी बाजारों में अमेरिकी डॉलर की मजबूती से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया करीब 94.07 प्रति डॉलर पर खुला। फिर 94.05 प्रति डॉलर तक पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से सात पैसे की बढ़त है। रुपया गुरुवार को 41 पैसे टूटकर 94.12 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 प्रतिशत की गिरावट के साथ 103.15 पर रहा।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज के कारोबारी सत्र में सुबह कारोबार के दौरान सेंसेक्स और निफ्टी में दबाव नजर आया। कई बड़े शेयरों में बिकवाली आई, जिससे बाजार टूटा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 318.56 अंक नीचे आकर 81,592.45 के लेवल पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 155.05 अंक नीचे आकर 25145 के करीब बंद हुआ।

आज सेंसेक्स के 30 शेयरों में मिलाजुला कारोबार रहा। सिर्फ 7 लाभ पर बंद हुए जबकि जबकि 23 शेयरों में गिरावट रही। सबसे ज्यादा तेजी हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयरों में रही, जो 1.22 फीसदी बढ़कर



1985 रुपये पर बंद हुआ। इसके बाद एशियन पेंट्स 0.87 फीसदी बढ़कर 2548 रुपये, भारती एयरटेल 0.68 फीसदी बढ़कर 2106.40 रुपये, रिलायंस 0.41 फीसदी बढ़कर 1340 रुपये और बजाज फाइनेंस 0.41 फीसदी बढ़कर 1115.20 रुपये पर बंद हुआ.

वहीं महिंद्रा एंड महिंद्रा में सबसे अधिक गिरावट रही। वे 2.13 फीसदी नीचे आकर 3336 रुपये प्रति शेयर पर बंद हुआ। वहीं अल्ट्राटेक सीमेंट 1.65 फीसदी फिसलकर 12,098 रुपये, बीईएल 1.60 फीसदी कम होकर 401 रुपये, एनटीपीसी 1.18 फीसदी गिरकर 319 रुपये और ट्रेंट 1.09 फीसदी गिरकर 3160 रुपये पर बंद हुआ। वहीं एचडीएफसी बैंक में 1.08 फीसदी, बजाज फिनसर्व में 1.03 फीसदी, अडानी पोर्ट्स में 1.01 फीसदी और टाटटन में 1 फीसदी की गिरावट आई। वहीं इससे पहले आज सुबह शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी टूट गए। सेंसेक्स 537.56 अंकों की गिरावट के साथ 81,373.45 के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह निफ्टी भी लाल निशान में रहा। निफ्टी 198.50 अंक टूटकर 25,100.85 के स्तर पर आ गया।

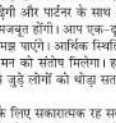
केंद्र के बाद राज्यों ने भी बढ़ाया महंगाई भत्ता

नई दिल्ली। एजेंसी। दिवाली और छठ से ठीक पहले केंद्र सरकार ने अपने लाखों कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को बड़ा तोहफा दिया है। महंगाई भत्ते (डीए) में 3 फीसदी की बढ़ोतरी की घोषणा के बाद, अब यह 60 से बढ़कर 63 फीसदी हो गया है। इस फैसले के तुरंत बाद, विभिन्न राज्य सरकारों ने भी अपने कर्मचारियों का डीए बढ़ाकर त्योहारों की खुशी दोगुनी कर दी है। यह बढ़ोतरी 1 जुलाई, 2026 से प्रभावी मानी गई है, जिससे देश भर में करीब 1 करोड़ से अधिक कर्मचारियों और पेंशनर्स को सीधा फायदा होगा। केंद्र सरकार के इस कदम से सरकारी खजाने पर बड़ा असर पड़ेगा, लेकिन कर्मचारियों के मन में यह सवाल बना हुआ है कि बढ़े हुए डीए के साथ पिछले महीनों का बकाया पैसा, यानी एरियर, उन्हें कब और किस प्रकार मिलेगा। इस संबंध में राज्य सरकारों के बीच अलग-अलग नीतियां देखने को मिल रही हैं। एरियर भुगतान पर राज्यों की भिन्न रणनीतियाँ: एरियर भुगतान के तरीके को लेकर राज्यों में विविधता है। उदाहरण के लिए, अरुणाचल प्रदेश डीए 60 से 63 फीसदी किया गया है। बढ़ा हुआ पैसा नवंबर के वेतन के साथ मिलेगा, जबकि जुलाई से अक्टूबर तक का एरियर कर्मचारियों के बैंक खातों में नकद जमा किया जाएगा। उत्तराखंड डीए में 3 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ, जुलाई से 31 अक्टूबर तक का बकाया पैसा कर्मचारियों को नकद दिया जाएगा। उत्तर प्रदेश डीए 60 से 63 फीसदी हुआ है। अक्टूबर का बढ़ा हुआ डीए नवंबर के वेतन के साथ मिलेगा, जबकि जुलाई से सितंबर तक के बकाया पैसे को कर्मचारियों के पीएफ खातों में जमा करने की बात कही गई है। पंजाब सरकार ने डीए 3 बढ़ाकर 53 फीसदी कर दिया है, जो 1 नवंबर, 2023 से प्रभावी है और दिसंबर के वेतन के साथ मिलेगा।

ऑनलाइन पेमेंट पर मंडराया साइबर फ्रॉड का खतरा, बैंक हुए सख्त

नई दिल्ली। एजेंसी। देश में डिजिटल भुगतान का प्रचलन तेजी से बढ़ा है, जहां छोटी से छोटी खरीद से लेकर बड़े बिलों तक का भुगतान अब ऑनलाइन माध्यम से हो रहा है। हालांकि, इस सुविधा के साथ साइबर धोखाधड़ी का खतरा भी लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी चुनौती से निपटने के लिए भारतीय बैंक अब सक्रिय हो गए हैं। बैंकों ने डिजिटल पेमेंट और फिनटेक कंपनियों को अपनी सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के साथ-साथ मर्चेंट वेरिफिकेशन और लेनदेन निगरानी को और सख्त करने के निर्देश दिए हैं ताकि ग्राहकों के डिजिटल लेनदेन को अधिक सुरक्षित बनाया जा सके। बैंकों ने अपनी पार्टनर फिनटेक कंपनियों को साफ निर्देश दिए हैं कि वे अपने प्लेटफॉर्म पर नए व्यापारियों (मर्चेंट) को जोड़ने से पहले उनकी गहन जांच करें। इसके अलावा, उन सभी खातों की जानकारी भी दोबारा सत्यापित की जाए, जिनमें कारोबारियों का पैसा भेजा जाता है। ऑटोमेटेड पेआउट सिस्टम, जिसके जरिए कंपनियां एक साथ कई ग्राहकों के भुगतान करती हैं, उस पर भी कड़ा नियंत्रण रखने की सलाह दी गई है। यह सुनिश्चित करना आवश्यक है ताकि साइबर अपराधी इन प्रणालियों का दुरुपयोग कर गलत खातों में पैसे ट्रांसफर न कर सकें। डिजिटल धोखाधड़ी का एक सामान्य तरीका एपीआई की चोरी है। एपीआई वे कोड या गोपनीय कोड होता है जिसका उपयोग मर्चेंट का सॉफ्टवेयर भुगतान प्रणाली को निर्देश देने के लिए करता है। यदि ये कोड मर्चेंट के सर्वर से चोरी हो जाते हैं, तो अपराधी इनका इस्तेमाल कर फर्जी भुगतान कर सकते हैं, जिससे असली और नकली निर्देशों में अंतर करना मुश्किल हो जाता है। इस खतरे को कम करने के लिए, पेमेंट कंपनियां अब अपनी एपीआई को नियमित रूप से बदल रही हैं और सुरक्षा प्रोटोकॉल को मजबूत कर रही हैं ताकि डिजिटल लेनदेन को और भी अधिक अभेद्य बनाया जा सके। इन उपायों का लक्ष्य डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम में विश्वास बनाए रखना और ग्राहकों को धोखाधड़ी से बचाना है।

आज का राशिफल



मेष- आज दिल और किस्मत, दोनों आपका साथ देते नजर आएंगे। प्रेम जीवन में मधुरता बढ़ेगी और पार्टनर के साथ आपकी समझ तथा नजदीकियां पहले से मजबूत होंगी। आप एक-दूसरे की भावनाओं को बेहतर तरीके से समझ पाएंगे। आर्थिक स्थिति में भी सुधार होने के संकेत हैं, जिससे मन को संतोष मिलेगा। हालांकि, राजनीति या सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों को थोड़ा सतर्क रहने की जरूरत है।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक रह सकता है, लेकिन हर काम में सावधानी और धैर्य बनाए रखना जरूरी होगा। जल्दबाजी या छोटी-सी लापरवाही चोट अथवा परेशानी का कारण बन सकती है, इसलिए वाहन चलाते समय विशेष सतर्कता बरतें। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा और बच्चों के लिए कोई सरप्राइज या खास योजना बनाने का अवसर मिल सकता है।

मिथुन- आज सेहत के मामले में किसी भी तरह की लापरवाही करना ठीक नहीं होगा। यदि पहले से कोई परेशानी चल रही है, तो उसके दोबारा उभरने की आशंका है। इसलिए समय रहते अपनी दिनचर्या और स्वास्थ्य पर ध्यान दें। आर्थिक मामलों में भी सावधानी जरूरी है, क्योंकि बढ़ते खर्च आपकी बचत को प्रभावित कर सकते हैं। सामाजिक क्षेत्र में आपका प्रभाव और पहचान मजबूत हो सकती है।

कर्क- आज आपको यह बात समझने का अवसर मिलेगा कि हर परिस्थिति का सामना केवल ताकत से नहीं, बल्कि समझदारी और सही रणनीति से किया जाता है। विरोधियों की चुनौतियों के बावजूद आप अपनी सूझबूझ से आगे निकल सकते हैं। हालांकि, किसी भी मामले में जल्दबाजी से बचना जरूरी होगा। संतान की ओर से कोई अच्छी खबर मिलने की संभावना है, जिससे परिवार में खुशी का माहौल बनेगा।

सिंह- आज मन थोड़ा भारी रह सकता है और किसी बात को लेकर मानसिक तनाव महसूस हो सकता है। ऐसे में खुद को अनावश्यक चिंताओं में उलझाने के बजाय अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित रखें। बच्चों की सेहत को लेकर लापरवाही न करें और जरूरत पड़ने पर समय रहते उचित ध्यान दें। किसी जोखिम भरे काम में पैसा लगाने या महत्वपूर्ण समय खर्च करने से आज बचना बेहतर रहेगा।

कन्या- आज का दिन आपके लिए आगे बढ़ने और अपनी प्रतिभा साबित करने के नए अवसर लेकर आ सकता है। मेहनत का अच्छा परिणाम मिलने से आत्मविश्वास बढ़ेगा और आपको अपने प्रयासों पर संतोष महसूस होगा। किसी सामाजिक या पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर भी मिल सकता है।

वृश्चिक- आज कई मामलों में सकारात्मक परिणाम मिलने के संकेत हैं, हालांकि परिवार में किसी छोटी-सी बात को लेकर तनाव पैदा हो सकता है। ऐसी स्थिति में अपनी प्रतिक्रिया पर नियंत्रण रखें और विवाद को बढ़ाने से बचें। संतान के करियर या भविष्य को लेकर कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेना पड़ सकता है। इस सिलसिले में यात्रा करने की संभावना भी बन सकती है।

धनु- आज मन में थोड़ी बेचैनी या असमंजस बना रह सकता है और सेहत भी पहले की तुलना में कमजोर महसूस हो सकती है। इसलिए अपनी दिनचर्या पर ध्यान दें और जरूरत से ज्यादा काम का दबाव न लें। कारोबार में किसी डील या महत्वपूर्ण प्रस्ताव को लेकर चिंता बनी रह सकती है। बिना पूरी जानकारी हासिल किए कोई निर्णय लेने से बचें।

मकर- आज बढ़ते खर्च आपकी आर्थिक स्थिति पर दबाव डाल सकते हैं। यदि आपने बजट के अनुसार खर्च नहीं किया, तो बचत प्रभावित होने की आशंका है। इसलिए गैरजरूरी खरीदारी से बचें और अपनी आर्थिक प्राथमिकताओं को स्पष्ट रखें। भाई-बहनों के साथ प्रॉपर्टी या पैतृक संपत्ति को लेकर विवाद बढ़ सकता है। मामला कानूनी रूप लेने से पहले बातचीत और आपसी सहमति से समाधान निकालने की कोशिश करें।

कुंभ- आज का दिन सामान्य रहने के बावजूद आपके भीतर ऊर्जा और उत्साह बना रहेगा। किसी लंबी यात्रा की योजना बन सकती है, जो कामकाज या व्यक्तिगत कारणों से हो सकती है। वैचारिक जीवन में जीवनसाथी की भावनाओं को समझना विशेष रूप से जरूरी होगा। अनजाने में कही गई कोई बात उनके मन को ठेस पहुंचा सकती है, इसलिए बातचीत में संवेदनशीलता बनाए रखें।

मीन- आज कानूनी और आर्थिक मामलों में विशेष सावधानी बरतने की जरूरत होगी। कारोबार में कुछ उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं, लेकिन पुराने निवेश से लाभ मिलने की संभावना है। खासकर शेयर बाजार से जुड़े पुराने निवेश सकारात्मक परिणाम दे सकते हैं। हालांकि, किसी भी नई डील को अंतिम रूप देने से पहले सभी दस्तावेजों और शर्तों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

शब्दजाल - 8449



शब्द खोज में धनेंद्र की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए, दिए गए नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

अलफ़ू, नीला आकाश, मेरा गांव मेरा देश, ज़ालीशी, दोस्ती, दो चोर, लालबार, राजा जानी, रोडिया सुलतान, कजाजत.

शब्दजाल - 8448 का हल



फिल्म वर्ग पहेली- 7383



ऊपर से नीचे:-

१. 'बचपन की मोहब्बत को' गीत वाली भारतभूषण, मीना की फिल्म-२,३
२. सुनील दत्त, मीना की फिल्म-३
३. 'ऐ ज़िंदगी गले लगा ले' गीत वाली कमल हासन, श्रीदेवी की फिल्म-२
४. 'सखी अली, मीठा की' जरा है जला है चलते हो' गीत वाली फिल्म-२
५. 'मेरे सपनों की रानी कब' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१०. गजेंद्रनाहाटा, हवाना की 'सीलें हवा छू गई' गीत वाली फिल्म-३
११. 'ऐसी तेरी ये निगाह' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा मालिनी की फिल्म-२
१२. सनी, अमृता की 'ये मेरी ज़िंदगी बेचैन तड़प की' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'ज़रा तो सही सोचे तो' गीत वाली गोविंदा, मनीष कोइराला की फिल्म-४
१५. 'एक लड़की बस गई' गोविंदाली फिल्म-२
१६. 'चोर आई रुपा औरिफ़' गीत वाली राजेश खन्ना, डिंपल की फिल्म-३
१९. कमल सदाना, जावेद की 'जब से माना दिल टोबाना' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आज़ाये फिर दिल की' गीत वाली नसीर, हेमा, शेला की फिल्म-४
२३. अनिलकपूर, पद्मा की 'पुछ रही है सड़की हैदराबादी' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'आपका छह मिल' गीत वाली जीतेंद्र, रामेश्वरी, शारिका की फिल्म-३
२९. संजयदत्त, अभिषेक, जायेदखान, ईशा देओल, शहरुमेर, डिंपल की फिल्म-२

वायें से दायें:-

१. 'सारे शहर में आप सा कोई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली की फिल्म-३
६. विष्णु, मधु, रेणु की 'तुम्हें हम बहुत प्यार करते लगे' गीत वाली फिल्म-३
७. 'तेरी मांगे भरदें' गीत वाली राजेंद्र कुमार, वी. सोशरेजी की फिल्म-४
८. बॉबी देओल, सनी मुखर्जी की 'ओहो के सनी दिल में' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
१४. 'सलाम लेओ छोटिए' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-१,२
१७. फिल्म 'शहीद' में नरिका ?-३
१८. 'आई खबर छिपेते हैं दिल' गीत वाली सलमान, रेखी की फिल्म-२
२०. शत्रुघ्नसिन्हा, रेखा की 'जाने कैसे कोरियो ये कयामें' अभिनेत फिल्म-३
२२. 'मय गया शेर सरे' गीत वाली अमिताभ, पार्वीन की फिल्म-३
२४. ऋषि, टीना की 'एक हसीना थी एक दीवाना था' गीतवाली फिल्म-२
२६. धर्मेन्द्र, मगरोकुमार, सायराबनो की फिल्म-२
२८. सचीनकुए, रेखा की 'हो देख तुझको दिल ने कहा' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'मैं मरे डमने की' गीत वाली अवय देवगन, तनीषा की फिल्म-२
३०. अक्षयकुमार, सहेना टीहन की 'दीवाने हैं दीवानों से ए' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'आपने आ जाइये, आ ही जाइये' गीत वाली अनिलकपूर, वैकीआहिक, मनीषा, सोनाली, रेखा की फिल्म-२
३१. राजेश खन्ना, सचीन, शर्मिला की 'ये मैं एक मनका' गीत वाली फिल्म-४
३२. अमिताभ, जीनत की फिल्म-४

फिल्म वर्ग पहेली- 7382



शब्द पहेली - 8907

बाएँ से दाएँ

1. जी, इच्छा, चित्त-2
2. तन, बदन, देह-3
4. अधिदय-2
6. रविवास (उर्दू-3)
7. स्नान करना-3
8. विश्वास-3
9. राजा, सम्राट-3
10. वचन, प्रतिज्ञा-3
11. तरंग, हिलोर-3
13. दौड़ना (अंग्रेजी-2)
14. सही का विलोम-3
15. सदपुरुष-2
16. पाठ, शिक्षा-3
17. कर्ता, कार्य करने वाला-3
18. इज्जत, मान, सम्मान-3
19. सब कुछ छीन लेना-2
20. भवन, प्रासाद-3
21. वजह-3
23. खेल दिखाने वाला-2
24. पेन, लेखनी-3
25. लात-घात-2

ऊपर से नीचे

1. राय, पोट, अभिप्राय-2
2. लाज, लज्जा-2
3. 500 कागजों की गड्डी -2
4. दुनिया, जगत-3
5. लेकर आना-2
6. अवैध, नाजायज-3
7. गिगाह, दृष्टि-3
8. बैठने की जगह-3
9. आराम, मदद-3
10. कर्म, भाग्य-3
11. लगन, जिद, उत्साह-3
12. दांपत्य संबंध विच्छेद-3
14. जवान, तरुण-3
15. रिक्त जगह पूर्ण करना-3
16. दुर्बल का विलोम-3
17. वजह-3
18. पदचाप, किसी के आने की आवाज-3
19. रविवास (उर्दू-3)
20. जी, इच्छा, चित्त-2
21. समयगति-2
22. देह, बदन-2

शब्द पहेली -8906 का हल



सैनिक पंचांग

14 नवम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह	स्थिति
सूर्य	तुला में
चंद्र	वृश्चि में
मंगल	सिंह में
बुध	तुला में
गुरु	सिंह में
शुक्र	कन्या में
शनि	सिंह में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

नक्षत्र	स्वामी
अश्विनी	केतु
भरणी	शुक्र
कृत्तिका	सूर्य
रोहिणी	चंद्र
मृगशिरा	मंगल
आर्द्रा	राहु
पुनर्वसु	गुरु
पुष्य	शनि
आश्लेषा	बुध
मघा	केतु
पूर्वा फाल्गुनी	शुक्र
उत्तरा फाल्गुनी	सूर्य
हस्त	चंद्र
चित्रा	मंगल
स्वाति	राहु
विशाखा	गुरु
अनुराधा	शनि
ज्येष्ठा	बुध
मूल	केतु
पूर्वाषाढ़ा	शुक्र
उत्तराषाढ़ा	सूर्य
श्रवण	चंद्र
धनिष्ठा	मंगल
शतभिषा	राहु
पूर्वाभाद्रपदा	गुरु
उत्तराभाद्रपदा	शनि
रेवती	बुध

राहुकाल
9.00 से 10.30
जाने तक

दिन का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक

रात का चौघड़िया		
लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.51 से	04.24 बजे तक
लाभ	04.24 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया सूर्योदय- सूर्यास्त मोक्ष मुख, अमृत व लाभ, मध्यम पल, अशुभ रोग, चौर व काल। यदि आपका चौघड़िया मार्गदर्शक समय की भाग रेखा विरुद्ध के उजाला पर है तो, आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगवत: नियम सबके लिए है

बात सन 1885 की है। पूना के न्यू इंग्लिश हाईस्कूल में समारोह हो रहा था। प्रमुख द्वार पर एक स्वयंसेवक नियुक्त था, जिसे यह कर्तव्य-भार दिया गया था कि आनेवाले अतिथियों के निमंत्रण पत्र देखकर उन्हें सभा-स्थल पर यथास्थान बिठा दे। इस समारोह के मुख्य अतिथि थे मुख्य न्यायाधीश महादेव गोविंद रानडे। जैसे ही वह विद्यालय के द्वार पर पहुँचे, वैसे ही स्वयं सेवक ने उन्हें अंदर जाने से शालीनतापूर्वक रोक दिया और निमंत्रण-पत्र की माँग की। 'बेटे मेरे पास तो निमंत्रण-पत्र नहीं हैं,' रानडे ने कहा। 'शमा करें, तब आप अंदर प्रवेश न कर सकेंगे,' स्वयंसेवक का लक्षापूर्ण उत्तर था। द्वार पर रानडे को देखकर स्वागत समिति के कई सदस्य आ गए और उन्हें अंदर मंच की ओर ले जाने का प्रयास करने लगे। पर स्वयंसेवक ने आगे बढ़कर कहा, 'श्रीमान! मेरे कार्य में यदि स्वागत-समिति के सदस्य ही रोड़ा अटकाएँगे तो फिर मैं अपना कर्तव्य कैसे निभा सकूँगा? कोई भी अतिथि हो उसके पास निमंत्रण-पत्र होना ही चाहिए। मेरे-आप की नीति मुझसे नहीं बरती जाएगी।' यह स्वयंसेवक आगे चलकर गोपाल कृष्ण गोखले के नाम से प्रसिद्ध हुआ और देश की बड़ी सेवा की।

सूडोकु नवताल- 7692

सरल

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		4	9
2	4		6					
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

सूडोकु नवताल- 7691 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

लाडसा में लगा जिला स्तरीय जनविश्वास शिविर

विधायक, कलेक्टर और एसपी ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर अधिकारियों को दिए त्वरित निराकरण के निर्देश







पद्मेश न्यूज। लांजी । मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को लांजी विकासखंड के ग्राम लाडसा में जिला स्तरीय जनविश्वास शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विधायक राजकुमार करहि, कलेक्टर आदित्य सिंह, पुलिस अधीक्षक मलय जैन, जिला पंचायत सीईओ सुश्री तनुश्री मीणा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नितेश भार्गव, एसडीएम आदित्य नारायण तिवारी, जनपद सीईओ अंकित सिंघई सहित विभिन्न विभागों के जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। शिविर में आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे लोगों की समस्याएं सुनी गईं तथा उनके आवेदनों पर कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

जनसमस्याओं के निराकरण के लिए शासन की महत्वपूर्ण पहल - विधायक

विधायक राजकुमार करहि ने कहा कि जनविश्वास शिविर मध्यप्रदेश शासन की महत्वाकांक्षी पहल है, जिसे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से शुरू किया गया है। इसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि लाडसा में जिला स्तरीय शिविर आयोजित होने से आसपास के गांवों के लोगों को भी लाभ मिलेगा। पूरा जिला प्रशासन ग्रामीणों की समस्याएं सुनने उनके बीच पहुंचा है। ऐसे शिविर शासन की योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम हैं।

45 आवेदनों पर कलेक्टर ने दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

शिविर में ग्रामीणों द्वारा विभिन्न समस्याओं एवं मांगों से संबंधित कुल 45 आवेदन प्रस्तुत किए गए। कलेक्टर आदित्य सिंह ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निराकरण किया जाए। कोई भी आवेदन अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने बताया कि जनविश्वास शिविर में प्राप्त आवेदनों के निराकरण की नियमित समीक्षा भी की जा रही है, ताकि आवेदकों को समय पर राहत मिल सके। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने ग्रामीणों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रदर्शनी लगाकर कुपोषण से बचाव एवं पोषण संबंधी उपायों के बारे में बताया गया। वहीं पशुपालन विभाग ने ग्रामीणों को विभागीय योजनाओं का लाभ लेकर पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में आगे आने के लिए प्रोत्साहित किया।

स्व-सहायता समूहों से जुड़कर महिलाएं बन रहीं आत्मनिर्भर

शिविर में आजीविका मिशन से जुड़ी महिलाओं मीनाक्षी टेम्भरे, श्रद्धा नखाते, प्रेमलता उइके, भूमेश्वरी दमाहे, वत्सला टेम्भरे एवं सविता कुथे ने अपनी व्यावसायिक गतिविधियों की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि स्व-सहायता समूहों के माध्यम से मिली आर्थिक एवं अन्य सहायता से वे आत्मनिर्भर बनी हैं और अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने में योगदान दे रही हैं। शिविर के दौरान लांजी विकासखंड से संबंधित सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का तत्परता से निराकरण करने तथा आमजन को समय पर राहत उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

खेल प्रतिभाओं एवं किसानों का किया गया सम्मान

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय एवं राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में जिले का नाम रोशन करने वाले लांजी क्षेत्र के खिलाड़ियों ऋतुराज दशहरे, गोल्डी दशहरे, सरिता कुरवेती, मंशा घोंघड़े, अनुराग निमजे एवं पूजा तुरकर को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही जिला सहकारी केंद्रीय बैंक द्वारा किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड भी वितरित किए गए।

शिविर से पहले अधिकारियों ने किया विभागीय कार्यालयों का निरीक्षण

ग्राम लाडसा में जिला स्तरीय जनविश्वास शिविर के आयोजन से पूर्व विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा लांजी क्षेत्र में संचालित विभागीय गतिविधियों एवं कार्यालयों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान विभागीय कार्यप्रणाली की जानकारी लेकर योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति का जायजा लिया गया। जनविश्वास शिविर के माध्यम से जिला प्रशासन ने ग्रामीणों तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने, उनकी समस्याओं का समाधान करने और प्रशासन तथा आमजन के बीच विश्वास को मजबूत करने की दिशा में पहल की।

जनविश्वास शिविर में विधायक राजकुमार करहि ने किसान को सौंपा नवीन केसीसी कार्ड

पद्मेश न्यूज। लांजी । मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान 2026 के अंतर्गत किसानों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने एवं उनकी समस्याओं का



त्वरित निराकरण करने के उद्देश्य से ग्राम लाडसा में आयोजित जिला स्तरीय जनविश्वास शिविर में लांजी विधायक राजकुमार करहि ने कृषक विजय कुमार को नवीन किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) प्रदान किया। यह कार्ड जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित बालाघाट की शाखा साडरा के अंतर्गत बी-पैक्स समिति कुम्हारीकला के माध्यम से जारी किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर आदित्य सिंह भी उपस्थित रहे। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिनव सिंह बघेल ने बताया कि शिविर स्थल पर बी-पैक्स समिति द्वारा स्टॉल लगाया गया था। यहां किसानों को बैंक की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही ऐसे किसानों को चिह्नित किया गया, जो पात्र होने के बावजूद अभी तक किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधा से वंचित थे। ऐसे किसानों को केसीसी उपलब्ध कराने की पहल की गई। अभियान के तहत बैंक द्वारा किसानों से सीधे संपर्क कर उन्हें विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में बैंक मुख्यालय के फील्ड अधिकारी राजेश नगपुरे ने ग्राम कुम्हारीकला पहुंचकर किसानों से चर्चा की। उन्होंने नवीन सदस्यता अभियान, पशुपालन केसीसी, मत्स्य पालन केसीसी सहित बैंक की अन्य योजनाओं की जानकारी देकर किसानों को इनका लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर लांजी के प्रभारी शाखा प्रबंधक सुभाष राहंगडाले, साडरा के प्रभारी शाखा प्रबंधक मारेश्वर फुणडे, पर्यवेक्षक गोविंद एड़े, हेमेश्वर बघे सहित बैंक के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

आलोक संघ कल लांजी में 400 प्रतिभाओं का करेगा सम्मान

जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह में जुटेंगे जनप्रतिनिधि और समाज के राष्ट्रीय पदाधिकारी, विद्यार्थियों को मिलेगा शैक्षणिक मार्गदर्शन

पद्मेश न्यूज। लांजी । शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और समाज की नई पीढ़ी को आगे बढ़ने का मंच देने के उद्देश्य से अखिल भारतीय लोधी लोधा लोध अधिकारी कर्मचारी संघ (आलोक) जिला बालाघाट द्वारा 15 नवंबर को लांजी में सातवें जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। भारती लॉन, भिलाई रोड में आयोजित इस समारोह में लोधी समाज के करीब 400 प्रतिभावान विद्यार्थियों, नवनियुक्त एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाली प्रतिभाओं का सम्मान किया जाएगा। समारोह में जिले सहित आसपास के क्षेत्रों से समाज के लोगों, विद्यार्थियों, अभिभावकों और जनप्रतिनिधियों की सहभागिता रहेगी। आयोजन के माध्यम से प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करने के साथ ही समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और युवाओं को बेहतर भविष्य के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया जाएगा।



इन श्रेणियों की प्रतिभाओं का होगा सम्मान

समारोह में कक्षा 10वीं एवं 12वीं की परीक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों, जवाहर नवोदय विद्यालय में चयनित विद्यार्थियों तथा एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा शासकीय सेवा में नवनियुक्त कर्मचारियों और सेवानिवृत्त कर्मचारियों का भी सम्मान किया जाएगा। इस तरह समारोह में शिक्षा के साथ विभिन्न क्षेत्रों में समाज का नाम रोशन करने वाली प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिलेगा।

विधायक और राष्ट्रीय पदाधिकारियों की रहेगी मौजूदगी

कार्यक्रम में लांजी विधायक राजकुमार करहि, पूर्व विधायक रमेश भटेरे, बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे, खैरागढ़ विधायक यशोदा वर्मा तथा आमगांव के पूर्व विधायक भैरसिंह भाऊ नागपुरे अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वहीं आलोक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनंत लाल दमाहे की विशेष उपस्थिति रहेगी। समारोह की अध्यक्षता आलोक संघ मध्यप्रदेश की प्रदेश अध्यक्ष सरोज गिरिया करेंगी। मुख्य शैक्षणिक मार्गदर्शक के रूप में लोकेश कुमार लिल्हारे (आईआरएस), ज्वाइंट कमिश्नर भोपाल विद्यार्थियों को शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं और करियर निर्माण से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन देंगे। उनकी उपस्थिति विद्यार्थियों के लिए विशेष आकर्षण रहेगी।

शिक्षा के माध्यम से समाज को आगे बढ़ाने की पहल

आलोक संघ लांजी के अध्यक्ष राजेश मस्करे ने बताया कि प्रतिभा सम्मान समारोह केवल पुरस्कार वितरण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज की आने वाली पीढ़ी को शिक्षा के प्रति जागरूक करने और उन्हें अपने लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रेरित करने का एक प्रयास है। समाज के विद्यार्थियों को उनकी मेहनत और उपलब्धियों के लिए सम्मानित करने से उनमें आत्मविश्वास बढ़ेगा और अन्य विद्यार्थियों को भी बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने लोधी समाज के समस्त सामाजिक बंधुओं, जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से 15 नवंबर को भारती लॉन पहुंचकर कार्यक्रम में सहभागिता करने और समारोह को सफल बनाने की अपील की है।

इधर समर्थन मूल्य पर धान बेचने की रह तक रहे किसान, उधर कर्मचारी बना रहे आंदोलन की रणनीति

23 नवंबर से धान खरीदी ठप करने की तैयारी, बैठक के बाद लिया फैसला, सहकारी समिति कर्मचारी महासंघ ने दी अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किसानों को उनकी फसल का वाजिब दाम दिलाने और उन्हें बिचौलियों से बचाने के लिए शासन द्वारा प्रतिवर्ष किसानों से समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी की जाती है। लेकिन इस वर्ष धान खरीदी का सीजन शुरू होने से पहले ही जिले में उपार्जन व्यवस्था पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। एक ओर किसान अपनी उपज बेचने के लिए खरीदी केंद्रों की तैयारी में जुटे हैं, वहीं दूसरी ओर सहकारी समितियों के कर्मचारी अपनी लंबित मांगों को लेकर आर-पार की लड़ाई के मूड में आ गए हैं। मध्यप्रदेश सहकारी समिति कर्मचारी महासंघ ने प्रशासन को दो टूक चेतावनी दी है कि यदि 15 नवंबर तक उनकी मांगों का निराकरण नहीं किया गया तो 23 नवंबर से जिले की सभी सहकारी समितियों के कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे। ऐसा हुआ तो धान उपार्जन की पूरी व्यवस्था प्रभावित हो सकती है और खरीदी केंद्रों पर पहुंचने वाले किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए इंतजार करना पड़ सकता है। कर्मचारियों की नाराजगी की सबसे बड़ी वजह पिछले तीन वर्षों से करोड़ों रुपये का भुगतान लंबित होना बताया गया है। इसके साथ ही कमीशन, डाटा ऑपरेटरों के वेतन और उपार्जन के दौरान होने वाली अव्यवस्थाओं को लेकर भी महासंघ ने गंभीर सवाल उठाए हैं।

मोती गार्डन में जुटे पदाधिकारी, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

मध्यप्रदेश सहकारी समिति कर्मचारी महासंघ द्वारा नगर के मोती गार्डन में आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में महासंघ के पदाधिकारियों ने समितियों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और लंबित मांगों पर विस्तार से चर्चा की। इसके बाद महासंघ की ओर से कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर समस्याओं का शीघ्र निराकरण किए जाने की मांग की गई। महासंघ का कहना है कि कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर पूर्व में भी 9 सितंबर, 15 अक्टूबर और 23 अक्टूबर को पत्र लिखकर स्थानीय प्रशासन को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक उनकी किसी भी मांग पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। लगातार आश्वासन मिलने के बावजूद समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं, जिससे समिति कर्मचारियों में असंतोष बढ़ता जा रहा है।

तीन साल का करोड़ों का भुगतान अब तक अटका

महासंघ ने अपनी सबसे बड़ी समस्या बताते हुए कहा कि वर्ष 2021-22, 2022-23 और 2023-24 के दौरान समितियों द्वारा किए गए कार्यों का करोड़ों रुपये का भुगतान आज तक नहीं किया गया है। लंबे समय से भुगतान अटके होने के कारण समितियों की आर्थिक स्थिति प्रभावित हो रही है। वहीं वर्ष 2025-26 के उपार्जन कार्य का प्रारंभिक व्यय, कमीशन और डाटा ऑपरेटरों का वेतन भी अब तक नहीं मिला है। कर्मचारियों का कहना है कि जब समितियां लगातार शासन की उपार्जन व्यवस्था को संचालित करने में अपनी भूमिका निभा रही हैं तो उनके कार्यों का भुगतान समय पर क्यों नहीं किया जा रहा है।

40 किलो से कम के बारदाने, 72 घंटे में नहीं होता परिवहन

धान उपार्जन के दौरान सामने आने वाली व्यवस्थागत खामियों को लेकर भी महासंघ ने नाराजगी जाहिर की है। कर्मचारियों का आरोप है कि खरीदी के समय समितियों को 40 किलोग्राम से कम वजन वाले बारदाने उपलब्ध कराए जाते हैं, जिससे उपार्जन प्रक्रिया में परेशानियां खड़ी होती हैं। इसके अलावा खरीदी गई धान का परिवहन निर्धारित 72 घंटे की अवधि में नहीं हो पाता। परिवहन में देरी के कारण खरीदी केंद्रों पर धान का भंडारण बढ़ता है और व्यवस्थाओं पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। वहीं धान में होने वाली शार्टेज की वसूली भी कर्मचारियों से किए जाने की शिकायत उठाई गई है। महासंघ का कहना है कि व्यवस्था की खामियों का खामियाजा कर्मचारियों को भुगतना पड़ रहा है।

15 नवंबर की समय-सीमा पर टिकी निगाहें

महासंघ ने ज्ञापन के माध्यम से प्रशासन को यह भी याद दिलाया है कि पूर्व में आयोजित बैठक के दौरान स्वयं कलेक्टर द्वारा 15 नवंबर 2026 तक समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया गया था। अब यह समय-सीमा नजदीक है और कर्मचारियों की निगाहें प्रशासन के अगले कदम पर टिकी हुई हैं। महासंघ पदाधिकारियों का कहना है कि यदि निर्धारित समय तक मांगों का निराकरण नहीं होता है तो 23 नवंबर से जिले की सभी सहकारी समितियों में अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी जाएगी। ऐसे में धान खरीदी के महत्वपूर्ण दौर में समितियों का कामकाज बंद होने की स्थिति बन सकती है।

किसानों को भुगतना पड़ सकता है खामियाजा

ज्ञात हो कि सहकारी समितियां धान उपार्जन व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। किसानों का पंजीयन, उपज की तौल, खरीदी संबंधी प्रक्रिया और अन्य व्यवस्थाओं में समितियों की अहम भूमिका रहती है। ऐसे में यदि जिले की सभी समितियों के कर्मचारी हड़ताल पर चले जाते हैं तो धान खरीदी की प्रक्रिया प्रभावित होना तय माना जा रहा है। इसका सीधा असर उन किसानों पर पड़ सकता है, जो अपनी मेहनत की उपज बेचने के लिए खरीदी केंद्रों का रुख करेंगे। फिलहाल प्रशासन के सामने कर्मचारियों की लंबित मांगों का निराकरण कर उपार्जन व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने की चुनौती है। अब देखना होगा कि 15 नवंबर तक प्रशासन कर्मचारियों की नाराजगी दूर कर पाता है या जिले में 23 नवंबर से धान खरीदी पर हड़ताल का साया मंडराने लगता है।

लांजी में "पद्मेश"

इंटरनेट (ब्राडबैंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें

Mo. 8319969927

जबलपुर में बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़, बड़ी दुर्घटना टली

लोडिंग वाहन की एक टूटी रस्सी और स्कूल वैन में घुस गए लोहे के पाइप

जबलपुर। एजेंसी। शहर की सड़कों पर दौड़ते मालवाहक वाहनों में लापरवाही से लदा सामान कब किसी बड़े हादसे की वजह बन जाए, इसका खतरनाक उदाहरण शुक्रवार दोपहर बल्देवबाग-दमोह नाका मार्ग पर देखने मिला। चेरीताल शराब दुकान के सामने निर्माण सामग्री से भरे एक लोडिंग वाहन में रखे लोहे के लंबे पाइप अचानक आगे की ओर खिसक गए। सामान बांधने के लिए इस्तेमाल की गई रस्सी टूट गई और भारी पाइप आगे चल रही क्राइस्ट चर्च स्कूल की वैन का पिछला कांच तोड़ते हुए अंदर जा घुसे। वैन में 8-9 बच्चे सवार थे। एक छात्रा घायल हुई, जबकि बाकी बच्चे बाल-बाल बच गए।

यह हादसा केवल एक चालक की लापरवाही का मामला नहीं है, बल्कि शहर में मालवाहक वाहनों पर निर्माण सामग्री की ढुलाई के दौरान सुरक्षा नियमों की अनदेखी पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। जिस सड़क से रोजाना स्कूली बच्चे, परिवार और आम नागरिक गुजरते हैं, वहां 20 से 40 फीट लंबे लोहे के पाइप किस तरह बांधकर ले जाए जा रहे थे? क्या उन्हें सुरक्षित रखने के लिए पर्याप्त इंतजाम थे? क्या वाहन की लंबाई, गति और सामान के संतुलन का ध्यान रखा गया था?

रस्सी टूटी और बच्चों के सामने आ गई मौत

प्रत्यक्ष जानकारी के अनुसार, छोटा हाथी वाहन क्रमांक एमपी 20 जेडवाय 3422 में लोहे की रॉड और पाइप लदे हुए थे। इन्हें रस्सी के सहारे बांधा गया था। शुक्रवार दोपहर करीब 2 बजे चेरीताल शराब दुकान के सामने वाहन चालक ने अचानक ब्रेक लगाए। झटके के कारण सामान बांधने वाली रस्सी टूट गई और पाइप आगे की ओर खिसकते हुए स्कूल वैन के पिछले हिस्से में जा घुसे। वैन का पिछला कांच टूट गया और पाइप अंदर तक पहुंच गए। यदि पाइप कुछ और अंदर जाते या बच्चों की बैठने वाली जगह पर सीधे टकराते तो परिणाम बेहद गंभीर हो सकते थे।



दूसरे वाहनों की सुरक्षा का भी

इस घटना के बाद सबसे बड़ा सवाल यह है कि शहर में निर्माण सामग्री लेकर चलने वाले वाहनों की जांच कितनी गंभीरता से होती है। क्या लंबे पाइप और लोहे की रॉड को केवल रस्सी से बांधकर सड़क पर ले जाना पर्याप्त सुरक्षा है? क्या सामान को इस तरह बांधा गया था कि अचानक ब्रेक लगने, मोड़ आने या सड़क पर झटका लगने की स्थिति में वह अपनी जगह से न खिसके? मालवाहक वाहन में सामान की सुरक्षित लोडिंग केवल वाहन मालिक की सुविधा का विषय नहीं है। यह सड़क पर चलने वाले हर व्यक्ति की सुरक्षा से जुड़ा मामला है। किसी कार, बाइक, ऑटो या स्कूल वैन के पीछे चल रहे लोगों को यह अंदाजा भी नहीं होता कि आगे चल रहे वाहन से अचानक कोई भारी सामान गिरकर उनकी ओर आ सकता है।

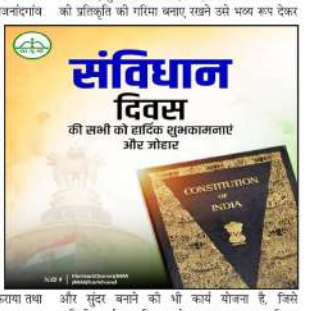
प्रशासन के सामने अब ये सवाल

इस हादसे को एक सामान्य सड़क दुर्घटना मानकर छोड़ देना पर्याप्त नहीं होगा। पुलिस और परिवहन विभाग को यह भी देखना चाहिए कि वाहन में लदे पाइप की लंबाई, वजन और लोडिंग का तरीका निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुरूप था या नहीं। शहर में निर्माण सामग्री होने वाले वाहनों की नियमित जांच, सामान को मजबूती से बांधने की व्यवस्था, वाहन की गति और सुरक्षित दूरी जैसे पहलुओं पर निगरानी जरूरी है। खासतौर पर स्कूल खुलने और छुट्टी होने के समय बच्चों को ले जाने वाले वाहनों के आसपास इस तरह की लापरवाही गंभीर खतरा बन सकती है।

संविधान दिवस से पूर्व डॉ. आंबेडकर चैक स्थित संविधान की प्रतिकृति का होगा सौंदर्यीकरण

राजनांदगांव। एजेंसी। आगामी 26 नवंबर 2026 को संविधान दिवस के अवसर पर डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर चैक स्थित भारतीय संविधान की प्रतिकृति स्थल को आकर्षक एवं गरिमामय स्वरूप प्रदान करने की मांग को लेकर बौद्ध कल्याण समिति, राजनांदगांव द्वारा किए गए प्रयासों को सकारात्मक पहल मिली है।

उल्लेखनीय है कि बौद्ध कल्याण समिति, राजनांदगांव के अध्यक्ष दीपांकर खोबरागड़े द्वारा दिनांक 30 अक्टूबर 2026 को नगर पालिक निगम के महापौर मधुसूदन यादव को लिखित आवेदन सौंपकर डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर चैक स्थित संविधान की प्रतिकृति स्थल पर रंग-रोगन, साफ-सफाई, विद्युत आकर्षक साज-सज्जा एवं सौंदर्यीकरण कराए जाने की मांग की गई थी। इसी विषय पर चर्चा करने के लिए आज महापौर मधुसूदन यादव ने बौद्ध कल्याण समिति, राजनांदगांव के प्रतिनिधिमंडल को आमंत्रित किया। समिति के अध्यक्ष दीपांकर खोबरागड़े के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने महापौर से मुलाकात कर संविधान की प्रतिकृति स्थल की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया तथा 26 नवंबर संविधान दिवस के पूर्व स्थल का आवश्यक रंग-रोगन, साफ-सफाई एवं आकर्षक साज-सज्जा कराने का आग्रह किया। समिति ने महापौर को बताया कि भारतीय संविधान केवल देश का सर्वोच्च कानून ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र, समानता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुत्व जैसे मूल्यों का प्रतीक है। संविधान दिवस के अवसर पर इस स्थल को गरिमामय एवं आकर्षक स्वरूप में तैयार करना संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। महापौर मधुसूदन यादव ने समिति की मांग को गंभीरता एवं सकारात्मकता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को स्थल की सज्जा, स्वच्छता, रंग-रोगन एवं आवश्यक सौंदर्यीकरण के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि संविधान दिवस के अवसर पर स्थल का गौरव एवं सम्मान बना रहे, इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। इसके अलावा संविधान की प्रतिकृति की गरिमा बनाए रखने उसे भव्य रूप देकर और सुंदर बनाने की भी कार्य योजना है, जिसे अतिशीघ्र मूर्त रूप दिया जायेगा। इस अवसर पर निगम आयुक्त जी.आर. पारकाम, कार्यपालन अभियंता (सिविद) यू.के.रामटेके की विशेष उपस्थिति रही। बौद्ध कल्याण समिति ने महापौर की इस सकारात्मक पहल के लिए आभार व्यक्त करते हुए आशा जताई कि नगर निगम प्रशासन द्वारा समय रहते कार्य पूर्ण कराए जाएंगे, ताकि 26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर चैक स्थित संविधान की प्रतिकृति स्थल आकर्षक, स्वच्छ एवं गरिमामय स्वरूप में नजर आए। समिति ने कहा कि संविधान के प्रति सम्मान और संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता समाज के प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है।



भनपुरी स्थित गजराज पॉलीमर इंडस्ट्री में लगी भीषण आग

रायपुर। एजेंसी। रायपुर जिले के भनपुरी स्थित गजराज पॉलीमर इंडस्ट्री में गुरुवार देर रात भीषण आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि आग पर काबू पाने के लिए दमकल की टीम को रातभर मशक्कत करनी पड़ी। घटना की सूचना मिलते ही कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह सहित, डीआईजी होम गार्ड एवं एसडीआरएफ तथा निदेशक अग्निशमन सेवाएं अजातशत्रु बहादुर सिंह, निगम आयुक्त सुस्मित मिश्रा तथा डीसीपी नॉर्थ सुदीपमाला कश्यप जिला प्रशासन के अधिकारी और फायर ब्रिगेड की टीम तत्काल मौके पर पहुंची तथा आग बुझाने का अभियान शुरू किया गया। एडीएम उमाशंकर बंदे,अपर कलेक्टर कीर्तिमान सिंह राठौर, एसडीएम नभसिंह कोसले, तहसीलदार राममूर्ति दीवान सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे। कलेक्टर, डीआईजी, निगम आयुक्त एवं डीसीपी नॉर्थ के मार्गदर्शन में दमकल की टीम ने आग पर काबू पाने के लिए लगातार प्रयास किए। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर मौजूद रहकर राहत एवं बचाव कार्य की निगरानी की तथा आग बुझाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराईं। भीषण आग को देखते हुए कलेक्टर सहित सभी अधिकारी पूरी रात घटनास्थल पर डटे रहे। दमकल कर्मियों द्वारा पूरी रात लगातार प्रयास कर आग पर काबू पाया गया। सभी अधिकारी आग पूरी तरह बुझने तक घटनास्थल पर डटे रहे और आग पर काबू पाने के बाद ही मौके से लौटे।



महिला की हत्या कर लाश को बोरी में भरकर फैंका था सेप्टिक टैंक में

भोपाल। एजेंसी। राजधानी भोपाल की जिला अदालत में जयंत शर्मा चारहवें अपर सत्र न्यायाधीश की कोर्ट ने साल 2022 में थाना शाहजहानाबाद इलाके में अवैध संबंधों और उधारी के पैसों को लेकर महिला की हत्या करने कर उसकी लाश को बोरी में भरकर मरघटिया मंदिर के पास नवनिर्मित मकान के सेप्टिक टैंक मे फैंकने वाले आरोपी राजेन्द्र प्रसाद वैध उर्फ राजू उर्फ नंदकिशोर को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा से दण्डित किये जाने का फैसला सुनाया है। प्रकरण में शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक वर्षा कटारे द्वारा पैरवी की गई है।

गला दबाकर की हत्याविशेष लोक अभियोजक से मिली जानकारी के अनुसार 12 अक्टूबर 22 को विजय सिंह ने शाहजहानाबाद पुलिस को सूचना दी की मरघटिया मंदिर के पास नवनिर्मित मकान के अंदर बने सेप्टिक टैंक मे एक अज्ञात महिला का शव पड़ा है। सोशल मीडिया के माध्यम से महिला की पहचान गीता बाई पत्नी नर्मदा प्रसाद के रूप मे की गई। पीएम रिपोर्ट में उसकी हत्या गला दबाकर किया जाना सामने आया।

रात को फेंक दिया सेप्टिक टैंक में, सीसीटीवी से मिला सुराग

आगे की जांच में मृतका के परिजनों ने



पुलिस को बताया कि गीताबाई मरघटिया मंदिर परिसर मे राजेंद्र प्रसाद वैध से मिलने जाती थी। वहीं सीसीटीवी फुटेज मे भी मृतका मरघटिया मंदिर मे जाती दिखाई दी। और आरोपी राजेन्द्र प्रसाद वैध भी घटना स्थल के आसपास संदिग्ध हालत में दिखाई दिया। संदेह के आधार पर पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पुछताछ की। उसने खुलासा किया कि महिला से उसके अवैध संबध थे, घटना वाले दिन उधारी के पैसे वापस करने और शादी ना करने की बात को लेकर वह उस पर दबाव बनाते हुए चिल्ला-चोट कर रही थी। गुस्से में आकर उसने गीताबाई की हाथों से गला दबाकर हत्या कर दी। उसके बाद बाजार से बडी बोरी लेकर आया और उस बोरी मे गीताबाई की लाश को लपेटकर रात के अंधेरे में घसीटकर नवनिर्मित मकान के अंदर बने सेप्टिक टैंक में फेंकने के बाद उसे पत्थर के पटिये ढक दिया। पुलिस घटना के समय आरोपी को पहने कपडों से मिले मृतिका के बालों का डीएनए परीक्षण मिलान किया। वहीं आरोपी और मृतिका की मोबाईल फोन की सीडीआर सीसीटीवी फुटेज, डीएनए रिपोर्ट चालान के साथ कोर्ट में पेश की। साक्ष्यों और तथ्यो के आधार पर कोर्ट ने आरोपी राजेन्द्र प्रसाद वैध उर्फ राजू उर्फ नंदकिशोर को आजीवन कारावास सहित अर्थदण्ड की सजा से दण्डित किया है।

12 नवंबर को ट्रक चालकों का 'स्टीयरिंग छोड़ो' आंदोलन; सुनसान पड़े राष्ट्रीय राजमार्ग!

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। देशभर के ट्रक चालकों की विभिन्न मांगों और अधिकारों को लेकर ऑल इंडिया ड्राइवर महासंघ की ओर से 12 नवंबर को आयोजित 'स्टीयरिंग छोड़ो' आंदोलन को ट्रक चालकों का समर्थन मिला। इस आंदोलन के चलते कई स्थानों पर ट्रकों के पहिए थम गए। राष्ट्रीय राजमार्गों पर हमेशा दिखाई देने वाली भारी वाहनों की आवाजाही कम होने से महामार्ग सुनसान नजर आए।

ट्रक चालकों की सुरक्षा का मुद्दा, वाहन चालकों की समस्याओं का समाधान, उचित बीमा सुरक्षा, आर्थिक सुरक्षा तथा विभिन्न लंबित मांगों की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करने के उद्देश्य से यह आंदोलन किया गया।

'स्टीयरिंग छोड़ो, अपने अधिकारों के लिए लड़ो' का नारा देते हुए चालकों ने आंदोलन में हिस्सा लिया। देश की अर्थव्यवस्था और माल परिवहन का बड़ा भार संभालने वाले ट्रक चालकों की समस्याओं पर सरकार गंभीरता से ध्यान दे और उनकी मांगों का समाधान करे, ऐसी मांग आंदोलन के माध्यम से की जा रही है।

इस आंदोलन का असर माल परिवहन पर दिखाई देने लगा है। ट्रकों की आवाजाही कम होने से राष्ट्रीय राजमार्गों पर रोजाना रहने वाली भारी वाहनों की भीड़ में कमी देखी गई।

ट्रक चालकों की इस एकजुटता की आवाज सरकार तक पहुंचेगी क्या? अब केंद्र सरकार चालकों की मांगों पर क्या निर्णय लेती है, इस ओर देशभर के वाहन चालकों का ध्यान लगा हुआ है।

50 दिन से लंबित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों का प्राथमिकता से करें निराकरण

इंदौर। एजेंसी। सीएम हेल्पलाइन पर 50 दिन से अधिक समय से लंबित शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करें। शिकायतों का समाधान समय-सीमा में और आवेदक की संतुष्टि के अनुरूप होना चाहिए। यह निर्देश सामाजिक न्याय विभाग की प्रमुख सचिव सोनाली पौंछे वार्यगणकर ने शुक्रवार को इंदौर में आयोजित समीक्षा बैठक में दिए।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत हुई बैठक में उन्होंने विभागीय योजनाओं और सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतों की स्थिति की समीक्षा की। इस दौरान आयुक्त सामाजिक न्याय डॉ. कृष्ण गोपाल तिवारी भी मौजूद थे। प्रमुख सचिव ने विशेष रूप से 50 दिन से अधिक समय से लंबित शिकायतों की समीक्षा कर उनके शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए।

सांवेर का परिवार सहायता प्रकरण 60 दिन से लंबित

बैठक में परिवार सहायता योजना से जुड़ी शिकायतों की भी समीक्षा की गई। सांवेर क्षेत्र का एक प्रकरण 60 दिन से अधिक समय से लंबित मिलने पर संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई कर निराकरण करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा फेल ट्रांजेक्शन से जुड़े मामलों की भी समीक्षा की गई।

गरिमा गृह में ट्रांसजेंडर सदस्यों से जुड़ी सुविधाएं देखीं

बैठक के बाद प्रमुख सचिव सोनाली पौंछे वार्यगणकर और आयुक्त डॉ. कृष्ण गोपाल तिवारी ने विजय नगर स्थित केंद्र सरकार द्वारा संचालित गरिमा गृह का निरीक्षण किया। उन्होंने वहां ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्यों को उपलब्ध कार्ड जा रही सुविधाओं और सेवाओं की जानकारी ली। बैठक में सामाजिक न्याय विभाग के संयुक्त संचालक पवन सिंह चौहान सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

निर्बाध बिजली आपूर्ति और राजस्व वसूली पर एमडी ने दिए सख्त निर्देश

भोपाल। एजेंसी। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक ऋषि गर्ग ने शुक्रवार को मिसरोद स्थित कंपनी कार्यालय में भोपाल शहर की विद्युत आपूर्ति व्यवस्था, तकनीकी कार्यों और राजस्व वसूली की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली उपलब्ध कराना और निर्धारित समय-सीमा में राजस्व लक्ष्य हासिल करना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

बैठक में उपभोक्ता इंडेक्सिंग कार्य की समीक्षा करते हुए उन्होंने प्रत्येक 11 केवी फीडर का सिंगल लाइन डायग्राम (एसएलडी) तैयार करने और उसके आधार पर वितरण ट्रांसफार्मरवार उपभोक्ताओं की इंडेक्सिंग सुनिश्चित करने को कहा। इससे विद्युत नेटवर्क और उपभोक्ताओं का सटीक रिकॉर्ड उपलब्ध हो सकेगा। उन्होंने फेल वितरण ट्रांसफार्मरों को संबंधित एरिया स्टोर में जमा कराने, डीटीआर सर्वे निर्धारित समय में पूरा करने और ट्रांसफार्मरों को रीकंडीशनिंग में तेजी लाने के निर्देश भी दिए।

राजस्व वसूली की समीक्षा के दौरान सक्रिय और निष्क्रिय बकायादार उपभोक्ताओं की सूची का अवलोकन कर उन्होंने बकाया राशि वसूलने के लिए प्रभावी कार्रवाई करने को कहा। साथ ही नियमानुसार बकायादारों के बिजली कनेक्शन विच्छेदित करने के निर्देश दिए।

गर्ग ने अटलांटिस और ग्राइड सिटी के इन्डोर उपकेंद्रों से जुड़े फीडरों में व्यवधान के कारणों की जानकारी ली। पुराने और खराब स्विचगियर के सुधार एवं प्रतिस्थापन के लिए कंपनियों का पैनल तैयार करने की कार्ययोजना बनाने को कहा। वहीं, 11 केवी हिनौतिया घरेलू फीडर पर बार-बार होने वाले व्यवधानों और रखरखाव कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने रखरखाव से पहले और बाद के स्पष्ट फीटो SPEC पीटेल पर अपलोड करने के लिए लाइन स्टाफ और कनिष्ठ अभियंताओं को प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए।

समीक्षा के बाद प्रबंध संचालक ने मिसरोद उपकेंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने परिसर की झाड़ियों को हटाकर स्वच्छता बनाए रखने और 8 एमवीए पावर ट्रांसफार्मर का आगामी सत्राह में निर्धारित रखरखाव सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने सभी तकनीकी एवं राजस्व संबंधी कार्य प्राथमिकता से समय-सीमा में पूरे करने पर जोर दिया।

एएसआई को क्रेडिट कार्ड चालू कराने का झांसा देकर डेढ़ लाख ठगे

भोपाल। एजेंसी। सायबर ठगोरो ने पुलिस रेडियो विभाग में पदस्थ एएसआई हेमप्रकाश कीर (44) से क्रेडिट कार्ड चालू कराने का झांसा देते हुए 1 लाख 50 हजार 46 रुपए की साइबर ठगी कर ली। जालसाज ने खुद को बैंककर्मी बताकर वाट्सएप पर जानकारी अपडेट करने की लिंक भेजी। हेमप्रकाश ने उसमें तीन बैंकों के क्रेडिट कार्ड की जानकारी भर दी। 10 से 20 मिनट बाद तीनों कार्ड से रकम निकल गई। जानकारी के अनुसार कटारा हिल्स में रहने वाले हेमप्रकाश ने लिखित शिकायत करते हुए पुलिस को बताया कि 20 दिन पहले ठाक से उन्हें इंडसइंड बैंक का क्रेडिट कार्ड मिला था। इसके बाद अनजान नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने अपना नाम अंकित कुमार बताया और जानकारी अपडेट करने को कहा। हेमप्रकाश ने लिंक पर इंडसइंड कार्ड की जानकारी भरी तो ठग ने उसे गलत बताया। फिर दूसरे कार्ड की डिटेल मांगी। इस पर उन्होंने आईसीआईसीआई और एसबीआई कार्ड की जानकारी भी उसी लिंक पर भर दी। इसके ओटीपी आने लगे। तीनों कार्ड से कुल 1,50,046 रुपए निकल गए। उन्होंने स्टेट साइबर पुलिस में शिकायत की। इसमें 1,40,546 रुपए की ठगी दर्ज हुई। लेकिन एसबीआई कार्ड से निकले 9,500 रुपए की शिकायत दर्ज नहीं हो सकी।

दहेज प्रताड़ना और विवाहिता की मौत के मामले में पति-ससुर की सजा बरकरार

जबलपुर। एजेंसी। मध्यप्रदेश हाई कोर्ट ने दहेज प्रताड़ना और विवाहिता की अस्वाभाविक मौत के मामले में पति और ससुर की दोषसिद्धि एवं सजा बरकरार रखते हुए उनकी आपराधिक अपील खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति देवनारायण मिश्रा की एकलपीठ ने सत्र न्यायालय छतरपुर के फैसले को उचित ठहराते हुए उसमें हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया।

मामले के अनुसार, छतरपुर निवासी विमलेश कुशवाहा का विवाह जाहार कुशवाहा के साथ हुआ था। विवाह के करीब छह माह बाद 19 जुलाई 2016 को विमलेश ने हेयर डाई में मौजूद जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया था। गंभीर हालत में उसे जिला अस्पताल छतरपुर, मिशन अस्पताल और फिर ग्वालियर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान 2 अगस्त 2016 को उसकी मौत हो गई।

मृतका के पिता और परिजनों ने आरोप लगाया था कि पति और ससुर 50 हजार रुपये दहेज की मांग को लेकर विमलेश को लगातार प्रताड़ित करते थे। इसी प्रताड़ना से परेशान होकर उसने जहरीले पदार्थ का सेवन किया था।

मामले की सुनवाई के बाद सत्र न्यायालय छतरपुर ने 24 नवंबर 2021 को पति को धारा 304-बी के तहत 10 वर्ष तथा धारा 498-ए के तहत दो वर्ष के कठोर कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई थी। इस फैसले को चुनौती देते हुए पति और ससुर ने हाई कोर्ट में आपराधिक अपील दायर की थी।

अपील की सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने आरोपों को झूठा बताते हुए एफआईआर दर्ज कराने में देरी और गवाहों के बयानों में विरोधाभास का मुद्दा उठाया। हालांकि, हाई कोर्ट ने उपलब्ध साक्ष्यों और गवाहों के बयानों का परीक्षण करने के बाद दहेज प्रताड़ना के आरोपों को प्रमाणित पाया। एकलपीठ ने अधीनस्थ अदालत के फैसले को सही मानते हुए दोनों की अपील निरस्त कर दी और दोषसिद्धि एवं सजा बरकरार रखी।

इंस्टाग्राम पर युवती से दोस्ती कर शादी का भरोसा दे संबंध बनाने के बाद किया शादी से इंकार, पुलिस ने किया गिरफ्तार

इन्दौर। एजेंसी। तराना निवासी एक युवक ने इन्दौर की एक युवती से पहले इंस्टाग्राम पर दोस्ती की फिर शादी का वादा कर संबंध बनाएं तथा उसके बाद अलग जाति का बता युवती से शादी करने से इंकार कर दिया। मामला लसूडिया थाना क्षेत्र का है जहां युवती ने परिजनों के साथ पहुंच मामले में युवक विशाल राठौर निवासी तराना के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत दर्ज करने के बाद त्वरित कार्रवाई करते आरोपी युवक विशाल राठौर को तराना से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार थाना क्षेत्र निवासी एक बीस वर्षीय युवती की पहचान इंस्टाग्राम के जरिए विशाल पिता दिनेश राठौर उम्र पच्चीस साल निवासी लिंबोदा, तराना, जिला उज्जैन से हुई थी। पहचान के बाद बातचीत के दौरान दोनों के बीच दोस्ती हो गई। विशाल ने युवती को शादी करने का भरोसा दिलाया और उसे लसूड़िया क्षेत्र स्थित ग्रैंड शौर्य होटल ले गया। यहां उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। इस दौरान आरोपी ने युवती से कुछ रुपए भी ले लिए। युवती ने जब विशाल से शादी करने और उधार दिए गए रुपए लौटाने की मांग की तो वह मुकर गया। विरोध करने पर आरोपी ने युवती के साथ अभद्रता करते हुए उसे गाली-गलौज कर धमकाया। इसके बाद पीड़ित्रा ने लसूड़िया थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी विशाल राठौर को गिरफ्तार कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ हुए चौथे एकदिवसीय में भारतीय टीम की 244 रनों से शर्मनाक हार

माउंट माउंगानुई। भारतीय क्रिकेट टीम को मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ शुक्रवार को हुए चौथे एकदिवसीय मैच में 244 रनों से शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में पहले पहले बल्लेबाजी करते हुए मेजबान न्यूजीलैंड टीम ने विल यंग की शतकीय पारी से भारतीय टीम को जीत के लिए 334 रनों का विशाल लक्ष्य दिया जिसका पीछा करते हुए भारतीय टीम केवल 89 रनों पर ही सिमट गयी। इस कारण उसे एकदिवसीय में 244 रनों से अब तक की दूसरी सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा है। इससे पहले भारतीय टीम को साल 2000 में श्रीलंका के खिलाफ 245 रनों से सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय टीम की हार का कारण बल्लेबाजों की असफलता रही। अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली सहित शीर्ष क्रम के बल्लेबाज रन बनाने में विफल रहे। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत किसी खुरे सपने से कम नहीं थी। सलामी बल्लेबाज और कप्तान रोहित शर्मा गोल्डन डक (मैच की पहली ही गेंद) पर आउट हो गये। इसी ओवर में दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली और कप्तान श्रेयस अय्यर भी खाता खोले बिना ही पवेलियन लौट गए। महज 0 रनों के स्कोर पर टीम इंडिया के तीन अहम विकेट गिर गये थे, जिससे बल्लेबाजी क्रम की नींव पूरी तरह से हिल गई। इसके बाद, युवा सलामी बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ भी सिर्फ 5 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। 10 रनों के अंदर ही



भारतीय टीम ने चार विकेट खो दिये थे। वहीं न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने घातक गेंदबाजी करते हुए केवल 27 रन देकर चार विकेट ले लिए। हेनरी की स्विंग और रफ्तार का भारतीय बल्लेबाजों के पास कोई जवाब नहीं था, और एक के बाद एक विकेट गिरते चले गए। हेनरी के अलावा अन्य कीवी गेंदबाजों ने भी कसी हुई गेंदबाजी करते हुए भारतीय टीम को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। इस बड़ी हार के बावजूद, भारतीय टीम सीरीज में अब भी 2-1 से आगे है। भारत ने शुरुआती दोनों वनडे मैच जीतकर शानदार बढ़त बनाई थी, जबकि तीसरा मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया था। न्यूजीलैंड ने इस जीत के साथ सीरीज में शानदार वापसी की है और अब उसके पास आँतिम मैच जीतकर सीरीज को 2-2 से बराबर करने का सुनहरा मौका है। इससे पहले आज सुबह भारतीय टीम ने टॉस जीतकर मेजबान टीम को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। विल यंग की शतकीय पारी से आठ विकेट पर 333 रन बनाये। इस मैच में भारतीय गेंदबाज असफल रहे। न्यूजीलैंड टीम की शुरुआत अच्छी रही। सलामी बल्लेबाज विल यंग और टिम सीफर्ट ने पहले विकेट के लिए 11.6 ओवर में 85 रन बनाकर टीम को तेज शुरुआत दी। सीफर्ट ने तेजी से खेलते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया और 48 गेंदों में 58 रन बनाये। सीफर्ट के आउट होने के बाद निक केली (4 रन) और डीन फॉक्सक्रॉफ्ट (8 रन) बनाकर आउट हो गये। वहीं एक छोर विल यंग ने संभाले रखा। दोनों बल्लेबाजों ने चौथे विकेट के लिए 65 गेंदों में तेजी से 90 रनों की अहम साझेदारी हुई। फिन एलन ने भी 30 गेंदों पर 5 चौके और 2 छक्कों की सहायता से 41 रन बनाए। यंग ने अपने एकदिवसीय करियर का शानदार पांचवां शतक पूरा किया। उन्होंने 108 गेंदों पर 125 रनों की आक्रामक पारी खेली, जिसमें 14 चौके और 4 दर्शनीय छक्के शामिल थे। यंग के आउट होने के बाद माइकल ब्रेसवेल 15 रन और कप्तान मिचेल सैंटनर 24 रन भी ज्यादा देर नहीं टिक सके। सैंटनर की अर्शदीप सिंह ने ईशान किशन के हाथों कैच आउट कराया। हालांकि, अंत के ओवरों में क्रिस्टियन क्लार्क 22 रन और काइल जेमिसन 19 रन नाबाद ने न्यूजीलैंड के स्कोर को 330 के पार पहुंचाया। पारी के आखिरी ओवर में मैट हेनरी 2 रन और मैथ्यू फिशर 1 रन पर रनआउट हुए। वहीं भारतीय गेंदबाजों की बात करें तो, अक्षर पटेल ने 10 ओवर में 39 रन देकर 2 विकेट। वहीं गुरनूर बरार ने भी 69 रन देकर 2 विकेट ही लिए। आकिब नबी ने 59 रन देकर दो सफलताएं हासिल कीं। नमन धीर और अर्शदीप सिंह को एक-एक विकेट मिला।

राष्ट्रपति मुर्मू ने राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2025 प्रदान किए

17 खिलाड़ियों को अर्जुन अवॉर्ड

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक गरिमामय समारोह में राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2025 प्रदान किए। इस अवसर पर देश के विभिन्न खेलों से जुड़े उत्कृष्ट खिलाड़ियों, कोचों और संस्थाओं को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। डेकाथलॉन एथलीट तेजस्विन शंकर और फिडे विश्व कप विजेता दिव्या देशमुख समेत कुल 17 खिलाड़ियों को प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार प्रदान किया गया। तेजस्विन ने कॉमनवेल्थ गेम्स में डेकाथलॉन स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा था, वे इस स्पर्धा में पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बने। वहीं, युवा शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख फिडे महिला विश्व कप 2025 खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला हैं। अर्जुन पुरस्कार पाने वाले अन्य खिलाड़ियों में ट्रैक एंड फील्ड एथलीट मुहम्मद अजमल वरियाथोडी, रेस वॉकर प्रियंका गोस्वामी, मुक्केबाज नरेंद्र, शतरंज खिलाड़ी विदित संतोष गुजराती, पैरा शूटर धनुष श्रीकांत, हॉकी खिलाड़ी लालरेमसियामी ह्मार्जीट और राजकुमार पाल, कबड्डी खिलाड़ी सुरजीत और पूजा, पैरा शूटर रुद्रांश खंडेलवाल, पैरा एथलीट एकता भ्यान, रोवर अरविंद सिंह और शूटर अखिल श्योरान शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि भारत की प्रमुख महिला बैडमिंटन डबल्स जोड़ी त्रिशा जॉली और पुलेला गायत्री गोपीचंद जापान मास्टर्स टूर्नामेंट में व्यस्त होने के कारण समारोह में उपस्थित नहीं हो सकीं। खेलों में आजीवन योगदान के लिए अनुभवी भारतीय फुटबॉलर इसायाह अरुमाइनयागम को अर्जुन पुरस्कार (लाइफटाइम) से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उन हितधारकों को दिया जाता है जिन्होंने अपने खेल प्रदर्शन के जरिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है और सक्रिय खेल करियर से संन्यास लेने के बाद भी खेलों को बढ़ावा देने में अपना योगदान देना जारी रखा है। इसके अतिरिक्त, खेलों में बेहतरीन काम करने वाले कोचों को द्रोणाचार्य पुरस्कार प्रदान किया गया। इस साल यह पुरस्कार एथलेटिक्स कोच परवीर सिंह, क्रिकेट कोच छोटे लाल यादव और धर्मेंद्र सिंह यादव, शूटिंग कोच नेहा नंदकुमार चव्हाण और कुश्ती कोच वीरेंद्र कुमार को मिला। वहीं सहायिक खेलों के क्षेत्र में असाधारण उपलब्धियों को मान्यता देने वाले तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहसिक पुरस्कार 2024 से खलजीत कौर और स्कलजांग रिग्जिन (लैंड एडवेंचर), रिमो साहा (वॉटर एडवेंचर), और शिव प्रसाद चमोली (लाइफटाइम अचीवमेंट) को सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार साहसकि, जोखिम उठाने की क्षमता और टीम वर्क की भावना को बढ़ावा देता है। खेलों को बढ़ावा देने और उनके विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली संस्थाओं को दिए जाने वाले राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार से पुणे स्थित आर्मी पैरालंपिक नोड को नवाजा गया, जिसे लेफ्टिनेंन कर्नल दलजीत सिंह ने राष्ट्रपति के हाथों ग्रहण किया।



ऋषभ टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड रवाना हुए

बेंगलूर। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋभ पंत टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड रवाना हो गये हैं। ऋभ अब तक यहां बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में फिटनेस हासिल करने में लगे थे। गत दिवस ही उन्हें सीओई ने फिटनेस क्लियरेंस दिया। जिसके बाद ही उनके



टेस्ट सीरीज में खेलने का रास्ता साफ हुआ। ऋभ के फिट होने से भारतीय टीम को राहत मिली है क्योंकि विदेशी मैदानों पर उनका काफी अच्छा रिकार्ड रहा है। वह अगस्त से ही भारतीय टीम से बाहर थे। इस कारण साइड स्ट्रेन की समस्या होना है। अक्टूबर में खेले गए ईरानी कप के मैच में उन्हें एक और चोट लगी थी, जिसके कारण उन्हें न्यूजीलैंड ए के खिलाफ अनऑफिशियल टेस्ट मैचों के लिए इंडिया ए स्क्वाड से बाहर कर दिया गया था। इन बाधाओं के बावजूद, ऋभ ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में 23 अक्टूबर से दो सप्ताह से अधिक समय तक रहकर अपनी फिटनेस पर काम किया। इस दौरान वह कई मैच सिम्यूलेशन प्रक्रियाओं से गुजरे, जो किसी भी खिलाड़ी की गंभ फिटनेस की परखने के लिए बेहद महत्वपूर्ण होती हैं। इन सभी प्रक्रियाओं को सफलतापूर्वक पूरा कर अपनी वापसी हुई है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच टेस्ट सीरीज का आगाज 19 नवंबर से होना है, और इस अनभवी विकेटकिपर के टीम से जुड़ने से शुभमन गिल की टीम को लाभ हुआ है। इसका कारण है कि वह अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग कौशल से किसी भी मैच का रुख पलट सकते हैं। हालांकि, उनकी वापसी के साथ ही टीम प्रबंधन के सामने विकेटकीपिंग स्लॉट को लेकर एक दिलचस्प चुनौती खड़ी हो गई है। टीम में केएल राहुल और युवा ध्रुव जुरेल के रूप में दो अन्य विकेटकीपर पहले से ही उपलब्ध हैं। केएल राहुल जहां टीम के लिए ओपनिंग करते हैं और उनकी बल्लेबाजी फॉर्म शानदार रही है, वहीं जुरेल ने हालिया अनऑफिशियल टेस्ट सीरीज में प्रभावित हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि आँतम ग्यारह में उनके , राहुल और जुरेल में से किस खिलाड़ी को जगह मिलती है। टेस्ट सीरीज के लिए कप्तान शुभमन गिल सहित प्रमुख खिलाड़ियों ने अभ्यास शुरु कर दिया है। कप्तान शुभमन गिल के साथ-साथ केएल राहुल और अंशुल कंबोज जैसे प्रमुख खिलाड़ी इसी कारण आँतम दो एकदिवसीय मैचों से बाहर हैं। न्यूजीलैंड सीरीज के लिए भारत का टेस्ट दल-शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, देवदत पडिक्कल, साई सुदर्शन, नीतीश कुमार रेड्डी, रवींद्र जडेजा, अंशुल कंबोज, वाशिंगटन सुंदर, केएल राहुल, ऋभ पंत, ध्रुव जुरेल, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, आकाशदीप, कुलदीप यादव।

आईपीएल 2027 के लिए केकेआर कर सकती है सबसे अधिक बदलाव - पुजारा

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने आगामी मिनी-नीलामी को लेकर अपना आंकलन साझा किया है। पुजारा का मानना है कि इस सत्र के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) अपनी टीम से सबसे ज्यादा खिलाड़ियों को बाहर करेगी। वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) अपने पूरे दल को बरकरार रख सकती है। साथही कहा कि कैमरन ग्रीन और निकोलस पूरन जैसे महंगे खिलाड़ियों को रखने पर भी टीमें विचार करेंगी। पुजारा ने खिलाड़ियों को बनाए रखने को टीमों की रणनीति, कमानी में बदलाव और संभावित रिलीज पर भी अपने विचार रखे। उन्होंने विशेष रूप से केकेआर पर जोर दिया, जहां टीम को बड़े बदलावों की आवश्यकता हो सकती है। साथ ही कहा कि केकेआर में कप्तानी को लेकर अनिश्चितता भी खिलाड़ियों के रिटेंशन फैसलों को प्रभावित कर सकती है, जिससे टीम को अपनी मूल रणनीति पर एक बार फिर विचार करना पड़ सकता है। कैमरन ग्रीन को केकेआर ने आईपीएल 2026 की नीलामी में 25.20 करोड़ रुपये में खरीदा था पर अब उन्हें रिटेन किये जाने की संभावना नहीं है। पुजारा का मानना है कि केकेआर इतनी बड़ी रकम खर्च करने के बावजूद ग्रीन को रिलीज कर सकती है, हालांकि फ्रेंचाइजी नीलामी में उन्हें कम दाम पर फिर से खरीदने की कोशिश कर सकती है। यह कदम टीम को अपने पर्स में अतिरिक्त राशि जोड़ने का अवसर देगा। वहीं इसी तरह, लखनऊ सुपर जायंट्स के वेस्टइंडीज के बल्लेबाज निकोलस पूरन, जिन्हें 21 करोड़ रुपये में रिटेन किया गया था को भी रिलीज कर सकती है। इसका कारण है कि पूरन का प्रदर्शन पिछले सत्र में उम्मीद के अनुसार नहीं रहा था। पुजारा के अनुसार टीम उन्हें रिलीज करके नीलामी के लिए अपने पर्स को बढ़ा सकती है। हालांकि, उन्होंने यह संभावना भी जताई कि लखनऊ पूरन को बनाए रखते हुए आयुष बदोनी जैसे किसी अन्य खिलाड़ी को बाहर कर सकती है, ताकि टीम के संतुलन को बनाए रखा जा सके।वहीं अन्य टीमों की बात करें तो चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) मैट हेनरी और मैथ्यू शॉर्ट में से किसी एक को ही रिलीज कर सकती है, जबकि गुजरात टाइटंस राहुल तेवतिया और शाहरुख खान में से किसी एक को बाहर कर सकती है। पंजाब किंग्स जेवियर बार्टलेट या लॉकी फर्ग्यूसन में से किसी एक को बाहर कर सकती है। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद जयदेव उनादकट और हर्षल पटेल को हटा सकती है। इसके विपरीत, पुजारा को मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम में कई बदलाव की कोई आवश्यकता नहीं दिखती।



एक दशक के बाद भी बरकरार है रोहित का 264 रनों का रिकार्ड

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा का साल 2014 में 13 नवंबर के दिन बनाया एकदिवसीय में सबसे अधिक 264 रनों का विश्व रिकार्ड आज भी बरकरार है जबकि इसे बने 12 साल पूरे हो गये हैं। रोहित ने ये रिकार्ड पारी कोलकाता के ऐतिहासिक ईडन गार्डन्स में श्रीलंका के खिलाफ खेली थी। इस मैच में सलामी बल्लेबाज के रूप में मैदान पर उतरे रोहित ने 173 गेंदों की अपनी पारी में 33 चौके और 9 छक्के लगाए थे। इस रिकार्ड-तोड़ प्रदर्शन के बाद से ही कोई भी बल्लेबाज एकदिवसीय प्रारूप में उनका यह कीर्तिमान तोड़ नहीं पाया है। वहीं एकदिवसीय प्रारूप में दूसरे सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज न्यूजीलैंड के पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज मार्टिन गप्टिल हैं, जिन्होंने 237 रन बनाए थे। इसके बाद, शुभमन गिल 223 रनों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। इस प्रतिष्ठित सूची में भारत के वीरेंद्र सहवाग 219 रन और वेस्टइंडीज के क्रिस गेल 215 रन भी शामिल हैं। इन सभी पारियों के बावजूद, रोहित के 264 रनों के स्कोर तक कोई नहीं पहुंच पाया है।

वनमंडल अधिकारी दक्षिण (सा.) वनमंडल बालाघाट

सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रसारित किया जाता है, कि श्री देवेन्द्र कारपेते जिला श्री तुलाराम कारपेते संचालक मां भगवती सॉ मिल रूपझरी जिला बालाघाट के द्वारा अपने स्वामित्व की आरामशीन (मां भगवती सॉ मिल्स) श्री रूपेन्द्र गिरी गोस्वामी पिता श्री अन्तुगिरी गोस्वामी निवासी वार्ड नम्बर 4 रेल्वे स्टेशन रोड रूपझरी जिला बालाघाट को विक्रय की गई है, आरामशिन का संचालन हेतु संचालक का नाम विभेपित कर श्री रूपेन्द्र गिरी गोस्वामी पिता श्री अन्तुगिरी गोस्वामी का नाम दर्ज किये जाने बाबत् आवेदन पत्र इस कार्यालय में प्रस्तुत किया गया है।

कलेण्डर वर्ष 2024 से 2028 तक आरामशीन के संचालक का नाम श्री देवेन्द्र कारपेते पिता श्री तुलाराम कारपेते संचालक मां भगवती सॉ मिल्स दर्ज है। अब आवेदन पत्र अनुसार श्री रूपेन्द्र गिरी गोस्वामी पिता श्री अन्तुगिरी गोस्वामी का नाम क्रमः ग (1) में दर्ज किया जाना प्रस्तावित है। यदि किसी अन्य व्यक्ति को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो वियापन प्रकाशित होने के दिनांक से 15 दिनों के भीतर आपत्ति लूख दस्तावेजों सहित अधोहस्ताक्षरकर्ता/अनुसूचित अधिकारी के कार्यालय में प्रस्तुत करें। इस अवधि के पश्चात किसी भी प्रकार के दावे को मान्य नहीं किया जायेगा।

वनमंडल अधिकारी/अनुसूचि अधिकारी,
दक्षिण (सा.) वनमंडल बालाघाट

G21429/26

श्रेयस अय्यर सबसे कम एकदिवसीय खेलकर कप्तानी हासिल करने वाले खिलाड़ियों में शामिल

माउंट माउंगानुई। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे एकदिवसीय मुकाबले में भारतीय टीम की कप्तानी संभालते ही एक रिकार्ड अपने नाम किया है। वह एकदिवसीय प्रारूप में कप्तान संभालने वाले 29 वें कप्तान बने है। यह पहली बार है जब उन्होंने 50 ओवर के प्रारूप में टीम की बागडोर संभाली हैं। इस अहम भूमिका को निभाने से पहले, श्रेयस ने भारतीय टीम की ओर से 85 एकदिवसीय मैच खेले थे। इस प्रकार वह सबसे कम मैच खेलकर कप्तानी हासिल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गये हैं। श्रेयस का 85 मैचों के बाद ही एकदिवसीय में कप्तानी संभालना भारतीय क्रिकेट इतिहास में एक रोचक आंकड़ा पेश करता है। भारतीय टीम के कई दिग्गज खिलाड़ियों ने पहली बार एकदिवसीय कप्तानी संभालने से पहले 100 या उससे भी अधिक मैच खेले थे। इस सूची में सबसे ऊपर भारतीय क्रिकेट के महान स्पिनर अनिल कुंबले हैं, जिन्होंने 217 एकदिवसीय मैच खेलने के बाद पहली बार भारत की कमान संभाली थी। इस सूची में वीरेंद्र सहवाग ने सबसे कम 70 एकदिवसीय खेलकर कप्तानी की थी, जबकि हार्दिक पंड्या ने 71 एकदिवसीय खेलने के बाद यह जिम्मेदारी संभाली थी। वहीं महेन्द्र सिंह धोनी ने 81 और सुरेश रैना ने 90 मैच खेलकर कप्तानी संभाली थी। इस तरह, 85 वनडे खेलने के बाद कप्तान बने श्रेयस अय्यर, धोनी (81) और रैना (90) के बीच में आते हैं। दिलीप वेंगसरकर और मोहम्मद अजहरुद्दीन ने 98-98 एकदिवसीय खेलने के बाद कप्तानी हासिल की थी। रोहित शर्मा ने 171 एकदिवसीय , शिखर धवन ने 142 एकदिवसीय और राहुल द्रविड़ ने 138 एकदिवसीय खेलने के बाद इस प्रारुप में कप्तानी हासिल की थी। अजय जड़ेजा ने भी 229 एकदिवसीय खेलकर कप्तानी की भूमिका संभाली थी।वहीं, महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने 119 एकदिवसीय, सौरव गांगुली और के. श्रीकांत ने 111-111 एकदिवसीय, जबकि विराट कोहली ने 104 और गौतम गंभीर ने 100 एकदिवसीय खेलने के बाद ही पहली बार टीम की बागडोर संभाली थी।



चीन में पहली बार खेली जाएगी लीजेंड्स टी20 क्रिकेट लीग

बीजिंग। चीन में पहली बार क्रिकेट लीग शुरु होने जा रही है। इससे देश में क्रिकेट को व्यापक पहचान मिलने की उम्मीद है। विश्व चैंपियनशिप ऑफ क्रिकेट (डब्ल्यूसीसी) ने चीन के डीँग्झुई स्पोर्ट्स के साथ मिलकर देश की अपनी तरह की पहली फ्रेंचाइजी आधारित लीजेंड्स टी20 लीग शुरू करने की घोषणा की है। आठ टीमों वाली इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का पहला संस्करण मई 2027 में आयोजित किया जाएगा, जिसमें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के कई दिग्गज पूर्व क्रिकेटर भाग लेंगे। यह कदम चीन में क्रिकेट के विस्तार और विकास के लिए बेहद अहम माना जा रहा है, जो खेल को एक नए बाजार में स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा क्रिकेट के लिए नए बाजारों की तलाश और लॉस एंजिलिस 2028 ओलंपिक खेलों में क्रिकेट की वापसी को देखते हुए भी इस लीग का महत्व बढ़ जाता है। खेल जानकारों का मानना है कि यह लीग चीन में क्रिकेट के विकास को गति देने और खेल को नए दर्शकों तक पहुंचाने में निर्णायक भूमिका निभाएगी। इस महत्वाकांक्षी पहल की नींव अक्टूबर 2026 में डब्ल्यूसीसी और डीँग्झुई स्पोर्ट्स के बीच हुए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) से रखी गई थी। गौरतलब है कि डीँग्झुई स्पोर्ट्स, जियांग्सू प्रांत के ताइचांग स्थित शाक्सी टाउन क्रिकेट सेंटर का संचालन करता है, जो अपनी स्थानीय विज़ेपज्ञता और उत्कृष्ट खेल सुविधाओं के माध्यम से चीन के बढ़ते खेल बाजार तक विश्वस्तरीय क्रिकेट पहुंचाने में सहायक साबित होगा। वहीं, डब्ल्यूसीसी का संचालन अनुभवी प्रमोटर्स द्वारा किया जा रहा है, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय फ्रेंचाइजी आधारित खेल प्रतियोगिताओं के विकास और संचालन का व्यापक अनुभव है। इस साझेदारी का प्राथमिक उद्देश्य विश्वस्तरीय क्रिकेट अनुभव प्रदान करना और ऐसा मंच तैयार करना है, जो खिलाड़ियों तथा प्रशंसकों को अगली पीढ़ी को प्रेरित कर सके। डीँग्झुई स्पोर्ट्स के प्रतिनिधियों ने इस साझेदारी को लेकर अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा कि उनका लक्ष्य चीन को बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करना और शाक्सी टाउन क्रिकेट सेंटर को देश में क्रिकेट के अग्रणी केंद्र के रूप में विकसित करना है। उन्होंने जोर दिया कि डब्ल्यूसीसी के साथ यह पहल उन्हें विश्व क्रिकेट के कुछ सबसे बड़े नामों को चीनी प्रशंसकों के सामने लाने, खेल में अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने और चीन में क्रिकेट के विकास के लिए एक स्थायी विरासत तैयार करने का अवसर देती है।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, संभाग क्रमांक 1 बालाघाट (म.प्र.)

निविदा आमंत्रण-सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 40/ कार्यनि0/2026-27 बालाघाट, दिनांक 10.11.2026

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

सं क्र.	टेण्डर क्रं0	जिला	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनुमानित राशि (राशि लाख में)	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2026_PWDRB_548552	बालाघाट	विशेष मजबूतीकरण कार्य। 1. गर्रा पिपरिया मार्ग लम्बाई 2.20 कि.मी. 2. सेलवटपार दुर्रीशाघाट मार्ग लम्बाई 2.00 कि.मी. 3. ब्राम्हनटोला डोंके काथुरना मार्ग लम्बाई 4.00 कि.मी. 4. कोथुरना गौंडीटोला मार्ग लम्बाई 1.00 कि.मी. 5. आरेमा बकोही मार्ग लम्बाई 1.40 कि.मी. 6. आगरी जर्राहाभोगांय मार्ग लम्बाई 2.40 कि. मी. कुल लम्बाई 13.00 कि.मी.	बारहवां आमंत्रण	249.13	249200.00	15000.00	03 माह वर्षाऋतु सहित
				कुल योग	249.13			

उपरोक्त वेबसाइट आनॅलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र आनलाईन क्रय करने एवं आनलाईन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 27/11/2026 (17.30) घंटे निर्धारित है। निविदा की धरोहर राशि (EMD) एवं निविदा शुल्क अन्य सभी आवश्यक दस्तावेज आनलाईन ही जमा किये जायेंगें । विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है।

कार्यपालन यंत्री,
लोक निर्माण विभाग
संभाग क्रमांक 1 बालाघाट

G21412/26

दिल्ली 5बनी दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी

एक्यूआई 403 पर पहुंचा, जहरीली धुंध की चादर में लिपटा शहर; सांस लेना भी मुश्किल

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में प्रदूषण ने खतरनाक रूप ले लिया है। शुक्रवार को दिल्ली दुनिया का सबसे प्रदूषित बड़ा शहर बन गई। जहरीली हवा और घनी धुंध ने पूरे शहर को अपनी चपेट में ले लिया। हालात ऐसे हैं कि सड़कों पर दृश्यता घट गई है और लोगों को सांस लेने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्विस एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग संस्था आईक्यूएआईआर ने दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 334 दर्ज किया, जबकि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक यह 403 तक पहुंच गया। सीपीसीबी ने इसे सीवियर यानी गंभीर श्रेणी में रखा है। दिल्ली ने इस मामले में पाकिस्तान के लाहौर को भी पीछे छोड़ दिया है। करीब दो करोड़ की आबादी वाले महानगर में प्रदूषण का स्तर लगातार चिंता बढ़ा रहा है। सड़कों पर छाई धुंध के कारण वाहन चालकों को परेशानी हो रही है। कई इलाकों में स्ट्रीट लाइट तक धुंध के बीच धुंधली दिखाई दे रही हैं। अक्षरधाम मंदिर जैसे प्रमुख स्थल भी प्रदूषण की चादर में ढके नजर आए।



दो एजेंसियों के आंकड़ों में अंतर, लेकिन खतरा एक जैसा

दिल्ली के प्रदूषण को लेकर आईक्यूएआईआर और सीपीसीबी के आंकड़ों में अंतर जरूर है, लेकिन दोनों ही हवा की बेहद खराब स्थिति की ओर इशारा कर रहे हैं। आईक्यूएआईआर ने जहां एक्यूआई 334 दर्ज किया, वहीं सीपीसीबी का आंकड़ा 403 रहा। इसकी वजह दोनों संस्थाओं के एक्यूआई मापने के पैमाने और गणना को अलग-अलग पद्धतियां हैं। सीपीसीबी के पैमाने पर 401 से 500 के बीच एक्यूआई को गंभीर श्रेणी में रखा जाता है। इस स्तर पर स्वस्थ लोगों की सेहत पर भी असर पड़ सकता है, जबकि पहले से सांस और दिल की बीमारियों से जूझ रहे लोगों के लिए खतरा और बढ़ जाता है।

तीन बड़े कारणों से दमघोंटू हुई दिल्ली की हवा

दिल्ली में हर साल सर्दियों की शुरुआत के साथ प्रदूषण का संकट गहराने लगता है। इस बार भी वाहनों से निकलने वाला धुआं, निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल और आसपास के राज्यों में पराली जलाने से उठने वाला धुआं हवा को जहरीला बना रहा है। इसके साथ ही मौसम की परिस्थितियां प्रदूषण को और गंभीर कर रही हैं। ठंडी और भारी हवा प्रदूषक कणों को जमीन के करीब रोक लेती है। हवा की गति कम होने से ये कण वातावरण में फैलकर बाहर नहीं निकल पाते। नतीजतन प्रदूषण की परत शहर के ऊपर जमा होती जाती है। नवंबर और दिसंबर में पराली जलाने की घटनाएं बढ़ने से दिल्ली-एनसीआर की स्थिति और बिगड़ जाती है।

हर साल उपाय, फिर भी सर्दियों में गैस चैंबर बनती राजधानी

दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण के लिए हर साल ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान लागू किया जाता है। इसके तहत निर्माण गतिविधियों पर प्रतिबंध, वाहनों के इस्तेमाल पर पाबंदियां और धूल नियंत्रण जैसे कदम उठाए जाते हैं। जरूरत पड़ने पर स्कूलों की गतिविधियों और बाहरी कामकाज पर भी रोक लगाई जाती है। इसके बावजूद प्रदूषण का स्तर हर सर्दी में खतरनाक स्थिति तक पहुंच जाता है। इसकी बड़ी वजह यह है कि प्रदूषण के स्रोत केवल दिल्ली तक सीमित नहीं हैं। एनसीआर और आसपास के राज्यों से आने वाला धुआं भी राजधानी की हवा को प्रभावित करता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, स्थायी समाधान के लिए सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करना, वाहनों के उत्सर्जन पर नियंत्रण, निर्माण स्थलों पर धूल रोकने के इंतजाम और पराली के वैकल्पिक प्रबंधन पर काम करना जरूरी है।

प्रदूषण की कीमत चुका रही रोजमर्रा की जिंदगी

जहरीली हवा का असर केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। कम दृश्यता के कारण सड़कों पर यातायात प्रभावित होता है। सुबह और शाम के समय वाहन चालकों की परेशानी होती है। बच्चों की बाहरी गतिविधियां सीमित हो जाती हैं और बुजुर्गों को घरों में रहने की सलाह दी जाती है। सांस संबंधी परेशानियों वाले मरीजों के लिए यह मौसम विशेष रूप से मुश्किल बन जाता है। दिल्ली का मौजूदा संकट एक बार फिर सवाल खड़ा कर रहा है कि आखिर हर साल सर्दियों में राजधानी की हवा सांस लेने लायक क्यों नहीं रह पाती। प्रदूषण के कारण और समाधान दोनों स्पष्ट हैं, लेकिन समस्या यह है कि नियंत्रण के प्रयास मौसमी अभियान बनकर रह जाते हैं। जब तक दिल्ली-एनसीआर और आसपास के राज्यों में मिलकर सालभर प्रदूषण के स्रोतों पर नियंत्रण नहीं किया जाएगा, तब तक हर सर्दी में राजधानी को इसी जहरीली हवा का सामना करना पड़ सकता है।

शासकीय एसएसपी महाविद्यालय के छात्र मध्य क्षेत्र विश्वविद्यालय स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता हेतु कानपुर रवाना

पद्मेश न्यूज़। वारासिवनी। शासकीय एसएसपी महाविद्यालय वारासिवनी के छात्र मोहित गुड़ी कक्षा बीए प्रथम, प्रणीत सैय्याम कक्षा बीए प्रथम, रोहित भलावी कक्षा बीए चतुर्थ का चयन अखिल भारतीय



विश्वविद्यालय संघ के खेल कैलेंडर अनुसार छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर के द्वारा १४ नवंबर २०२६ से आयोजित मध्य क्षेत्र विश्वविद्यालय स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता हेतु हुआ है। तीनों का चयन मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के द्वारा जारी खेल कैलेंडर २०२६-२७ अनुसार आयोजित जिला एवं संभाग स्तर प्रतियोगिता में उच्च प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। तीनों छात्र आगामी माह में आयोजित राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता जबलपुर में भी महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे। ज्ञात हो कि मोहित ने इससे पूर्व में राष्ट्रीय संतोष ट्रॉफी, आई लीग सेकंड डिवीजन, मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग व प्रणीत ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम,अंडर २० नेशनल चैंपियनशिप आई लीग थर्ड डिवीजन, मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग व रोहित ने विश्वविद्यालय स्तरीय प्रतियोगिता में खेल चुके हैं एवं फ्रुटबॉल खेल के होनहार खिलाड़ी हैं। तीनों के चयन होने पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ एस एस गेडाम, क्रीड़ा अधिकारी विकास साहू क्रीड़ा समिति के समस्त व सदस्यगणों ने बधाई प्रेषित की है।

ग्राम मुण्डेसरा के पारंपरिक मेले में उमड़ा जनसैलाब, लोकसंस्कृति और आपसी भाईचारे की दिखी अनूठी झलक

पद्मेश न्यूज़। किरनापुर। क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत मुण्डेसरा में प्रतिवर्ष की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी पारंपरिक मेले का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास, उत्साह और धूमधाम के साथ किया गया। मेले में आसपास के



ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं परिवार सहित लोग शामिल हुए। पूरे आयोजन में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। पारंपरिक मेले में ग्रामीण संस्कृति, लोक परंपराओं, आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक एकता की सुंदर झलक देखने को मिली। मेले ने न



केवल ग्रामीणों को मनोरंजन का अवसर प्रदान किया, बल्कि अपनी जनभूमि और सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का भी अवसर दिया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से ग्राम मुकद्दम यूसुफ पटेल, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि राधेश्याम सिंघनभुरे ग्राम पंचायत मुण्डेसरा सरपंच अजय पांचें, पूर्व सरपंच महेंद्र मेश्राम सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, समाजसेवी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी ने पारंपरिक मेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे आयोजन हमारी पुरानी परंपराओं, लोकसंस्कृति और सामाजिक समरसता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ग्राम मुण्डेसरा का यह पारंपरिक मेला एक बार फिर साबित कर गया कि गांवों की असली पहचान उनकी संस्कृति, परंपराओं और आपसी भाईचारे में बसती है।

राजस्थान में पंचायत चुनाव के चौथे चरण का मतदान आज

जयपुर। राजस्थान में पंचायत राज संस्थाओं के चुनाव के तहत जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के लिए चौथे और अंतिम चरण का मतदान शनिवार को होना है। इस चरण में प्रदेश के 25 जिलों की कुल 2,524 सीटों पर चुनाव कराया जाएगा। चुनाव मैदान में 8,843 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार, इसमें जिला परिषद के 382 वार्ड और पंचायत समितियों के 2,142 वार्ड शामिल हैं। अधिकारियों के मुताबिक, जिला परिषद सीटों के लिए 1,322 और पंचायत समिति सीटों के लिए 7,521 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। इस चरण में 1.05 करोड़ से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकने वाले हैं। इसमें 54,88,275 पुरुष और 51,05,951 महिला मतदाता शामिल हैं। मतदान के लिए 25 जिलों में कुल 11,905 केंद्र बनाए गए हैं। इस चरण में श्रीगंगानगर जिले में सबसे अधिक मतदाता और जिला परिषद वार्ड हैं। यहां 30 जिला परिषद वार्डों के लिए 101 उम्मीदवार मैदान में हैं, जबकि 164 पंचायत समिति वार्डों पर 553 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। जिले में कुल 8,67,167 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने वाले हैं। इसके अलावा बाँसवाड़ा में 6,45,611, चूरू में 6,40,198 और डीडवाना-कुचामन में 6,03,262 मतदाता हैं। जयपुर जिले में 13 जिला परिषद और 82 पंचायत समिति वार्डों के लिए मतदान होगा। यहां जिला परिषद के 32 और पंचायत समिति के 241 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। जिले में 4,07,280 मतदाताओं के लिए 447 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। चूरू में भी 19 जिला परिषद वार्डों के लिए 66 और 114 पंचायत समिति वार्डों के लिए 351 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। प्रमुख उम्मीदवारों में भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड़ के बेटे पराक्रम सिंह और उनकी बहू भी शामिल हैं, जो चूरू जिले से चुनाव मैदान में हैं। अंतिम चरण में बालोतरा, बारां, ब्यावर, भरतपुर, बीकानेर, चित्तौड़गढ़, डीग, धौलपुर, हनुमानगढ़, जालौर, झुंझुनूं, करौली, खैरथल-तिजारा, प्रतापगढ़, सवाई माधोपुर, सलूंबर, सीकर और टोंक सहित अन्य जिले शामिल हैं। इसके पहले पहले चरण का मतदान 22 अक्टूबर, दूसरे चरण का 28 अक्टूबर और तीसरे चरण का मतदान 3 नवंबर को संपन्न हुआ था।

भारत की पहल से योग को मिली वैश्विक पहचान -प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत के प्रयासों से योग को दुनियाभर में नई पहचान मिली है। आज योग वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय हो चुका है और दुनिया के विभिन्न देशों में लोग योग को अपनाने के साथ इसके महत्व को समझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि विदेश यात्राओं के दौरान विभिन्न देशों के लोग उनसे अक्सर योग के बारे में चर्चा करते हैं। प्रधानमंत्री शुक्रवार को स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान (एस-व्यास) के आवासीय मुख्यालय परिसर 'प्रशांति कुटीरम' में आयोजित स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि योग अब भारत को समझने का महत्वपूर्ण माध्यम बना है। दुनिया के कई शाही परिवार भी योग के प्रति पूरी तरह समर्पित हैं। उन्होंने कहा कि इस शहर में उन्हें योग की अद्भुत ऊर्जा का अनुभव करने का मौका मिला है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत की पहल के कारण ही आज पूरी दुनिया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाती है। उन्होंने अपने विदेश दौरों का अनुभव साझा कर कहा कि वह जिस भी देश में जाते हैं, वहां लोग दोपहर या रात के भोजन के दौरान मुझसे योग के विषय में बातचीत करते हैं।

बिलॉन्गिंग ए जर्नी ऑफ लव के रिलीज होते ही सोनिया गांधी बनी इंटरनेट सनसनी

गूगल सर्च में 1250 प्रतिशत उछाल, विकिपीडिया पेज व्यू दोगुने से ज्यादा

नई दिल्ली। कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी ने करीब 12 साल पहले किया अपना एक वादा आखिरकार पूरा कर दिया। 23 जुलाई 2014 को पूर्व विदेश मंत्री नटवर सिंह की आत्मकथा में किए गए दावों पर जवाब देते हुए सोनिया ने कहा था कि सच्चाई सामने लाने का एक ही तरीका है और वह है खुद लिखना। अब उन्होंने अपनी किताब बिलॉन्गिंग ए जर्नी ऑफ लव के जरिए अपनी कहानी सामने रखी है। किताब के बाजार में आने के साथ ही सोनिया गांधी एक बार फिर राजनीतिक और सार्वजनिक चर्चा के केंद्र में आ गईं। खास बात यह है कि किताब की चर्चा सिर्फ साहित्यिक गलियारों या राजनीतिक हलकों तक सीमित नहीं रही। डिजिटल दुनिया में भी इसे लेकर जबरदस्त हलचल दिखाई दी। गूगल सर्च, विकिपीडिया पेज व्यू और सोशल मीडिया पोस्ट के आंकड़े बताते हैं कि किताब के रिलीज होने के आसपास सोनिया गांधी को लेकर लोगों की दिलचस्पी अचानक बढ़ गई।



गूगल पर सोनिया गांधी को खोजने की होड़

किताब के रिलीज होने के आसपास सोनिया गांधी को लेकर गूगल पर सर्च में असाधारण तेजी दर्ज की गई। 6 से 13 नवंबर के बीच भारत में सोनिया गांधी नाम की सर्च पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले करीब 1250 फीसदी बढ़ गई। 10 नवंबर तक उनका गूगल ट्रेंड्स स्कोर ज्यादातर 15 से नीचे था, लेकिन 11 नवंबर को वह सीधे 100 पर पहुंच गया। इसके बाद दिलचस्पी में गिरावट भी तेजी से आई। 12 नवंबर को स्कोर घटकर 63 और फिर करीब 40 तक पहुंच गया। 13 नवंबर तक यह 30 के आसपास आ गया। यानी किताब के रिलीज होने से पैदा हुई उत्सुकता ने कुछ दिनों के भीतर ही अपना शुरुआती जोर खोना शुरू कर दिया। गूगल ट्रेंड्स का स्कोर सापेक्ष लोकप्रियता दर्शाता है। 100 का अर्थ संबंधित अवधि में सर्वाधिक सर्च रुचि है, न कि वास्तविक सर्च की संख्या। इसके बावजूद आंकड़े बताते हैं कि किताब ने सोनिया गांधी को लेकर डिजिटल जिज्ञासा को अचानक बढ़ाया।

विकिपीडिया पर भी टूटा पुराना रिकॉर्ड

सोनिया गांधी के विकिपीडिया पेज पर भी लोगों की आवाजाही में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई। 11 नवंबर को उनके पेज को 32,482 बार देखा गया। यह पिछले 366 दिनों में सबसे ज्यादा पेज व्यू का आंकड़ा रहा। इससे पहले 22 जुलाई 2026 को 11,262 व्यू दर्ज किए गए थे। इस तरह किताब के रिलीज के आसपास पेज पर पहुंचने वालों की संख्या पुराने रिकॉर्ड से लगभग तीन गुना रही। आंकड़ों के मुताबिक, 9 नवंबर को सोनिया गांधी के विकिपीडिया पेज को 6,390 बार देखा गया था। किताब रिलीज होने वाले दिन यानी 10 नवंबर को यह संख्या बढ़कर 15,339 हो गई। अगले दिन 11 नवंबर को पेज व्यू 32,482 तक पहुंच गए। विकिपीडिया पेज व्यू किसी व्यक्ति की प्रोफाइल में लोगों की दिलचस्पी का संकेत देते हैं। हालांकि, इससे यह साबित नहीं होता कि इतने अलग-अलग लोगों ने पेज देखा, क्योंकि एक व्यक्ति भी कई बार पेज खोल सकता है।

एक्स पर किताब के नाम से हजारों पोस्ट

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी किताब को लेकर चर्चा तेज रही। टॉकर्बर के आंकड़ों के अनुसार, 6 से 13 नवंबर के बीच किताब के नाम का उल्लेख करते हुए करीब 96,800 पोस्ट किए गए।

सोशल मीडिया पर सक्रियता ने बढ़ाई चर्चा

किताब की लॉन्चिंग से पहले सोनिया गांधी की सोशल मीडिया पर मौजूदगी भी चर्चा का विषय बनी। लंबे समय तक इंस्टाग्राम और एक्स जैसे प्लेटफॉर्म से दूरी बनाए रखने वाली सोनिया ने 22 अक्टूबर को इंस्टाग्राम पर अपना अकाउंट बनाया था। इसके दो दिन बाद उन्होंने अपनी किताब की पहली झलक साझा की। 27 अक्टूबर को उन्होंने एक्स पर भी सक्रियता शुरू की। किताब आने से पहले उन्होंने लिखा था कि जब यह किताब आएगी तो कुछ तमाशा जरूर होगा। उनका कहना था कि दूसरे लोग दशकों से उनकी कहानी बताते रहे हैं, अब अपनी कहानी बताने की उनकी बारी है। सोनिया की यह टिप्पणी उनकी किताब के प्रचार के साथ-साथ उस लंबे विवाद की ओर भी इशारा करती है, जिसकी पृष्ठभूमि में उन्होंने आत्मकथात्मक लेखन का फैसला किया था।

12 साल बाद अपने शब्दों में जवाब

सोनिया गांधी की किताब की चर्चा का एक महत्वपूर्ण पहलू इसका राजनीतिक और व्यक्तिगत संदर्भ है। वर्ष 2014 में नटवर सिंह की आत्मकथा में गांधी परिवार और तत्कालीन राजनीतिक घटनाक्रम को लेकर किए गए दावों के बाद सोनिया ने अपनी बात खुद लिखने की इच्छा जताई थी। अब करीब 12 साल बाद उन्होंने उस दिशा में कदम बढ़ाया है। किताब के जरिए उन्होंने अपने जीवन, रिश्तों, अनुभवों और सार्वजनिक जीवन की यात्रा को अपने नजरिए से सामने रखने की कोशिश की है। ऐसे में पाठकों की उत्सुकता का एक कारण यह भी है कि वे उन घटनाओं और प्रसंगों को सोनिया की नजर से जानना चाहते हैं, जिनके बारे में अब तक दूसरे लोगों के संस्मरणों और राजनीतिक बयानों के जरिए चर्चा होती रही है।

देवसर्रा में एक व्यक्ति ने अपने घर के पीछे आम के पेड़ में फांसी लगाकर की आत्महत्या

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। चांगोटोला थाना अंतर्गत देवसर्रा में इसी ग्राम के एक व्यक्ति ने अपने घर के पीछे आम के पेड़ में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह घटना 12 नवंबर की रात्रि में हुई। पुलिस ने मृतक होलसिंह पिता गिरधारी मसराम 60 वर्ष शव बरामद कर लिए और पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार होलसिंह मसराम खेती किसानी करता था यह भी बताया गया है कि वह शराब पीने का भी आदि था। 12 नवंबर को होलसिंह ग्राम उमरिया थाना लामता अपना खेत देखने के लिए गया था। किंतु और रात्रि में घर नहीं लौटा। 13 नवंबर की सुबह पत्नी उर्मिला मसराम ने होलसिंह मसराम को अपने घर के पीछे आम के पेड़ फांसी लटका हुआ देखा गया। इस व्यक्ति के द्वारा शराब के नशे में फांसी लगाकर आत्महत्या की जाने की संभावना व्यक्त की जारी है चांगोटोला पुलिस ने होलसिंह मसराम का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच शुरू की है।



माइक्रोसॉफ्ट सर्वर में खराबी से विमान सेवाएं प्रभावित, स्पाइसजेट की तीन उड़ानें रद्द और दो लेट

नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर में आई वैश्विक तकनीकी खराबी का असर भारत में विमान सेवाओं पर भी पड़ा है। इस आउटेज के कारण स्पाइसजेट को परिचालन संबंधी दिक्कतों का सामना करना पड़ा, इसकारण दिल्ली से संचालित तीन उड़ानें रद्द कर दी गईं, जबकि दो उड़ानें विलंबित हुईं। प्रभावित उड़ानों में दिल्ली से पुणे, लेह और मुंबई जाने वाली उड़ानें शामिल हैं। वहीं, दिल्ली-दरभंगा और दिल्ली-मुंबई की उड़ानों में भी देरी हुई। दिल्ली हवाई अड्डे ने यात्रियों को जानकारी देकर कहा कि स्पाइसजेट एयरलाइंस परिचालन संबंधी चुनौतियों का सामना कर रही है। इसके कारण कुछ उड़ानों पर असर पड़ सकता है। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे अपनी उड़ानों की स्थिति और यात्रा संबंधी ताजा जानकारी के लिए सीधे एयरलाइन से संपर्क करें। इस तकनीकी समस्या का असर इंडिगो की सेवाओं पर देखने को मिला। एयरलाइन ने बताया कि उसकी ईमेल सहायता सेवा अस्थायी रूप से प्रभावित है और इस दौरान ग्राहकों के ईमेल प्राप्त होने में परेशानी हो सकती है। हालांकि, अन्य सहायता माध्यम सामान्य रूप से उपलब्ध हैं। दूसरी ओर, एयर इंडिया ने स्पष्ट किया कि माइक्रोसॉफ्ट आउटेज का उसके उड़ान संचालन पर कोई असर नहीं पड़ा है। एयरलाइन के सभी संचार माध्यम भी सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। ईमेल सेवाओं में संभावित बाधा से बचने के लिए कंपनी ने संदेशों को अस्थायी रूप से दूसरे सर्वर के माध्यम से भेजने की व्यवस्था की है। एयर इंडिया के अनुसार, यात्रियों के ईमेल का जवाब सामान्य 24 घंटे की समय-सीमा में दिया जा रहा है। माइक्रोसॉफ्ट की इस तकनीकी खराबी से आउटलुक, टीम्स, कोपायलट और माइक्रोसॉफ्ट 365 जैसी सेवाएं भी प्रभावित हुईं। आउटेज ट्रैकर डाउनडिटेक्टर पर बड़ी संख्या में उपयोगकर्ताओं ने इन सेवाओं के काम नहीं करने की शिकायत दर्ज कराई। रिपोर्ट के मुताबिक, अकेले आउटलुक को लेकर करीब 1.3 लाख उपयोगकर्ताओं ने समस्या की सूचना दी। माइक्रोसॉफ्ट ने स्वीकार किया कि अमेरिका क्षेत्र में कई उपयोगकर्ताओं को एक्सचेंज ऑनलाइन मेलबॉक्स तक पहुंचने में परेशानी हो रही है। कंपनी ने बताया कि समस्या का असर अन्य क्षेत्रों में माइक्रोसॉफ्ट 365 की सेवाओं पर भी पड़ सकता है। कंपनी की तकनीकी टीमें खराबी को दूर करने और सेवाओं को सामान्य बनाने में जुटी हैं।

छठ पर्व - देहरादून स्टेशन पर यात्रियों की भगदड़

देहरादून। छठ पर्व के मौके पर, देहरादून रेलवे स्टेशन पर पूर्वांचल के यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे गोरखपुर जाने वाली रात्री गंगा एक्सप्रेस में सीट पाने को लेकर भगदड़ और अफरा-तफरी मच गई। करीब २:१५ बजे जैसे ही ट्रेन से गोरखपुर जाने वाली रात्री गंगा एक्सप्रेस स्टेशन में दाखिल हुई, पूर्वांचल व बिहार के यात्रियों में अपनी जगह बनाने की होड़ शुरू हो गई। हर कोई सीट पाने के लिए डिब्बों की ओर बेतहाशा दौड़ पड़ा, जिससे प्लेटफार्म पर धक्का-मुक्की और अव्यवस्था का माहौल बन गया। ट्रेन के जनरल कोच में चढ़ने के लिए यात्रियों में भारी आपाधापी मच गई। भीड़ इतनी अनियंत्रित थी कि सुरक्षा के लिहाज से तैनात आरपीएफ और जीआरपी पुलिस को स्थिति संभालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। अनियंत्रित जनसैलाब को काबू करने में जवानों के पसीने छूट गए, क्योंकि स्टेशन का हर कोना भीड़ और भगदड़ में तब्दील हो गया था। सीट पाने की इस आपाधापी में यात्रियों ने कोच की खिड़कियों से भी अंदर घुसने में परहेज नहीं किया, हर कोई किसी भी तरह ट्रेन में प्रवेश पाने की जद्दोजहद में लगा था। सुरक्षाकर्मियों ने लगातार दौड़ते हुए यात्रियों को भगदड़ व किसी संभावित घटना से बचाने का प्रयास किया। कई महिलाओं और युवतियों को यात्रियों के बीच फंसे देख जवानों ने कड़ी मशक्कत के बाद सुरक्षित कोच व सीटों तक पहुंचाया। देखते ही देखते ट्रेन के सभी डिब्बे पूरी तरह से यात्रियों से खचाखच भर गए। इस भारी भीड़ और अफरा-तफरी के बावजूद, रात्री गंगा एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय करीब ३:१५ बजे देहरादून से गोरखपुर के लिए रवाना हुई।

बालाघाट
शनिवार 14 नवम्बर 2026
दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

बालाघाट एक्सप्रेस
शहर । समाज । गांव

12
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

भटेरा ओवरब्रिज निर्माण से बिगड़ी यातायात व्यवस्था, डायवर्ट मार्गों पर रोज लग रहा लंबा जाम

बूढ़ी और बैहर चौकी में लग रही वाहनों की कतार, लोग हो रहे परेशान, भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाने वार्डवासियों ने दी चक्काजाम की चेतावनी





पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भटेरा रेलवे क्रॉसिंग पर ओवरब्रिज निर्माण कार्य के चलते शहर की यातायात व्यवस्था लगातार प्रभावित हो रही है। रेलवे क्रॉसिंग से आवागमन बंद होने के बाद यातायात को जिन वैकल्पिक मार्गों से गुजारा जा रहा है, वहां अब वाहनों का दबाव बढ़ता जा रहा है। हालात यह हैं कि कभी बूढ़ी क्षेत्र में वाहनों की लंबी कतारें लग रही हैं तो कभी बैहर चौकी की ओर जाने वाले डायवर्ट मार्ग पर जाम की स्थिति निर्मित हो रही है। दिन हो या रात, लोगों को इन मार्गों से गुजरने के दौरान घंटों तक जाम में फंसे रहना पड़ रहा है। ओवरब्रिज निर्माण के चलते बदली गई यातायात व्यवस्था अब आम नागरिकों के लिए परेशानी का कारण बनती जा रही है।

बीती रात बूढ़ी क्षेत्र में एक बार फिर वाहनों का लंबा जाम लग गया। सड़क के दोनों ओर वाहनों की कतारें लगने से आवागमन प्रभावित हुआ और लोगों को काफी देर तक इंतजार करना पड़ा। वहीं 13 नवंबर को बैहर चौकी की ओर जाने वाले परिवर्तित मार्ग पर भी इसी तरह के हालात देखने को मिले। दोपहर के समय ट्रेन के गुजरने के दौरान बैहर चौकी मार्ग पर वाहनों का दबाव बढ़ गया और देखते लंबा जाम लग गया। इस दौरान दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों के साथ अन्य राहगीरों को भी आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ा। लगातार बन रही जाम की स्थिति को लेकर नागरिकों का कहना है कि ओवरब्रिज निर्माण के कारण यातायात को परिवर्तित करने से पहले प्रशासन को वैकल्पिक मार्गों की क्षमता और उन पर बढ़ने वाले वाहनों के दबाव का आकलन करना चाहिए था। लोगों के अनुसार बिना पर्याप्त यातायात प्रबंधन और ठोस योजना के किए गए डायवर्सन के कारण शहर के अलग-अलग हिस्सों में रोजाना जाम की स्थिति बन रही है। उनका कहना है कि केवल मार्ग बदल देने से यातायात व्यवस्था सुचारू नहीं हो सकती, बल्कि इसके लिए भारी और हल्के वाहनों के आवागमन की अलग-अलग व्यवस्था बनाने के साथ यातायात नियंत्रण के भी पुख्ता इंतजाम जरूरी हैं। इस संबंध में वार्ड क्रमांक 3 के पार्षद प्रतिनिधि सोहेल खान ने बताया कि बैहर चौकी की ओर से जिस मार्ग को डायवर्ट किया गया है, वहां शुरुआत में केवल हल्के वाहनों की आवाजाही की बात कही गई थी। लेकिन वर्तमान में इस मार्ग से बड़े और भारी वाहन भी लगातार गुजर रहे हैं। इससे न केवल सड़क पर यातायात का दबाव बढ़ रहा है, बल्कि दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी हुई है। उन्होंने बताया कि बड़े ट्रैक्टरों के आवागमन के चलते मार्ग पर लगी सड़क की सरिताएं तक टूट गई हैं। इसके बावजूद भारी वाहनों का गुजरना जारी है, जिससे स्थानीय रहवासियों की परेशानियां लगातार बढ़ रही हैं। सोहेल खान ने बताया कि स्थिति तब और गंभीर हो जाती है, जब रात के समय हार्वेस्टर जैसे बड़े और भारी वाहन भी इस संकरे मार्ग से गुजरते हैं। ऐसे वाहनों के कारण सड़क पर दूसरे वाहनों को निकलने के लिए पर्याप्त जगह नहीं मिलती और जाम जैसे हालात बन जाते हैं। भारी वाहनों की आवाजाही से दुर्घटना का खतरा भी बना रहता है। उन्होंने कहा कि डायवर्ट मार्ग का उपयोग स्थानीय रहवासियों और छोटे वाहन चालकों के लिए परेशानी का विषय बन गया है। निर्माण कार्य पूरा होने तक यातायात को व्यवस्थित रखने के लिए प्रशासन को स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने चाहिए। उन्होंने बताया कि कुछ ही दिनों में वार्डवासी इस अव्यवस्थित यातायात व्यवस्था से काफी परेशान हो चुके हैं। यदि समय रहते मार्ग पर भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक नहीं लगाई गई और हल्के वाहनों के लिए निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित नहीं कराया गया तो वार्डवासी आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। सोहेल खान ने चेतावनी दी कि वार्डवासियों के साथ मिलकर जल्द ही संबंधित मार्ग पर चक्काजाम किया जाएगा। जब तक प्रशासन की ओर से मार्ग पर हल्के वाहनों की आवाजाही को लेकर स्पष्ट गाइडलाइन जारी नहीं की जाती और भारी वाहनों के आवागमन पर रोक नहीं लगाई जाती, तब तक मार्ग को शुरू नहीं होने दिया जाएगा। इधर, लगातार लग रहे जाम के कारण शहरवासियों के सामने रोजाना आवागमन की समस्या खड़ी हो रही है। लोगों का कहना है कि ओवरब्रिज निर्माण कार्य अपनी जगह जरूरी है, लेकिन इसके चलते आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानियों का सामना नहीं करना चाहिए। प्रशासन को बूढ़ी और बैहर चौकी सहित सभी परिवर्तित मार्गों का निरीक्षण कर यातायात दबाव के अनुसार व्यवस्था बनानी चाहिए। विशेष रूप से भारी वाहनों के लिए अलग मार्ग निर्धारित करने, यातायात पुलिस की तैनाती और डायवर्सन के स्पष्ट संकेतक लगाने की आवश्यकता है, ताकि निर्माण कार्य के दौरान लोगों को जाम और दुर्घटनाओं के खतरे से राहत मिल सके।

दीपावली पर हुई चोरियों में एक मामले का खुलासा, तीन आरोपी पुलिस गिरफ्त में

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दीपावली पर्व के दौरान शहर में सूने मकानों और दुकानों को निशाना बनाकर अज्ञात चोरों ने लाखों रुपए की चोरी की वारदातों को अंजाम दिया था। शहर के अलग-अलग वार्डों में हुई इन घटनाओं के बाद पुलिस की गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हुए थे। अब इन वारदातों में पुलिस को एक मामले में सफलता मिली है। कोतवाली थाना प्रभारी अजय गुर्जर ने 13 नवंबर को मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि 7 नवंबर को जाकपुर घाट क्षेत्र में सुनील डहरवाल के सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने सोने की अंगूठी, गाड़ी और अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा और जांच शुरू की गई। पुलिस ने शहर में लगे अलग-अलग सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले, जिसके आधार पर तीन आरोपियों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ के दौरान तीनों आरोपियों ने जाकपुर घाट निवासी सुनील डहरवाल के घर में चोरी करना स्वीकार किया है। इस कार्रवाई के बाद दीपावली के दौरान हुई चोरी की घटनाओं में पुलिस को पहली सफलता मिली है। हालांकि शहर में हुई अन्य चोरी की वारदातों का खुलासा होना अभी बाकी है। गौरतलब है कि वार्ड क्रमांक 16 स्थित गुजरी बाजार मस्जिद रोड पर शिव चना सेंटर में भी करीब दो से ढाई लाख रुपए की चोरी हुई थी। इस घटना के बाद व्यापारियों ने पुलिस गश्त पर सवाल उठाते हुए क्षेत्र में नियमित पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की थी। व्यापारियों का कहना था कि बाजार क्षेत्र में लगातार पुलिस की मौजूदगी रहने से इस तरह की वारदातों पर अंकुश लगाया जा सकता है। बावजूद इसके इस मामले में अभी तक चोरों तक पुलिस नहीं पहुंच पाई है। दीपावली के दौरान शहर में हुई चोरी की घटनाओं के बाद पीड़ित परिवारों और व्यापारियों को पुलिस कार्रवाई का इंतजार है। जयपुर घाट के एक मामले में तीन आरोपियों की गिरफ्तारी से पुलिस को सफलता जरूर मिली है, लेकिन गुजरी बाजार सहित अन्य क्षेत्रों में हुई चोरियों का खुलासा होना अभी शेष है। ऐसे में अब सवाल यह है कि पुलिस बाकी वारदातों में शामिल आरोपियों तक कब पहुंचेगी और पीड़ितों का चोरी गया सामान कब तक बरामद हो पाएगा। कोतवाली थाना प्रभारी ने अन्य चोरियों का भी शीघ्र खुलासा करने की बात कही है। अब देखना होगा कि पुलिस इन मामलों को कितनी जल्दी सुलझा पाती है।

बोलेरो ने स्कूटी को ठोस मारकर फरार - दो युवक गंभीर रूप से घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लालबर्रा रोड पर स्थित ग्राम कनकों के पास गुरुवार शाम तेज रफ्तार बोलेरो कार स्कूटी को पीछे मारकर फरार हो गई। हादसे में स्कूटी से सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल युवकों रंजीत पिता नंदलाल कोटांगले 25 वर्ष और संतोष पिता रामलाल मेश्राम 34 वर्ष दोनों ग्राम बेहरई थाना लालबर्रा निवासी है। दोनों घायलों को पहले जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत गंभीर देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बेहरई निवासी रंजीत कोटांगले और संतोष मेश्राम मजदूरी करके अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। 12 नवंबर की शाम करीब 6 बजे संतोष रंजीत के साथ स्कूटी से मोबाइल सुधरवाने के लिए बालाघाट आ रहे थे। स्कूटी रंजीत चला रहा था और संतोष पीछे बैठा हुआ था। दोनों आराम से अपनी ओर से जा रहे थे। जैसे ही वे ग्राम कनकों में गोता स्कूल के पास पहुंचे, तभी बालाघाट की ओर से तेज रफ्तार से आ रही एक बोलेरो कार ने उनकी स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि स्कूटी सवार दोनों युवक सड़क पर गिरकर घायल हो गए। स्कूटी भी क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। इसी दौरान बोलेरो चालक वाहन को लेकर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना पर 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने दोनों का प्राथमिक उपचार किया। चोटें गंभीर होने के कारण डॉक्टरों ने दोनों को हायर सेंटर रेफर कर दिया। जिला अस्पताल पुलिस ने घायल संतोष मेश्राम का बयान लेकर इस मामले को घटनास्थल से संबंधित पुलिस थाना लालबर्रा भिजवा दिया है।

गोंगलई में एक दर्जन युवकों ने युवक पर किया हमला

लाठी-डंडों से पीटकर किया घायल

शोर सुनकर लोग दौड़े तो 3 बाइक छोड़कर भागे हमलावर



पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना क्षेत्र के ग्राम गोंगलई में एक दर्जन से अधिक युवकों ने एक युवक पर लाठी-डंडे और हाथ-मुक्कों से हमला कर उसे घायल कर दिया। वारदात के बाद हमलावर तीन मोटरसाइकिल मौके पर ही छोड़कर फरार हो गए। आपसी रंजिश के चलते यह वारदात 13 नवंबर की शाम करीब 7:30 बजे हुई। घायल युवक हर्ष पिता राजेश बोमाडे 20 वर्ष को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हर्ष ने कक्षा दसवीं के बाद पढ़ाई छोड़ दी है और ट्रैक्टर चलाने का काम करता है। बताया गया है कि हर्ष की गांव के ही किसी युवक से आपसी रंजिश चली आ रही थी।13 नवंबर की शाम करीब 7:30 बजे हर्ष अपने गांव के मोहल्ले में खड़ा होकर एक लड़की से बातचीत कर रहा था। तभी तीन-चार मोटरसाइकिलों पर सवार एक दर्जन से अधिक युवक वहां पहुंचे और अचानक हर्ष पर हमला कर दिया। हमलावरों ने उसे लाठी-डंडे और हाथ-मुक्कों से पीटना शुरू कर दिया।मारपीट के दौरान हर्ष के चिल्लाने पर मोहल्ले के लोग दौड़े। लोगों को आता देख हमलावर युवक अपनी तीन मोटरसाइकिल मौके पर ही छोड़कर फरार हो गए।मारपीट में घायल हर्ष को परिजन जिला अस्पताल बालाघाट लाए,जहां उसे भर्ती कर इलाज किया जा रहा है।ग्रामीण पुलिस इस मामले की जांच-पड़ताल कर रही है।





स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट